दैनिक
बुलन्द मंज़िल
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)
PRGI NO. - UPBIL/25/A4797
उ.प्र. के जनपद सम्भल से प्रकाशित...
बरेली मण्डल व मुरादाबाद मण्डल के जनपद अमरोहा, रामपुर, बिजनौर से प्रसारित...
वर्ष : 01 अंक : 105 संभल, शनिवार 28 मार्च 2026 पृष्ठ : 12 मूल्य: 05/-रू.

पेज :- 03- महानगर के 9 मंडलों में मन की बात , डॉ श्यामा प्रसाद...
पेज :- 04- रोटरी क्लब हापुड़ के नवनियुक्त अध्यक्ष मुस्लिम कुरैशी..

संक्षिप्त समाचार

नेपाल के प्रधानमंत्री बने बालेंद्र, मोदी ने दी बधाई

काठमांडू। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के नेता बालेंद्र शाह को शुक्रवार को नेपाल के 47वें प्रधानमंत्री बन गए हैं, उन्होंने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने बालेंद्र शाह को प्रधानमंत्री नियुक्त किया। सुदन गुरुंग को देश का नया गृह मंत्री बनाया जा सकता है। जेन जी आंदोलन से चर्चा में आए गुरुंग, गोरखा-2 सीट से चुनाव जीतकर सदन पहुंचे हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के बालेंद्र शाह को बधाई देते हुए कहा कि दोनों देशों की जनता के आपसी फायदे के लिए और भी अधिक ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।

महाराष्ट्र में रामनवमी जुलूस पर पथराव, कई घायल

अहिल्यानगर। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले के श्रीरामपूर शहर में रामनवमी का जुलूस निकाला जा रहा था। जब यह जुलूस सय्यद बाबा चौक पर मस्जिद के सामने से गुजरा, तभी अचानक पथराव शुरू हो गया। जुलूस में शामिल लोग नाच-गा रहे थे, तभी मस्जिद के पीछे से अज्ञात लोगों ने पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। इस पथराव में तीन लोग घायल हो गए। घायलों में से एक की हालत गंभीर थी, जिसे श्रीरामपूर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मस्जिद के मौलाना सहित 10 से 12 अज्ञात लोगों के खिलाफ श्रीरामपुर थाने में मामला दर्ज किया है।

मप्र के एसटीआर में बाघ का शिकार

नर्मदापुरम। मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम जिले में स्थित सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) के देनवा बफर सीमा से लगे सामान्य वन मंडल क्षेत्र में एक बाघ का शिकार हुआ है, लेकिन प्रबंधन इसे बाघ की मौत होना करार दे रहा है। टाइगर रिजर्व की फील्ड डायरेक्टर राखी नंदा ने बाघ की मौत की पुष्टि की है। सांगाखेड़ा परिक्षेत्र में बाघ गड्ढे में मिला है। बाघ के ऊपर मिट्टी डालकर सबूत मिटाने की आशंका है। घटनास्थल से एक मरा हुआ मवेशी भी मिला है। संभवत: शिकारियों ने बाघ को जहर देकर मारा होगा। बाघ की मौत पर हड़कंप मचा हुआ है।

अरुण हिमालयन सोसाइटी के अध्यक्ष निर्वाचित

भोपाल। मानसरोवर ग्लोबल विश्वविद्यालय के प्रो-चांसलर डॉ. अरुण कुमार पांडेय को 'ईस्ट हिमालयन सोसाइटी फॉर स्पर्मेटोफाइट टैक्सोनॉमी' का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया है।

दाम स्थिर रखने की रणनीति | वैश्विक तेल संकट के बीच सरकार का बड़ा फैसला

महंगा नहीं होगा पेट्रोल-डीजल, सरकार ने की एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपए कटौती

■ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में 10-10 रुपये प्रति लीटर की बड़ी कटौती की है। इस फैसले के बाद पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी घटकर 3 रुपये प्रति लीटर रह गई है, जबकि डीजल पर यह शून्य हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का यह कदम ऐसे समय आया है, जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल और देश में पैनिक बाइंग जैसी स्थितियां देखने को मिल रही थीं।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस टैक्स कटौती का सीधा लाभ उपभोक्ताओं को कीमतों में कमी के रूप में तुरंत नहीं मिलेगा। दरअसल, पेट्रोल-डीजल के खुदरा दाम तेल कंपनियां तय करती हैं। ऐसे में यह राहत ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को उनके बढ़ते घाटे से उबारने के लिए दी गई है। पिछले कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 50 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है, जबकि भारत में खुदरा कीमतें स्थिर रखी गई थीं। इससे कंपनियों को पेट्रोल पर करीब 24 रुपये और डीजल पर 30 रुपये प्रति लीटर तक का नुकसान हो रहा था।

60 दिन का ईंधन भंडार सुरक्षित, केंद्र सतर्क

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को देश के सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ एक अहम बैठक की। यह बैठक डिजिटल माध्यम से आयोजित की गई, जिसमें मौजूदा स्थिति और संभावित प्रभावों को लेकर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की जा रही है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, बैठक का मुख्य उद्देश्य राज्यों के साथ समन्वय मजबूत करना, आवश्यक आपूर्ति सुनिश्चित करना और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयारियों का आकलन करना है। केंद्र सरकार लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है और राज्यों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

सरकार को होगा राजस्व नुकसान | एक्साइज ड्यूटी में कटौती से केंद्र सरकार के राजस्व पर सीधा असर पड़ेगा। अनुमान है कि सरकार को रोजाना लगभग 416 करोड़ रुपये का नुकसान होगा इसमें पेट्रोल से 138 करोड़ और डीजल से 278 करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान है। इसके बावजूद सरकार ने यह कदम उठाया ताकि अंतरराष्ट्रीय बाजार के झटकों का पूरा बोझ आम जनता पर न पड़े।

राज्यों पर भी बढ़ेगा दबाव | केंद्र के इस फैसले के बाद अब राज्यों पर भी वैट घटाने का दबाव बढ़ सकता है। यदि राज्य सरकारें भी टैक्स में कटौती करती हैं, तो उपभोक्ताओं को 2 से 5 रुपये प्रति लीटर तक की अतिरिक्त राहत मिल सकती है।

सरकार का दावा: कोई कमी नहीं, अफवाहों से बचें

सरकार ने देश में पेट्रोल, डीजल और गैस की कमी की खबरों को सिरे से खारिज किया है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार भारत के पास लगभग 60 दिनों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और सभी रिफाइनरी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। साथ ही, लॉकडाउन की अफवाहों को भी सरकार ने निराधार बताया है। केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण और अन्य मंत्रियों ने स्पष्ट किया है कि ऐसी कोई योजना नहीं है। सरकार का यह कदम उपभोक्ताओं को तत्काल राहत देने के बजाय तेल कंपनियों और बाजार को स्थिर करने की दिशा में उठाया गया है। यह फैसला अर्थव्यवस्था और महंगाई के बीच संतुलन साधने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

छिंदवाड़ा में मृतकों के परिजनों से मिले मुख्यमंत्री

छिंदवाड़ा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मोहखेड़ तहसील के ग्राम करेर पहुंच कर छिंदवाड़ा बस दुर्घटना में मृतकों के परिजनों से भेंट कर ढांढस बंधाया। जान गंवाने वाले 10 लोगों में से 5 करेर गांव के थे। इससे पहले शुक्रवार सुबह मृतकों की अर्थियां एक साथ उठीं तो हर घर से रोने-सिसकने की आवाज आने लगीं।

भोपाल-ओरछा हेलिकॉप्टर सेवा शुरू

प्रति यात्री किराया 6500 रुपए

■ भोपाल

रामनवमी के पावन अवसर पर मध्य प्रदेश सरकार ने श्रद्धालुओं को बड़ी सौगात देते हुए भोपाल से ओरछा के बीच हेलिकॉप्टर सेवा शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा पूर्व में घोषित यह सेवा अब औपचारिक रूप से शुरू हो गई है, जिससे बुंदेलखंड क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक स्थल ओरछा तक पहुंचना पहले से कहीं अधिक सरल हो जाएगा।

राज्य सरकार ने इस सेवा के संचालन के लिए मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड और मेसर्स जेट सर्व एविएशन प्राइवेट लिमिटेड के बीच अनुबंध किया है। यह परियोजना पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर संचालित होगी। हेलिकॉप्टर सेवा का किराया प्रति यात्री लगभग 6500 रुपये तय किया गया है और यह उड़ान चंदेरी होते हुए ओरछा पहुंचेगी।

तीर्थ स्थलों पर सुविधाओं का विस्तार

राज्य सरकार प्रदेश के प्रमुख तीर्थ स्थलों पर सुविधाओं के विस्तार पर भी विशेष ध्यान दे रही है। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए यात्रा को अधिक सुविधाजनक और व्यवस्थित बनाने के प्रयास लगातार जारी हैं। सरकार का उद्देश्य है कि धार्मिक स्थलों तक पहुंचना आसान हो और यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। यह नई हेलीकॉप्टर सेवा न केवल समय की बचत करेगी, बल्कि प्रदेश में आस्था और पर्यटन के नए आयाम भी स्थापित करेगी।

मध्यप्रदेश 11.6 प्रतिशत विकास दर से कर रहा प्रगति, मुख्यमंत्री बोले

देश में सबसे तेज गति से आगे बढ़ रहा है मध्यप्रदेश, भव्य होगा उज्जैन सिंहस्थ

■ नई दिल्ली

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने वित्तीय संसाधनों के समुचित प्रबंधन से अच्छे परिणाम देने का मॉडल तैयार किया है। हम कम संसाधनों में भी बेहतर से बेहतर रिजल्ट दे रहे हैं। आज हमारा मध्यप्रदेश देश में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाले प्रदेश के रूप में पहचाना जा रहा है। मध्यप्रदेश 11.60 प्रतिशत की विकास दर से तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार के पास 106 प्रकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए समानुपातिक आवंटन के लिए पर्याप्त धनराशि है। जनकल्याण के साथ हम प्रदेश के औद्योगिक और अधोसंरचनात्मक

विकास के लिए भी सभी जरूरी कदम उठा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को नई दिल्ली में एक राष्ट्रीय मीडिया समूह की एनुअल समिट को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार ने विकास के लिए हर क्षेत्र में बहुत अच्छा काम किया है। हमारी कृषि विकास दर भी पहले से बेहतर हुई है। हमने बीते दो साल में औद्योगिक विकास पर विशेष ध्यान देकर जीआईएस और रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव कर मध्यप्रदेश में निवेश के लिए एक नया माहौल तैयार किया है। उन्होंने कहा कि बीते दो साल में प्रदेश में करीब 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश धरातल पर आया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के बारे में कहा कि उज्जैन में होने वाला सिंहस्थ विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक मेला है। यह केवल उज्जैन और मध्यप्रदेश का ही नहीं देश का भी सबसे गरिमापूर्ण आयोजन है। उज्जैन की आबादी 8 लाख है, पर सिंहस्थ के दौरान यहां दो महीनों के भीतर 40 करोड़ लोग आएंगे।

भजन बजाने पर विवाद, भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी के चालक को गोली लगी

■ ग्वालियर

रामनवमी पर माता के मंदिर पर भजन बजाने को लेकर हुए विवाद में पिता-पुत्रों ने पड़ोसियों पर हमला कर दिया। हमलावरों ने मारपीट कर गोलियां चला दीं। गोली लगने से भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल के चालक सहित दो लोग घायल हो गए। गोलियां चलने की सूचना मिलने पर पुलिस बल मौके पर पहुंची और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

मुरार थाना क्षेत्र स्थित अल्पना सिनेमा के पास रहने वाले संतोष पुत्र किशन पांडे 36 वर्ष के घर के सामने बीजासेन माता मंदिर पर रामवनमी पर्व होने पर भजन लाउडस्पीकर पर बज रहे थे। तभी पड़ोसी पप्पी उर्फ मुन्ना रजक और उसके बेटे निर्मल उर्फ भूरा और सूरज रजक आए और आपत्ति जताते हुए कहा कि भजन क्यों

आरोपी मुन्ना रजक दूसरे चित्र में निर्मल, अंतिम चित्र में सूरज रजक।

बजा रहे हो इससे दिक्कत हो रही है। जब उनको समझाने का प्रयास किया कि आज रामवनमी है माता के भजन बज रहे हैं। इसी बात को लेकर पिता-पुत्रों ने संतोष पांडेय और उसके चाचा के लड़के आकाश पांडेय से गाली गलौज करना शुरु कर दिया। विवाद बढ़ने पर तीनों ने मारपीट करना शुरू कर दी। इसी दौरान पप्पी रजक भागकर अपने घर से कट्टा निकाल लाया और उसने संतोष पर निशाना साधकर गोलियां चला दीं।

संतोष के बाजू को चीरकर गोली निकल गई, जबकि आकाश भी कट्टे की गोली से निकले बारूद से घायल हो गया। आकाश की आंख में चोट लगी है। संतोष पांडेय भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल के चालक हैं। जैसे ही उनको घटना का पता चला वह चिकित्सालय पहुंच गए। पप्पी रजक और उसके बेटों के द्वारा गोलियां चलाने की सूचना मिलने पर पुलिस बल मौके पर पहुंच गया और तीनों आरोपियों को पकड़कर थाने ले गए। गोलियां चलने की घटना से धार्मिक कार्यक्रम के दौरान लोगों में अफरा-तफरी मच गई। जिस समय आरोपियों ने गोलियां चलाईं उस समय मंदिर पर महिला श्रद्धालु भी मौजूद थीं जिनके साथ भी अभद्रता करने की बात सामने आई है। पुलिस ने राजकुमार उर्फ कालू पांडेय की शिकायत पर पप्पी, सूरज, निर्मल के खिलाफ धारा 296 (बी) 115 (2) 109 (1) 3 (5) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

क्षेत्र में फैला तनाव, पुलिस ने संभाला मोर्चा

संतोष पांडेय और पप्पी रजक पड़ोसी हैं। बताया गया है कि रात को भी दोनों पक्षों में विवाद हुआ था। उस समय बात आई गई हो गई थी। उसी बात को लेकर पप्पी एक बार फिर दिन में विवाद करने लगा। हमलावरों के गोलियां चलाने से क्षेत्र में थोड़ी देर के लिए तनाव फैल गया। पुलिस ने मौके पर जाकर स्थिति को संभाला।

इनका कहना है

गोलियां चलाने वाले और मोटरसाइकिल की तोड़फोड़ करने वाले तीन आरोपियों को पकड़ लिया है।

अतुल सोनी
नगर पुलिस अधीक्षक मुरार

मासूमों पर नशे का साया, पुलिस और प्रशासन गंभीर नहीं

■ रेलवे स्टेशन से लेकर मोहल्लों तक फैला जाल, प्रशासन और पुलिस की अनदेखी से हालात गंभीर

■ ग्वालियर

शहर में मंशापूर्ण हनुमान मंदिर के आसपास दो दिन पहले चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडब्ल्यूसी) ने कार्रवाई कर नशा करते हुए बच्चे पकड़े थे और पुलिस को बुलाकर इन्हें परिजन के सुपुर्द किया गया था। इसके साथ ही नशा बेचने वालों को भी पुलिस को सौंपा गया था। लेकिन इस मामले में अभी तक पुलिस की ओर से गंभीर कार्रवाई नहीं की गई है। मंशापूर्ण हनुमान मंदिर पर सीडब्ल्यूसी ने कार्रवाई की लेकिन इसके अलावा भी शहर के अन्य क्षेत्रों में बच्चों के लिए नशे के अड्डे संचालित किए जा रहे हैं, सामान्यतः पुलिस को नशा बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना चाहिए लेकिन अब तक यह कार्रवाई शून्य ही दिखाई दे रही है।

शहर में नशे की समस्या अब एक भयावह रूप लेती जा रही है और सबसे चिंताजनक बात यह है कि इसकी चपेट में छोटे-छोटे मासूम बच्चे आ रहे हैं। रेलवे स्टेशन से लेकर शहर के विभिन्न गली-मोहल्लों में कबाड़ बीनते बच्चे खुलेआम सुलोचन जैसे सस्ते नशे का सेवन करते दिखाई दे रहे हैं। इन बच्चों के हाथ में एक कपड़ा या रूमाल होता है, जिसमें नशे वाला पदार्थ लगा होता है और उसी को सूंघकर वे नशे की गिरफ्त में आ जाते हैं।

इन 5 स्थानों पर भी दिखाई देते हैं नशा करते बच्चे

दो दिन पहले चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की टीम ने मंशापूर्ण हनुमान मंदिर क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए नशा कर रहे बच्चों को पकड़ा और नशा बेचने वालों का भी खुलासा किया था। लेकिन यह समस्या केवल रेलवे स्टेशन के आस-पास तक सीमित नहीं है। फूलबाग मस्जिद के आसपास, बहोड़ापुर, नई सड़क, राम मंदिर क्षेत्र और कैलाश सिनेमा के पास भी बच्चे समूह बनाकर नशा करते नजर आते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि ये बच्चे दिनभर कबाड़ बीनने के बाद शाम को इन स्थानों पर बैठकर नशा करते हैं, लेकिन रोकथाम के लिए ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है। चूंकि सुलोचन शहर में आसानी से उपलब्ध और बेहद सस्ता नशा है, जिसके चलते यह तेजी से बच्चों के बीच फैल रहा है। हैरानी की बात यह है कि इस गंभीर समस्या पर पुलिस और प्रशासन की नजर पर्याप्त रूप से नहीं है, जिससे यह अवैध गतिविधि लगातार बढ़ती जा रही है। जबकि जिला प्रशासन, पुलिस और सीडब्ल्यूसी मिलकर संयुक्त कार्रवाई करें तो इस समस्या पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है।

फाइल फोटो

खतरनाक पदार्थों का हो रहा उपयोग

बच्चे नशे के लिए आयोडेक्स, पेट्रोल, सुलोचन और कुछ टेबलेट का उपयोग कर रहे हैं। खासकर स्लोचन और आयोडेक्स को रूमाल में डालकर सूंघना उनके बीच आम हो गया है। यह तरीका सस्ता जरूर है, लेकिन बेहद खतरनाक भी है, जो उनके शरीर को अंदर ही अंदर नुकसान पहुंचा रहा है।

अधिकांश बच्चे बाहरी जिलों से

जानकारी के अनुसार नशा करने वाले अधिकांश बच्चे ग्वालियर के नहीं हैं, बल्कि अन्य जिलों से आए हुए हैं। इनके माता-पिता मजदूरी करते हैं या कई बच्चे खुद ही सड़कों पर जीवन यापन करते हैं। ऐसे में इन पर किसी प्रकार का नियंत्रण नहीं होता और ये आसानी से नशे की चपेट में आ जाते हैं।

लगातार नशा करने से बच्चों पर गंभीर बीमारियों का खतरा

मेडिसिन रोग विशेषज्ञ डॉ. नीतेश मुदगल का कहना है कि यदि कोई बच्चा 2 से 3 साल तक लगातार इस तरह का नशा करता है, तो उसके फेफड़े, लिवर और किडनी पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ता है। इससे श्वसन संबंधी रोग, लिवर खराब और किडनी फेल होने जैसी गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

सहयोग मिले तो बच सकता है बच्चों के भविष्य

सीडब्ल्यूसी के अध्यक्ष सोमेश महंत का कहना है कि यदि पुलिस और जिला प्रशासन का पूरा सहयोग मिले, तो नशे की गिरफ्त में आए कई मासूम बच्चों के भविष्य को बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि समय रहते ठोस कदम उठाना बेहद आवश्यक है, ताकि बच्चों को इस खतरनाक लत से बाहर निकाला जा सके।

इनका कहना है

सीडब्ल्यूसी का पत्र मेरे संज्ञान में नहीं आया है। पुलिस नशेड़ियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई करती रहती है। पड़ाव, झांसी रोड और विश्वविद्यालय थाना पुलिस द्वारा रेल की पटरियों के इर्द-गिर्द घूमने वाले नशेड़ियों को समय-समय पर पकड़ा जाता है।

धर्मवीर सिंह
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक

लेह में कुदरत का कहर

लद्दाख में हिमस्खलन से छह की मौत, कई वाहन दबे

■ लेह

लद्दाख सेक्टर के जोजिला दर्रे के जीरो प्वाइंट इलाके में हिमस्खलन की घटना सामने आई है, जिसमें कुछ वाहन बर्फ के नीचे फंस गए हैं। इस हादसे में छह लोगों की मौत की आशंका जताई जा रही है। सूत्रों के मुताबिक अचानक आए हिमस्खलन के कारण वहां से गुजर रहे वाहनों को संभलने का मौका नहीं मिला और कई वाहन बर्फ में दब गए। घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन, सेना और बचाव दल मौके पर पहुंच गए हैं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि इलाके में मौसम खराब होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कतें आ रही हैं। फिलहाल फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के प्रयास जारी हैं और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल

सम्पादकीय

संभल
शनिवार, 28 मार्च 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

संपादकीय

श्रीराम आज भी प्रासंगिक क्यों हैं?

सभी पाठकों को पावन रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएं। हिंदू परम्परा में श्रीराम भगवान विष्णु के सातवें अवतार हैं, जिनका अवतरण त्रेता युग में हुआ। महर्षि वाल्मीकि प्रणीत रामायण और गोस्वामी तुलसीदास कृत रामचरितमानस में श्रीराम को जिस रूप में चित्रित किया गया है, वह आज भी कितना प्रासंगिक है, यह एक स्वाभाविक विचार है। इसी संदर्भ में भगवान विष्णु के ही आठवें अवतार श्रीकृष्ण का भी स्मरण होता है। दोनों ही करोड़ों हृदयों के लिए केवल ईश्वर नहीं, बल्कि आस्था, मर्यादा, जीवन-दर्शन और पथ-प्रदर्शक के शाश्वत प्रतीक हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम धर्म, त्याग और आदर्श शासन की प्रेरणा देते हैं, जबकि योगेश्वर श्रीकृष्ण कर्म, नीति, प्रेम और जीवन के गूढ़ रहस्यों का बोध कराते हैं। दोनों के बिना भारतीय जीवन-दृष्टि अपूर्ण है। श्रीराम और श्रीकृष्ण भिन्न-भिन्न परिस्थितियों में अवतरित हुए। श्रीराम का जन्म ऐसे वातावरण में हुआ, जहां परिवार और समाज का पूर्ण सहयोग उन्हें प्राप्त रहा। माता-पिता, भरत और लक्ष्मण जैसे त्यागमयी भाई-सभी ने जीवन के प्रत्येक मोड़ पर उनका साथ दिया। यहां तक कि कैकेयी, जिनके कारण उन्हें कष्टकारी वनवास मिला-वे भी उनकी अपनी थीं। अयोध्यावासी भी उनके प्रति गहन प्रेम और निष्ठा रखते थे। इस प्रकार श्रीराम का संघर्ष मुख्यतः बाहरी है। इसके विपरीत, श्रीकृष्ण का जीवन प्रारंभ से ही अंतर्द्वंद्व का प्रतीक रहा। जन्म लेते ही उन्हें अपने ही मामा कंस के भय से गोकुल भेजना पड़ा। वहां भी उनके वध हेतु कालिया, पूतना, शकटासुर, तृणावर्त, वत्सासुर, अघासुर, बकासुर, व्योमासुर और अरिष्टासुर जैसे अनेक असुरों को भेजा गया। फिर भी कान्हा ने अपने सभी शत्रुओं को परास्त किया। आगे महाभारत के रूप में उन्हें अपने ही कुल-परिवार के भीतर भीषण छल और युद्ध का सामना करना पड़ा। श्रीराम, पिता के निधन का समाचार पाकर वन में विलाप करते हैं और सीता-हरण के पश्चात व्याकुल होकर वन-वन भटकते हैं। इसके प्रतिकूल, श्रीकृष्ण बाल्यकाल से ही अद्वितीय धैर्य और संतुलन के प्रतीक बने रहते हैं। जन्म से प्रारम्भ होकर अंत तक उनके जीवन में असंख्य चुनौतियां आईं, किंतु श्रीकृष्ण ने कभी उन्हें अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया और सुदर्शन चक्रधारी के रूप में वे हर बार भगवान विष्णु के आठवें अवतार के रूप में अपनी दिव्यता का परिचय कराया। वहीं श्रीराम हरि अवतार होते हुए भी अपने प्रत्येक पीड़ा का सामना सामान्य मानव की तरह करते हैं। चूंकि सामान्य मनुष्य को श्रीकृष्ण की भांति आलौकिक शक्तियां प्राप्त नहीं होतीं, इसलिए श्रीराम का जीवन हर युग में मानव के लिए अधिक अनुकरणीय प्रतीत होता है। श्रीराम उन जीवन-मूल्यों के संरक्षक हैं जो व्यक्ति, समाज और विश्व को संतुलित, सुखी और मर्यादित जीवन जीने की दिशा दिखाते हैं। उनके जीवन का विश्लेषण अनेक मिथकों को खंडित करता है और यह बताता है कि प्रत्येक परिस्थिति में मनुष्य को कैसा आचरण करना चाहिए। उदाहरणस्वरूप, पिनाक (शिवधनुष) भंग होने के पश्चात जब भगवान परशुराम और लक्ष्मण के बीच वाक्-विवाद होता है और वातावरण अत्यंत तनावपूर्ण हो जाता है, तब श्रीराम अपनी विनम्रता और मधुर वाणी से स्थिति को संभालते हैं। फिर परशुरामजी, श्रीराम की महिमा स्वीकार करते हुए उनकी स्तुति करते हैं और तपस्या हेतु वन चले जाते हैं, कहि जय जय रघुकुल केतु, भृगुपति गए, बनहि तप हेतु। यह प्रसंग सिखाता है कि सफलता के शिखर पर पहुंचकर भी व्यक्ति को संयम और विनय नहीं छोड़ना चाहिए। श्रीराम सामाजिक समरसता के जीवंत प्रतीक हैं। वनवास के कठिन समय में उन्होंने अपने सहयोगी वन से चुने। केवट, निषाद, कोल, भील, किरात और वानर-भालू सभी उनके साथी बने। यदि वह चाहते, तो अयोध्या या जनकपुर से सहायता ले सकते थे, किंतु उन्होंने समाज के उन वर्गों को अपनाया, जिन्हें आज दलित, आदिवासी या पिछड़ा कहा जाता है। उन्होंने इन सभी को सखा कह कर संबोधित किया और हनुमानजी को लक्ष्मण से भी अधिक प्रिय बताया। रघुपति कीन्ही बहुत बड़ाई, तुम्ह मम प्रिय भरतहि सम भाई। इस संदर्भ में शबरी प्रसंग अत्यंत मार्मिक है। शबरी स्वयं को अत्यंत निम्न मानते हुए कहती हैं, अधम ते अधम अधम अति नारी, किंतु श्रीराम उत्तर देते हैं कि वह केवल भक्ति का संबंध मानते हैं-जाति-पांति कुल धर्म बड़ाई। इस प्रकार वह स्पष्ट करते हैं कि मनुष्य का मूल्य उसकी जाति या सामाजिक स्थिति से नहीं, बल्कि उसके भाव और कर्म से निर्धारित होता है। इसी प्रकार, गिद्धराज जटायु, जो सामान्य दृष्टि में तुच्छ पक्षी है, सीता जी की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर करते हैं। तब श्रीराम उन्हें पितातुल्य सम्मान देते हुए उनका अंतिम संस्कार करते हैं। यह दर्शाता है कि उनके लिए कर्म ही सर्वोपरि है। रावण, जो पुलस्त्य कुल में जन्मा विद्वान ब्राह्मण, महान शिवभक्त और स्वर्ण लंका का सम्राट था, अपने दुराचरण के कारण अधर्म का प्रतीक बन गया। परिणामस्वरूप, हनुमानजी द्वारा लंका-दहन और श्रीराम द्वारा उसका वध हुआ। रावण-वध यह संदेश देता है कि सामाजिक और आध्यात्मिक मूल्यों की रक्षा हेतु किसी भी व्यक्ति को उसके पद, वंश या सामर्थ्य से नहीं, बल्कि उसके आचरण के आधार पर आंका जाना चाहिए। बालि-वध के पश्चात श्रीराम सुग्रीव को किष्किंधा का राज्य सौंपते हैं और अंगद को उत्तराधिकारी घोषित करते हैं। इसी प्रकार, लंका विजय के बाद वह विभीषण का राजतिलक करते हैं और उनसे परिवार की स्त्रियों को सांत्वना देने का आग्रह करते हैं। यह दर्शाता है कि वह केवल विजेता नहीं, बल्कि न्यायप्रिय और करुणाशील शासक भी थे, जिन्हें राज्य और संपत्ति का लोभ नहीं था। शत्रु के प्रति भी मर्यादित व्यवहार का आदर्श श्रीराम प्रस्तुत करते हैं। जब विभीषण रावण के अंतिम संस्कार को लेकर संकोच करते हैं, तब श्रीराम कहते हैं- मरणान्तानि वैराणि... अर्थात शत्रुता का संबंध जीवनकाल तक सीमित होती है, मृत्यु के पश्चात उसका अंत हो जाना चाहिए। यह विचार आधुनिक हेग कन्वेंशन (1899, 1907 और 1954) जैसे अंतर्राष्ट्रीय मानकों से भी कहीं अधिक प्राचीन है।

अब युद्धविराम को लालायित ट्रंप

> लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। ट्रंप को हकीकत का एहसास हो गया कि 28 फरवरी को ईरान पर हमला बोलने और अली खामेनेई की हत्या के बाद वहां अपनी मर्जी का शासक नियुक्त करने और उसके साथ ही ईरानी तेल भंडारों पर कब्जे के जो ख्वाब उन्होंने देखे थे, वो अब पूरी तरह बिखर चुके हैं। इसलिए युद्ध के 26 दिन बीतने के बाद युद्ध छेड़ने वाला अमेरिका पीछे हटता हुआ नजर आ रहा है। लेकिन ट्रंप अपनी अकड़ अब भी बरकरार रखने के लिए दावा कर रहे हैं कि ईरान बातचीत के लिए तैयार है। जबकि ईरान ने किसी बातचीत या उसकी संभावना तक से इंकार कर दिया है। हालांकि नामुमकिन जैसा कोई शब्द राजनीति में नहीं होता, तो हो सकता है कि आज नहीं तो कल ईरान और अमेरिका फिर बातचीत की मेज पर आएं। लेकिन फिलहाल तो इसमें अमेरिका ज्यादा लालायित दिख रहा है, वहीं जख्मी ईरान और ज्यादा पलटवार करने के इरादे दिखा रहा है।

सर्वमित्रा सुरजन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पिछले तीन-चार दिनों से युद्धविराम पर कुछ ज्यादा ही जोर दे रहे हैं। इससे पहले तक ट्रंप बारंबार ऐलान कर रहे थे कि युद्ध अब खत्म होने ही वाला है, ईरान को हम बस जीतने ही वाले हैं, ईरान बस अब घुटनों पर आने ही वाला है। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। ट्रंप को हकीकत का एहसास हो गया कि 28 फरवरी को ईरान पर हमला बोलने और अली खामेनेई की हत्या के बाद वहां अपनी मर्जी का शासक नियुक्त करने और उसके साथ ही ईरानी तेल भंडारों पर कब्जे के जो ख्वाब उन्होंने देखे थे, वो अब पूरी तरह बिखर चुके हैं। इसलिए युद्ध के 26 दिन बीतने के बाद युद्ध छेड़ने वाला अमेरिका पीछे हटता हुआ नजर आ रहा है। लेकिन ट्रंप अपनी अकड़ अब भी बरकरार रखने के लिए दावा कर रहे हैं कि ईरान बातचीत के लिए तैयार है। जबकि ईरान ने किसी बातचीत या उसकी संभावना तक से इंकार कर दिया है। हालांकि नामुमकिन जैसा कोई शब्द राजनीति में नहीं होता, तो हो सकता है कि आज नहीं तो कल ईरान और अमेरिका फिर बातचीत की मेज पर आएं। लेकिन फिलहाल तो इसमें अमेरिका ज्यादा लालायित दिख रहा है, वहीं जख्मी ईरान और ज्यादा पलटवार करने के इरादे दिखा रहा है। ट्रंप की लाचारी की यह पराकाष्ठा है कि भारत-पाकिस्तान समेत आठ देशों में जंग खत्म करने के दावे करने वाले वो खुद अब मध्यस्थ की तलाश में हैं। बताया जा रहा है कि पाकिस्तान ईरान और अमेरिका में बातचीत करवा सकता है, इसमें अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस शामिल हो सकते हैं, लेकिन ईरानी पक्ष से कौन आएगा यह पता नहीं। पाकिस्तान अगर वाकई यह मध्यस्थता करवाता है, तो भारत के लिए यह बड़ी मात होगी। क्योंकि दुनिया में अब तक पाकिस्तान की छवि आक्रांता देश की रही है, जबकि भारत शांतिदूत की भूमिका में रहा है। अब पाकिस्तान अगर भारत का यह ओहदा छीनने में सफल होता है तो यह मोदी सरकार की बहुत बड़ी कूटनीतिक पराजय होगी। अगर मोदी शुरू से नेहरूजी

की बनाई विदेश नीति पर चलते तो न उन्हें किसी को गले लगाने या माई डियर फ्रेंड बोलने की जरूरत पड़ती, न बिना बात हाहा-हीही करने की। लेकिन निजी छवि के लिए मोदी ने यही सब किया अब भुगतान पूरा देश कर रहा है। अंग्रेजी का एक जुमला है कि तुम मुझे बताओ कि तुम्हारे दोस्त कौन हैं और मैं तुम्हें बताता हूं कि तुम कौन हो। वैसे मोदी ने लोकसभा और राज्यसभा में मध्यपूर्व की जंग पर अपना संक्षिप्त वक्तव्य देने के बाद बुधवार शाम सर्वदलीय बैठक भी बुलाई है। इसमें वो पहले की बैठकों की तरह अनुपस्थित रहेंगे या सारे दलों के नेताओं से चर्चा करने की हिम्मत दिखाएंगे, ये पता चल ही जाएगा। इस बीच नरेन्द्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच होर्मुज खुलवाने से लेकर ऊर्जा संकट आदि मुद्दों पर फोन पर चर्चा हुई है। इस बात की जानकारी भी पहले भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने दी और फिर प्रधानमंत्री मोदी ने भी इसके बारे में सोशल मीडिया पर बताया। गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, श्राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अभी प्रधानमंत्री मोदी से बात की। उन्होंने मध्य पूर्व की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखने का महत्व शामिल है। कुछ देर बाद प्रधानमंत्री मोदी ने भी एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि बातचीत उपयोगी रही। भारत तनाव कम करने और जल्द शांति बहाल करने का समर्थन करता है। होर्मुज स्ट्रेट को खुला, सुरक्षित और सबके लिए पहुंच योग्य रखना वैश्विक स्थिरता के लिए बेहद जरूरी है। खुद को लोकतंत्र का रहनुमा बताने वाले इन दोनों नेताओं में जो बातचीत हुई, उसमें कुछ नया नहीं है। इस चर्चा का महत्व तो तब रहता जब मोदी ट्रंप को दो टूक कहने की हिम्मत दिखाते कि आपने युद्ध छेड़कर ठीक नहीं किया और आपके कारण अब हम भी मुश्किल में फंसे हैं। लेकिन ऐसी कोई बात का जिक्र इस चर्चा में नहीं था। बाकी मोदी की हिम्मत पर सवाल इसलिए भी है कि वे लोकसभा और राज्यसभा में अपने साथी सांसदों से कह सकते थे कि मैं इस संकट के बारे में ट्रंप से चर्चा करने वाला हूं। या बात होने के फौरन बाद ही सोशल मीडिया पर जानकारी दे देते। लेकिन उन्होंने पहले सर्जियो गोर की पोस्ट का इंतजार किया, फिर अपनी तरफ से देश को जानकारी दी। ठीक वैसे ही जैसे ऑपरेशन सिंदूर को अचानक रोकने की जानकारी पहले ट्रंप ने दी थी, फिर अमेरिका ने। इसके बाद अगर विपक्ष कहे कि पीएम कॉम्प्रोमाइज्ड हैं, तो इन्हें बुरा लग जाता है। बहरहाल, 26 दिनों के युद्ध में हजारों मौतें हुई हैं, लाखों परिवार बर्बाद हुए हैं, कई देशों की अर्थव्यवस्थाएं प्रभावित हुई हैं, अरबों का धन बर्बाद हुआ है, दोनों हाथों से संपदा लुटाने वाली धरती को गोले-बारूद की मार से मरणासन्न किया गया है, बेजुबान पशु-पक्षियों, फूलों, पेड़ों, अनगिनत जीव-जंतुओं के अस्तित्व पर बन आई है, नदियां, सागर, पोखर, तालाब जहरीले हो चुके हैं और अब भी जीत की कोई संभावना नहीं दिख रही तो डोनाल्ड ट्रंप बेतुके तर्कों से युद्धविराम की बात कर रहे हैं। हालांकि ईरान शुरू से कहता आया है कि युद्ध वह अपनी शर्तों पर बंद करेगा और खून की आखिरी बूंद तक लड़ेगा। इसलिए इस समय भी उसके हमले तेज हैं और निशाने पर है इजरायल, जो ट्रंप की तरह युद्ध खत्म करने की बात तो नहीं कर रहा, लेकिन इस बारे में खबरें जरूर फैला रहा है। सऊदी अरब के मीडिया अल अरबिया ने इजरायली अखबार येदिओथ अहरोनोथ के हवाले से बताया कि ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने चुपके से अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ को बताया है कि सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने किसी संभावित समझौते तक पहुंचने के लिए बातचीत को मंजूरी दे दी है। यह खबर किसी चुटकुले से कम नहीं है, क्योंकि इजरायल यह तो तय कर ले कि मोजतबा खामेनेई के बारे में उसे दुनिया को क्या बताना है। कभी वह मोजतबा खामेनेई के मरने की बात करता है, कभी उन्हें गंभीर रूप से घायल बताता है और अब कह रहा है कि वे किसी संभावित समझौते के लिए बातचीत करने तैयार हैं। इतनी पलटी मारने के बाद इजरायल की विश्वसनीयता खाक रह गई है और यही हाल ट्रंप का भी है। शुक्रवार को ट्रंप ने कहा था कि युद्ध खत्म होने की कगार पर है, शनिवार को ट्रंप ने 48 घंटे का अल्टीमेटम दे दिया और सोमवार को पांच दिन के सीजफायर की बात कह दी। फिर ये भी कहा कि होर्मुज पर मैं और नया अयातुल्लाह मिलकर नियंत्रण रखेंगे। यानी ट्रंप ने दूसरे तरीके से यह मान लिया कि ईरान में नया सुप्रीम लीडर उन्हें मंजूर है, क्योंकि अब तक तो मोजतबा खामेनेई की हत्या की धमकी ट्रंप और नेतन्याहू दोनों दे रहे थे। दरअसल इन दोनों नेताओं को ये समझ आ गया है कि ईरान के साथ-साथ पूरी दुनिया का जो नुकसान इनकी सनक में हुआ है, उसे अब और ज्यादा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इधर खबर है कि मोजतबा खामेनेई के वरिष्ठ सैन्य सलाहकार मोहसिन रेजाई ने कहा है कि, अगर ट्रंप ईरान के बुनियादी ढांचे पर हमला करते हैं, तो यह अब श्आंख के बदले आंखश तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि एक आंख के बदले सिर, हाथ और पैर से जवाब दिया जाएगा। अमेरिका लंगड़ा हो जाएगा!श रेजाई ने यह भी दावा किया कि अमेरिका युद्धविराम के लिए तैयार था लेकिन नेतन्याहू ने जारी रखने पर जोर दिया। दरअसल अर्थव्यवस्था के लिहाज से यह लड़ाई अमेरिका को पहले ही महंगी पड़ रही है।

क्या होर्मुज विवाद डॉलर-युआन युद्ध में तबदील हो सकता है?

> दशकों से, मुद्रा युद्ध का अर्थ व्यापारिक लाभ के लिए निर्यात को सस्ता करने के लिए पारस्परिक अवमूल्यन का खेल रहा है। क्या होर्मुज एक ऐसा केंद्र बिंदू है, जो एक नए प्रकार के पैट्रो-मुद्रा युद्ध को जन्म दे सकता है? दुनिया के प्रमुख निर्यातक के रूप में, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ ईरान ने अपने लगभग आधे व्यापार को युआन में परिवर्तित किया है। दुनिया के सबसे सस्ते तरीके से निकाले जाने वाले तेल के संरक्षक के रूप में, इस्लामी गणराज्य ने पिछले सप्ताह खाड़ी क्षेत्र में तेल और गैस सुविधाओं पर हुए हमलों के बाद क्षेत्रीय राजतंत्रों के साथ अमरीकी गठबंधन पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और पुनघ्र्वचार करने का आग्रह किया। डॉलर में तेल का व्यापार लंबे समय से डॉलर की वैश्विक तरलता को स्थिर रखने में सहायक रहा है, यहां तक कि अमरीका द्वारा सोने के बदले डॉलर का भुगतान बंद करने के बाद भी। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से, कच्चे तेल, गैस और अन्य आयातकों के लिए कीमतें बढने के कारण डॉलर की मांग में उछाल आया है, जिससे डॉलर की कीमत में टैरिफ के कारण आई गिरावट से उबरने में मदद मिली है। व्यापार भुगतानों पर इसका प्रभुत्व आरक्षित मुद्रा के वैश्विक निर्धारक के रूप में अमरीका की भूमिका को मजबूत करता है। इससे शायद अमरीकी औद्योगिक प्रतिस्पर्धा के लिए डॉलर की मजबूती कम हुई हो लेकिन यह अमरीका को एक विशेषाधिकार भी प्रदान करता है। यह अपने राजकोषीय घाटे को बढ़ा सकता है और आसानी से ऋण का ढेर लगा सकता है, क्योंकि इसे अन्य देशों से सस्ते में उधार लेने की सुविधा मिलती है।

पिछले हफ्ते ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों के बारे में रिपोर्टें सामने आईं, जिनमें भारत जाने वाले एल.पी.जी. वाहक भी शामिल थे। इनमें से एक समूह, कोई आश्चर्य की बात नहीं, ईरानी कच्चे तेल का निर्यात करने वाले जहाजों का था। डाटा एनालिटिक्स फर्म केप्लर के अनुमान के अनुसार, अमरीका और इसराईल के साथ शत्रुता के बावजूद मार्च में ईरान के तेल शिपमैंट ने औसतन 1.3-1.4 मिलियन बैरल प्रतिदिन की गति बनाए रखी। रिपोर्ट के अनुसार, इसका अधिकांश हिस्सा चीन के लिए था, जिसे छोटे रिफाइनर चीनी युआन में भुगतान करके खरीद रहे थे। इसके विपरीत, खाड़ी देशों, जो दुनिया की सबसे मूल्यवान व्यापारिक वस्तु को डॉलर में बेचते हैं, ने अपने तेल को फंसा हुआ पाया है। दशकों से, मुद्रा युद्ध का अर्थ व्यापारिक लाभ के लिए निर्यात को सस्ता करने के लिए पारस्परिक अवमूल्यन का खेल रहा है। क्या होर्मुज एक ऐसा केंद्र बिंदू है, जो एक नए प्रकार के पैट्रो-मुद्रा युद्ध को जन्म दे सकता है? दुनिया के प्रमुख निर्यातक के रूप में, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ ईरान ने अपने लगभग आधे व्यापार को युआन में परिवर्तित किया है। दुनिया के सबसे सस्ते तरीके से निकाले जाने वाले तेल के संरक्षक के रूप में, इस्लामी गणराज्य ने पिछले सप्ताह खाड़ी क्षेत्र में तेल और गैस सुविधाओं पर हुए हमलों के बाद क्षेत्रीय राजतंत्रों के साथ अमरीकी गठबंधन पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और पुनघ्र्वचार करने का आग्रह किया। डॉलर में तेल का व्यापार लंबे समय से डॉलर की वैश्विक तरलता को स्थिर रखने में सहायक रहा है, यहां तक कि अमरीका द्वारा सोने के बदले डॉलर का भुगतान बंद करने के बाद भी। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से, कच्चे तेल, गैस और अन्य आयातकों के लिए कीमतें बढने के कारण डॉलर की मांग में उछाल आया है, जिससे डॉलर की कीमत में टैरिफ के कारण आई गिरावट से उबरने में मदद मिली है। व्यापार भुगतानों पर इसका प्रभुत्व आरक्षित मुद्रा के वैश्विक निर्धारक के रूप में अमरीका की भूमिका को मजबूत करता है। इससे शायद अमरीकी औद्योगिक प्रतिस्पर्धा के लिए डॉलर की मजबूती कम हुई हो लेकिन यह अमरीका को एक विशेषाधिकार भी प्रदान करता है। यह अपने राजकोषीय घाटे को बढ़ा सकता है और आसानी से ऋण का ढेर लगा सकता है, क्योंकि इसे अन्य देशों से सस्ते में उधार लेने की सुविधा मिलती है। जो देश इसके बांड खरीदते हैं या अन्य तरीकों से इसमें पूंजी का निर्यात करते हैं। इससे एक महत्वपूर्ण आघ्थक लाभ मिलता है-पूंजी की कम लागत। फिर भी, इसराईल के साथ ईरान पर इसके संयुक्त हमले ने मुद्रास्फीति के बढ़ते जोखिम के कारण इसके बांड यील्ड को बढ़ा दिया है। टैरिफ लगाने वाले व्हाइट हाऊस ने अपनी डॉलर नीति पर मिले-जुले संकेत दिए हैं लेकिन होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने के लिए ईरान को दिया गया इसका अल्टीमेटम तेल संबंधी रणनीति का हिस्सा है, जैसे ईरान के खार्ग निर्यात टर्मिनल पर इसकी नजर। यदि चीन चुपचाप होर्मुज के लिए लंबी लड़ाई के परिणाम में हिस्सेदारी चाहता है, तो संभवतरू इसके बदले में कच्चे तेल के बिल को युआन के पक्ष में स्थानांतरित करना शामिल है। निश्चित रूप से, अभी तक मुद्रा युद्ध छिड़ा नहीं है लेकिन इसका खतरा अब मामूली नहीं है। इस युद्ध का भारतीय रुपए पर क्या प्रभाव पड़ेगा? दुर्भाग्य से, अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। पूंजी प्रवाह में कमी के कारण व्यापार घाटा बढने की आशंका है, ऐसे में भारतीय रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.) की संकटमोचक भूमिका पर ध्यान केंद्रित हो रहा है। डॉलर की बिक्री से रुपए की तरलता भी कम हो रही है, इसलिए इस कमी को दूर करने के लिए आर.बी.आई. को खुले बाजार में बॉन्ड की खरीद बढ़ानी होगी। हालांकि, इस प्रक्रिया की भी एक सीमा है, जिसका अर्थ है कि ब्याज दरों को बढने से रोकने के लिए रुपए को और कमजोर होना पड़ सकता है। मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए, रुपए में गिरावट से निर्यात को बढ़ावा देने की तुलना में मुद्रास्फीति बढने की संभावना अधिक है, इसलिए आर.बी.आई. को अपने कार्यों को विवेकपूर्ण ढंग से समायोजित करना चाहिए। चूंकि विनिमय दरों और उधार देने के बीच आर.बी.आई. का एक अन्य प्रमुख संतुलन रुपए की आंशिक परिवर्तनीयता से उत्पन्न होता है, इसलिए कुछ पूंजी बहिर्वाह पर कड़े प्रतिबंध लगाने से उसका काम आसान हो सकता है। लेकिन इससे एक व्यापक संकट का संकेत मिलेगा और इसे उचित ठहराने के लिए पूंजी प्रवाह में भारी कमी की आवश्यकता होगी।

पश्चिम एशिया युद्ध में परमाणु खतरे के प्रति लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं

> इन देशों को डर है कि अमेरिका द्वारा जरूरी अवसंरचना पर बमबारी के बदले में, ईरान डीसेलिनेशन और जल शोधन संयंत्रों को निशाना बना सकता है, जिससे इस इलाके में लाखों लोगों को पानी की भारी कमी का सामना करना पड़ सकता है। ट्रंप ने यह भी कहा है कि ईरान के साथ अच्छी बातचीत चल रही है। लेकिन ईरान ने ट्रंप के इस दावे को पूरी तरह से खारिज कर दिया है कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत चल रही है। यह दावा ध्यान भटकाने की एक तरकीब हो सकती है, हालांकि इस बात की ज्यादा संभावना है कि अमेरिकी प्रशासन को ईरान के खिलाफ अपने सैन्य विकल्प की सीमाओं का एहसास होने लगा है। अमेरिका के अंदर भी ट्रंप की बात को कोई बहुत ज्यादा समर्थन नहीं मिल रहा है। लोगों की राय का एक बढ़ता हुआ हिस्सा मानता है कि वह नेतन्याहू के सामरिक एजेंडा से प्रभावित हुए हैं और यह अमेरिका की लड़ाई नहीं है, बल्कि इस इलाके में विस्तार के एक बड़े जायोनी नजरिए का हिस्सा है। ट्रंप ने यह भी दावा किया है कि वह 30 मिनट के अंदर लड़ाई खत्म कर सकते हैं। सामरिक मामलों के विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि ऐसा नतीजा सिर्फ नाभिकीय हथियारों के इस्तेमाल से ही मुमकिन होगा। यह बयानबाजी बहुत चिंताजनक है, खासकर ऐसे नेता की तरफ से जिसे जल्दबाजी में काम करने वाला और अलग-अलग राय रखने वाला माना जाता है- जो अक्सर अचानक फैसले लेता है, अपने बयान बदलता है, और लंबे समय की कोई सही रणनीति नहीं दिखाता।
> लगभग तीन हफ्ते की लड़ाई के बाद अमेरिका और इजरायल दोनों ही निराश दिख रहे हैं।

डॉ. अरुण मित्रा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अब होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने की अंतिम घोषित तिथि बढ़ा दी है। ऐसा लगता है कि यह फैसला उनके वरीय सैन्य नेतृत्व की सलाह पर, और साथ ही यूरोपीय देशों और खाड़ी सहकारी परिषद् (जीसीसी) के देशों के दबाव में लिया गया है। इन देशों को डर है कि अमेरिका द्वारा जरूरी अवसंरचना पर बमबारी के बदले में, ईरान डीसेलिनेशन और जल शोधन संयंत्रों को निशाना बना सकता है, जिससे इस इलाके में लाखों लोगों को पानी की भारी कमी का सामना करना पड़ सकता है। ट्रंप ने यह भी कहा है कि ईरान के साथ अच्छी बातचीत चल रही है। लेकिन ईरान ने ट्रंप के इस दावे को पूरी तरह से खारिज कर दिया है कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत चल रही है। यह दावा ध्यान भटकाने की एक तरकीब हो सकती है, हालांकि इस बात की ज्यादा संभावना है कि अमेरिकी प्रशासन को ईरान के खिलाफ अपने सैन्य विकल्प की सीमाओं का एहसास होने लगा है। अमेरिका के अंदर भी ट्रंप की बात को कोई बहुत ज्यादा समर्थन नहीं मिल रहा है। लोगों की राय का एक बढ़ता हुआ हिस्सा मानता है कि वह नेतन्याहू के सामरिक एजेंडा से प्रभावित हुए हैं और यह अमेरिका की लड़ाई नहीं है, बल्कि इस इलाके में विस्तार के एक बड़े जायोनी नजरिए का हिस्सा है। ट्रंप ने यह भी दावा किया है कि वह 30 मिनट के अंदर लड़ाई खत्म कर सकते हैं। सामरिक मामलों के विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि ऐसा नतीजा सिर्फ नाभिकीय हथियारों के इस्तेमाल से ही मुमकिन होगा। यह बयानबाजी बहुत चिंताजनक है, खासकर ऐसे नेता की तरफ से जिसे जल्दबाजी में काम करने वाला और अलग-अलग राय रखने वाला माना जाता है- जो अक्सर अचानक फैसले लेता है, अपने बयान बदलता है, और लंबे समय की कोई सही रणनीति नहीं दिखाता।

लगभग तीन हफ्ते की लड़ाई के बाद अमेरिका और इजरायल दोनों ही निराश दिख रहे हैं। उन्हें उम्मीद थी कि ईरान कुछ ही दिनों में हार मान लेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उम्मीदों के उलट, ईरान ने न सिर्फ अमेरिकी-इजरायली हमले का विरोध किया है, बल्कि खाड़ी में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाकर जवाबी कार्रवाई भी की है। ईरान के एफ-35 जैसे अतिविकसित लड़ाकू विमान को गिराने की खबरों ने हैरानी और बढ़ा दी है- जिन्हें सिर्फ अमेरिका और इजरायल चलाते हैं। इसके अलावा, ईरान ने हिंद महासागर में 4,000 किलोमीटर दूरी तक मार करने वाली लंबी दूरी की मिसाइलें दागी हैं, जिससे उसके दुश्मन परेशान हैं। डिमोना नाभिकीय संयंत्र समेत संवेदनशील जगहों के पास हाल के हमलों ने इजरायल की चिंता बढ़ा दी है। यह युद्ध एक बार फिर इजरायली सरकार की मानवीय नियमों और अन्तरराष्ट्रीय समझौतों की अनदेखी को दिखाता है। बच्चों समेत आम लोगों को हमलों का सबसे ज्यादा सामना करना पड़ा है, जबकि जरूरी अवसंरचना को सुनियोजित तरीके से नष्ट कर दिया गया है। गाजा में हुई तबाही और लेबनान में दुश्मनी का बढ़ना इस रूझान को और मजबूत करता है। साथ ही, खाड़ी देश अमेरिका के सुरक्षा भरोसे की कमियों को तेजी से पहचान रहे हैं। ऐसा लगता है कि अमेरिका भी बढ़ते अकेलेपन का सामना कर रहा है। नाटो ने कथित तौर पर होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित करने में शामिल होने से मना कर दिया है, जबकि यूरोपीय देश सैन्य गतिविधियों में शामिल होने से हिचकिचा रहे हैं। ट्रम्प ने इन देशों को श्कायरश कहकर उनकी बुराई की है, जिससे रिश्ते और खराब हो गए हैं। यूरोपीय नेताओं ने उनके शामिल होने की संभावना पर ही सवाल उठाते हुए जवाब दिया है, यह देखते हुए कि अगर अमेरिका- अपनी जबरदस्त नौसैनिक शक्ति के साथ- जलडमरूमध्य को सुरक्षित नहीं रख सकता, तो छोटी यूरोपीय सेनाएं तो बेअसर हो जाएंगी। खतरा यह है कि तनाव और बढ़ सकता है। अगर ईरान इजरायल या पूरे इलाके में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जरूरी सामरिक हमला करने में कामयाब हो जाता है, तो अमेरिकी नेतृत्व में निराशा और बढ़ सकती है। ट्रंप के जल्दबाज स्वभाव को देखते हुए, इस बात की असली चिंता है कि वह नाभिकीय हथियारों के इस्तेमाल सहित बहुत ज्यादा सख्त कदम उठा सकते हैं। इस खतरे को और बढ़ाने वाली बात मौजूदा अमेरिकी नेतृत्व की बनावट है, जिसमें अनुभवी राजनेता की कमी दिखती है और जो रणनीतिगत दूरदर्शिता के बजाय व्यापारिक सोच से ज्यादा प्रेरित है। नेतन्याहू के राज में इजरायल एक बदमाश देश बन गया है। इजरायली विरासत मंत्री अमीचाईएलियाहू ने गाजा पर नाभिकीय हथियारों के इस्तेमाल की धमकी दी थी। यह उनकी सोच को दिखाता है जिसके अब बदलने की उम्मीद कम है, खासकर तब जब ईरान ने इजरायल में डिमोना नाभिकीय संयंत्र के पास हमला किया है। इस झगड़े के आर्थिक नतीजे दुनिया भर में पहले से ही महसूस किए जा रहे हैं। ऊर्जा आपूर्ति में रुकावट से एक बड़ा आर्थिक संकट पैदा हो रहा है। भारत, जो ऊर्जा आयात पर बहुत ज्यादा निर्भर है, खास तौर पर कमजोर है। मुश्किल के शुरूआती संकेत दिख रहे हैं, जिनमें बढ़ती कीमतों की वजह से आबादी के एक हिस्से के जलाने की लकड़ी जैसे पारंपरिक ईंधन पर वापस लौटना भी शामिल है।

अगर हालात ऐसे ही रहे, तो इससे बड़े पैमाने पर औद्योगिक बंदी हो सकती है, छोटे व्यवसाय बंद हो सकते हैं, और परिवहन प्रणाली में गंभीर रुकावटें आ सकती हैंकृजिसमें रेल, सड़क और हवाई यात्रा शामिल है। कई देशों के पास लंबे समय तक रुकावट झेलने के लिए तेल भंडार पर्याप्त नहीं हैं। रासायनिक खाद की कमी से दुनिया भर में खाद्य सुरक्षा को और खतरा हो सकता है। यह बेहद चिंता की बात है कि फिलहाल, कोई भी वैश्विक शक्ति इस संघर्ष को खत्म करने के लिए प्रभावी मध्यस्थता करने में सक्षम नहीं दिख रही है। ब्रिक्स, जिसकी अध्यक्षता अभी भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं, की विश्वसनीयता पर वैश्विक भू-राजनीति में सवाल उठने लगे हैंय खासकर, युद्ध शुरू होने से ठीक पहले, उनके हाल ही में इजरायल दौरे के बाद। इससे यह धारणा बनी है कि भारत, अमेरिका-इजरायल गुट के साथ है।

हालांकि संयुक्त राष्ट्र को लगातार हाशिए पर धकेला जा रहा है, फिर भी यह एकमात्र ऐसी वैश्विक संस्था है जिसके पास हस्तक्षेप करने की वैधता है। यह बेहद जरूरी है कि संयुक्त राष्ट्र, अमेरिका, इजरायल और ईरान को शामिल करते हुए एक बाध्यकारी प्रस्ताव पर सहमति बनाने के लिए तत्काल कदम उठाएय जिसमें सभी पक्ष स्पष्ट रूप से यह वचन दें कि वे परमाणु हथियारों का इस्तेमाल नहीं करेंगे। इस संदर्भ में, परमाणु हथियारों के श्निषेध पर संधिश (टीपीएनडब्ल्यू) का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। दुनिया को परमाणु हथियारों की होड़ से पैदा होने वाले गंभीर खतरों को पहचानना होगा, और एक ऐसी तबाही को रोकने के लिए निर्णायक कदम उठाने होंगे जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। नागरिक समाज संगठनों को परमाणु युद्ध के मानवीय परिणामों को उजागर करने में और अधिक सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक ''**गिलेडविन मसीह**'' के लिए ''**बुलंद मंज़िल**'' हिन्दी दैनिक ए.एच. प्रिन्टर्स, सीधी सराय, असालतपुरा मुरादाबाद मे मुद्रित कराकर कार्यालय बुलंद मंज़िल शंकर कॉलेज चौराहा, राजा मार्केट, प्रथम तल, जनपद संभल से वितरित किया गया। इस अंक में प्रकाशित समाचारों में खबरों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी०आर०वी० एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद सम्भल न्यायालय के अधीन होंगे।
PRGI NO. - UPBIL/25/A4797- Contect No.- 8630704122

CMYK

थाने की दीवारों के पीछे डील : वर्दी पर लगा दाग, थानाध्यक्ष सस्पेंड

दैनिक बुलंद मंज़िल
अमरोहा ब्यूरो। जनपद में पुलिस कार्यशैली पर सवाल खड़े करने वाला एक गंभीर मामला सामने आया है, जिसमें अवैध हिरासत, झूठे मुकदमे की धमकी और कथित वसूली के आरोपों के बाद रहरा थानाध्यक्ष को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक के आदेश पर यह कार्रवाई की गई है, जबकि पूरे प्रकरण में महिला समेत दो लोगों के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम पोरारा निवासी रामदास पुत्र बाबूराम ने 26 मार्च को पुलिस कार्यालय पहुंचकर शिकायत दी कि गांव के ही जितेंद्र पुत्र सहेन्द्रपाल, रुपवती पत्नी स्वर्गीय गंगा प्रसाद और मुकेश पुत्र रुपवती द्वारा उसे झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी गई। आरोप है कि थाना रहरा पुलिस ने 20 मार्च को उसे अवैध रूप से हिरासत में रखा और इस दौरान समझौतेह्व के नाम पर उसके परिवार से 1 लाख रुपये नकद और 35 हजार रुपये यूपीआई के माध्यम से वसूले गए। मामले की जांच क्षेत्राधिकारी हसनपुर को सौंपी गई। जांच में सामने आया कि रुपवती ने 19 मार्च को पिंटू त्यागी पर दुष्कर्म का आरोप लगाया था। इसके अगले ही दिन 20 मार्च को उसने एक और प्रार्थना पत्र देकर रामदास को भी आरोपी बना दिया। जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि जितेंद्र ने मुकदमे का भय दिखाकर रामदास के परिजनों से कुल 1,35,000 रुपये अवैध रूप से वसूले। सबसे गंभीर तथ्य यह सामने आया कि रामदास को 24 घंटे से अधिक समय तक पुलिस हिरासत में अवैध रूप से रखा गया और समझौता होने के बाद ही छोड़ा गया। इस पूरे घटनाक्रम में थानाध्यक्ष बृजेश कुमार की कार्यशैली प्रथम दृष्टया संदिग्ध और अनियमित पाई गई। पुलिस अधीक्षक अमरोहा ने तत्काल प्रभाव से थानाध्यक्ष रहरा बृजेश कुमार को निलंबित कर दिया है और उनके खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। वहीं, रुपवती और जितेंद्र के खिलाफ थाना रहरा में मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है। इस घटना ने जिले में पुलिस की कार्यप्रणाली और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाएगी।

फूलों की बारिश, जयकारों की गूंज : ढबारसी में निकली भव्य शोभायात्रा

दैनिक बुलंद मंज़िल
ढबारसी ब्यूरो। रामनवमी के पावन अवसर पर ढबारसी कस्बे में निकाली गई भव्य कलशयात्रा ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय रंग में रंग दिया। हर वर्ष की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस बार भी श्रद्धा, उत्साह और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला।

कलशयात्रा का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक महेंद्र सिंह खडगवंशी ने फीता काटकर किया। यात्रा होली चौक से शुरू होकर शनि बाजार, आदमपुर चौराहा, पुलिस चौकी, धर्मकांटा, मुख्य बस स्टैंड, पुराना बाजार, मंडी समिति और मौहल्ला बड़ा महादेव होते हुए पुनः होली चौक पर संपन्न हुई। यात्रा में 51 महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर डीजे पर बज रहे भक्ति गीतों के साथ कदमताल मिलाई, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। झांकियों में शंकर-पार्वती, राधा-कृष्ण के जीवंत रूपों ने लोगों का मन मोह लिया, वहीं काली अखाड़ा, भोलेनाथ के साथ भूतों की टोली और नृत्य करते घोड़े-घोड़ी यात्रा के मुख्य आकर्षण बने रहे। पूरा मार्ग श्रद्धालुओं से पटा रहा। जगह-जगह लोगों ने फूलों की वर्षा कर कलशयात्रा का भव्य स्वागत किया, जिससे आयोजन की गरिमा और भी बढ़ गई। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर थाना प्रभारी संजय कुमार सिंह भारी पुलिस बल के साथ मुस्तैद नजर आए।

कलशयात्रा के सफल आयोजन में संयोजक अमित कुमार, दिनेश शर्मा, मास्टर गजराज सिंह त्यागी, रोहतास सैनी, करनवीर, यशपाल सिंह प्रधान, करन सिंह कश्यप, राजन कुमार, मोनू जाटव और विशाल कुमार समेत कई गणमान्य लोगों का विशेष योगदान रहा। रामनवमी के इस आयोजन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि ढबारसी में आस्था केवल परंपरा नहीं, बल्कि जन-जन की भावना है, जो हर साल और अधिक भव्य रूप में सामने आती है।

इतिहास के पन्नों में नाम दर्ज : कोमल तोमर बनीं आदमपुर की पहली महिला थानाध्यक्ष

नवयुक्त थानाध्यक्ष आदमपुर कोमल तोमर

दैनिक बुलंद मंज़िल
आदमपुर ब्यूरो। क्षेत्र में पुलिस प्रशासन ने एक ऐतिहासिक पहल करते हुए पहली बार किसी महिला अधिकारी को थानाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है। यह कदम न सिर्फ प्रशासनिक बदलाव का प्रतीक है, बल्कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार, अंग्रेजी हुकूमत के दौर में वर्ष 1924 में पतित पावन गंगा के खादर क्षेत्र में लगातार आने वाली बाढ़ की समस्या के चलते रहरा थाना को स्थानांतरित कर आदमपुर में स्थापित किया गया था। तब से लेकर अब तक, करीब एक सदी के लंबे अंतराल में पहली बार ऐसा हुआ है जब किसी महिला पुलिस अधिकारी को इस थाने की कमान सौंपी गई है।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन में किए गए इस बदलाव के तहत रजबपुर थानाध्यक्ष कोमल तोमर को आदमपुर थानाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनके कार्यभार संभालते ही क्षेत्र में एक नई उम्मीद और सकारात्मक बदलाव की चर्चा शुरू हो गई है। कोमल तोमर इससे पहले रजबपुर थाने में अपने कुशल नेतृत्व, अपराध नियंत्रण और जनता के साथ बेहतर संवाद के लिए जानी जाती रही हैं। उनकी कार्यशैली में सख्ती और संवेदनशीलता का संतुलन देखने को मिला है, जिसके चलते उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। स्थानीय लोगों का मानना है कि महिला थानाध्यक्ष की नियुक्ति से क्षेत्र में महिलाओं से जुड़े मामलों के निस्तारण में और अधिक संवेदनशीलता और तेजी आएगी। साथ ही, महिला सुरक्षा को लेकर भी सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल सकता है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि यह निर्णय पुलिस विभाग में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और महिलाओं को नेतृत्व के अवसर प्रदान करने की दिशा में उठाया गया है। आने वाले समय में इस तरह के और भी बदलाव देखने को मिल सकते हैं। कुल मिलाकर, आदमपुर थाने में महिला थानाध्यक्ष की नियुक्ति न केवल एक प्रशासनिक बदलाव है, बल्कि यह समाज में बदलती सोच और महिलाओं के बढ़ते नेतृत्व का भी प्रतीक बनकर सामने आई है।

मंत्री पहुंचे गांव, समस्याओं पर सीधा वार—चौपाल में मिला समाधान

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी
अमरोहा। जनपद के ग्राम पंचायत फौलादपुर में शुक्रवार को आयोजित ग्राम चौपाल उस समय खास बन गई, जब प्रदेश के राज्य मंत्री के०पी० मलिक सीधे ग्रामीणों के बीच पहुंचे और उनकी समस्याओं को सुना। चौपाल सिर्फ औपचारिकता नहीं रही, बल्कि समाधान और संवाद का मजबूत मंच बनकर उभरी। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के तहत बने बरात घर के लोकार्पण से हुई। इसके बाद मंत्री ने ग्रामीणों से सीधा संवाद करते हुए कहा कि सरकार की मंशा है कि योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के सीधे पात्र लोगों तक पहुंचे। उन्होंने बच्चों की शिक्षा और संस्कार पर जोर देते हुए कहा कि यही भविष्य के मजबूत समाज की नींव हैं। चौपाल में कई भावुक और प्रेरणादायक पल भी देखने को मिले। मंत्री ने गर्भवती महिलाओं की गोदभराई कर उन्हें आशीर्वाद दिया, वहीं छोटे बच्चों का अन्नप्राशन कर परंपराओं को जीवंत किया। जरूरतमंदों को योजनाओं का लाभ देते हुए आवास योजना के लाभार्थियों को चाबी, वृद्धावस्था पेंशन स्वीकृति पत्र, सफाई कर्मचारियों को सम्मान पत्र और प्रतिभाशाली युवाओं को सम्मानित किया गया। विशेष तौर पर समूह की महिलाओं को सीआईएफ के तहत 45 लाख रुपये के प्रमाण पत्र वितरित किए गए, जिससे गांव में स्वरोजगार की नई उम्मीद जगी। ओडीओपी और मुख्यमंत्री युवा योजना के तहत भी आर्थिक सहायता प्रदान की गई। युवक और महिला मंगल दल को खेल किट देकर युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित किया गया। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए बड़े लक्ष्य तय करने का संदेश दिया और भरोसा दिलाया कि सरकार हर संभव सहयोग देगी। पूरे कार्यक्रम में विकास, सम्मान और संवाद की झलक साफ नजर आई, जिससे ग्रामीणों में उत्साह और विश्वास दोनों बढ़ा। यह चौपाल एक दिन का आयोजन नहीं, बल्कि गांव के विकास की नई दिशा तय करने वाला कदम बनकर सामने आई।

खबर छपी तो दौड़े जिम्मेदार : आनन-फानन छिड़का सैनिटाइजर, 4.43 लाख खर्च पर सवाल गहराए

दैनिक बुलन्द मंज़िल
जनपद अमरोहा
ना सफाई, ना छिड़काव... फिर कहां गया 4.43 लाख
ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, किया प्रदर्शन

शुक्रवार को हुई प्रकाशित खबर

खबर प्रकाशित होते ही जिम्मेदार सैनिटाइजर छिड़काव कराते हुए

दैनिक बुलंद मंज़िल
रहरा ब्यूरो। गंगेश्वरी ब्लॉक क्षेत्र के गांव भावली में सरकारी धन के कथित दुरुपयोग का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। शुक्रवार को इस मुद्दे को प्रमुखता से प्रकाशित किए जाने के बाद जिम्मेदार अधिकारी हरकत में आ गए और आनन-फानन में गांव पहुंचकर सैनिटाइजर का छिड़काव कराया। हालांकि इस कार्रवाई ने मामले को शांत करने के बजाय और अधिक संदेह पैदा कर दिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि बीते तीन महीनों में गांव में फॉगिंग, सैनिटाइजर छिड़काव और सफाई कार्य के नाम पर 4,43,904 रुपये खर्च दिखाए गए हैं, जबकि धरातल पर ऐसे किसी व्यापक कार्य के प्रमाण नहीं मिलते। गांव के कई मोहल्लों में गंदगी के ढेर, जलभराव और मच्छरों की भरमार साफ तौर पर प्रशासनिक दावों की पोल खोल रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि वास्तव में इतने बड़े बजट का उपयोग हुआ होता, तो गांव की तस्वीर कुछ और ही होती। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि लंबे समय से न तो नियमित सफाई कराई गई और न ही मच्छर जनित बीमारियों से बचाव के लिए कोई ठोस कदम उठाया गया। ऐसे में अब अचानक खबर छपते ही छिड़काव कराना अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। गांव के वरिष्ठ नागरिकों और युवाओं ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि धनराशि का दुरुपयोग हुआ है, तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। ग्रामीणों ने यह भी मांग उठाई कि भविष्य में इस प्रकार के कार्यों की निगरानी के लिए पारदर्शी व्यवस्था लागू की जाए, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ सही मायनों में जनता तक पहुंच सके। वहीं, इस मामले में संबंधित विभाग के अधिकारियों का कहना है कि गांव में समय-समय पर सफाई और छिड़काव कार्य कराए गए हैं और सभी खर्च नियमानुसार किए गए हैं। हालांकि ग्रामीणों के आरोपों और मौके की स्थिति को देखते हुए अब इस पूरे प्रकरण की जांच की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता। फिलहाल, गांव भावली में प्रशासन की इस त्वरित कार्रवाई ने यह तो साफ कर दिया है कि खबर का असर हुआ है, लेकिन साथ ही यह सवाल भी छोड़ दिया है कि क्या पहले किए गए कार्य वास्तव में कागजों तक ही सीमित थे। अब सबकी नजर इस बात पर टिकी है कि प्रशासन इस मामले में आगे क्या कदम उठाता है और क्या सच सामने आ पाता है।

निरीक्षण में खुली पोल : मंत्री के तेवर सख्त, एक हफ्ते में नौगावां तहसील को दुरुस्त करने का अल्टीमेटम

दैनिक बुलंद मंज़िल
अमरोहा ब्यूरो। नवनिर्मित तहसील नौगांवा सादात का निरीक्षण उस समय अधिकारियों के लिए असहज स्थिति में बदल गया, जब प्रदेश के राज्यमंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री के0पी0 मलिक ने निर्माण कार्यों में खामियों की परतें एक-एक कर खोल दीं। मौके पर पहुंचे मंत्री ने आवासीय और अनावासीय भवनों की गुणवत्ता को बारीकी से परखा और कई कमियों पर तीखी नाराजगी जताई। निरीक्षण के दौरान मुख्य भवन, हवालात, बैरक, गैराज, पंप रूम, सीसी सड़क, बाउंड्रीवाल गेट, बोरिंग, ट्यूबवेल, बाहरी विकास कार्य और विद्युत संयोजन जैसे महत्वपूर्ण हिस्सों का जायजा लिया गया। लेकिन जो तस्वीर सामने आई, वह अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं थी। आवासीय भवनों में घटिया गुणवत्ता की अलमारियां और टूटी टाइल्स देखकर मंत्री का पारा चढ़ गया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि सरकारी निर्माण में लापरवाही किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए एक सप्ताह के भीतर सभी खामियों को पूरी तरह दूर करने का अल्टीमेटम दिया। सबसे ज्यादा नाराजगी सीसी सड़क की खराब फिनिशिंग और गलत लेवल को लेकर देखने को मिली। मंत्री ने स्पष्ट कहा कि सड़क की गुणवत्ता में कोई समझौता नहीं होगा और इसे तत्काल मानकों के अनुरूप दुरुस्त किया जाए। वहीं अधूरे विद्युत कार्य पर भी उन्होंने कड़ी फटकार लगाई और सभी लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जल निकासी की अव्यवस्था, परिसर में हरियाली की कमी और कुछ स्थानों पर अधूरा कार्य भी सामने आया। इस पर मंत्री ने जल निकासी की उचित व्यवस्था, पौधरोपण और आवश्यक स्थानों पर मिट्टी भराव कराने के निर्देश दिए। साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से सीढ़ियों पर रेलिंग लगाने का कार्य भी एक सप्ताह में पूरा करने को कहा।

मंत्री के सख्त रुख से स्पष्ट हो गया कि अधूरे और निम्न गुणवत्ता वाले कार्यों पर अब सीधी कार्रवाई की तैयारी है। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, पुलिस क्षेत्राधिकारी, तहसीलदार लकी सिंह, लोक निर्माण विभाग के अधिकारी और कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

31 मार्च से पहले निपटाएं बिल, वरना खुद जिम्मेदार होंगे अधिकारी : डीएम की सख्त चेतावनी

निधि गुप्ता वत्स जिलाधिकारी अमरोहा

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी
अमरोहा। वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतिम दिनों में प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए आहरण एवं वितरण अधिकारियों को समयसीमा का सख्ती से पालन करने के आदेश दिए हैं। डीएम ने बताया कि शासन के निदेशानुसार सभी विभाग अपने बिल कोषागार में अधिकतम 25 मार्च 2026 तक प्रस्तुत कर चुके हों, ताकि उनकी समय से जांच और पासिंग की प्रक्रिया पूरी की जा सके। साथ ही ई-पेमेंट/ई-कुबेर प्रणाली के माध्यम से 31 मार्च 2026 की शाम 5 बजे तक भुगतान की प्रक्रिया पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि 31 मार्च को भी यदि कोई बिल प्रस्तुत किया जाता है, तो उसे अधिकतम शाम 3 बजे तक ही कोषागार अमरोहा में जमा किया जा सकेगा। इसके बाद किसी भी प्रकार की देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे डी0डी0ओ0 पोर्टल पर अपने बिलों की टोकन स्थिति नियमित रूप से जांचते रहें। यदि कोई बिल लंबित, अस्वीकृत या रिटर्न होता है, तो तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि भुगतान में बाधा न आए। डीएम ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि निर्धारित समयसीमा में बिल प्रस्तुत नहीं किए जाते या किसी अन्य कारण से बजट व्यय नहीं हो पाता है, तो संबंधित अधिकारी स्वयं इसके लिए जिम्मेदार होंगे।

गजरौला पुलिस की कार्रवाई: 5 अभियुक्त गिरफ्तार, न्यायालय में पेश

दैनिक बुलंद मंज़िल

गजरौला ब्यूरो। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना गजरौला पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए 5 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजली कटारिया के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक गजरौला मनोज कुमार के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्तों में रविन्द्र , मनीष पुत्रगण श्याम सिंह निवासी ग्राम अहरौला तेजवन, थाना गजरौला तथा कौशिन्द्र, नरेन्द्र और नरेश निवासी ग्राम शीशोवाली, थाना गजरौला, जनपद अमरोहा शामिल हैं। सभी अभियुक्तों को धारा 170 बीएनएसएस के अंतर्गत गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने सभी आरोपियों को विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए न्यायालय में पेश किया, जहां से आगे की प्रक्रिया जारी है। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक अनिल कुमार शर्मा, उपनिरीक्षक देवेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल प्रदीप कुमार, कांस्टेबल अजय कुमार, होमगार्ड मुनीम और रमेशचंद की अहम भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक ने टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जनपद में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

प्रभारी मंत्री केपी मलिक ने चुचैला कलां गौशाला में गायों को खिलाया गुड़

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा ब्यूरो। जनपद के गांव चुचैला कलां में उस समय एक अलग ही तस्वीर देखने को मिली, जब प्रभारी मंत्री केपी मलिक ने गौ-आश्रय स्थल का निरीक्षण करते हुए बेजुबान पशुओं के प्रति अपनी संवेदनशीलता दिखाई। मंत्री ने न सिर्फ गौशाला की व्यवस्थाओं का जायजा लिया, बल्कि स्वयं गायों और बछड़ों को गुड़ खिलाकर, टीकाकरण कर, माला पहनाकर स्नेह भी जताया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने गौशाला में कार्यरत केयरटेकरों को वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया और उनके कार्य की सराहना की। वहीं निमार्णाधीन चरही की गुणवत्ता को परखते हुए संबंधित अधिकारियों को शेड और तिरपाल लगाने के निर्देश दिए, ताकि पशुओं को बेहतर सुविधा मिल सके। मंत्री ने उपस्थित कर्मचारियों और ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि गौ सेवा का अवसर मिलना सौभाग्य की बात है, बेजुबानों की सेवा ही सच्ची सेवा है। उन्होंने गौशाला परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र समेत अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। मंत्री के इस मानवीय पहलू ने क्षेत्र में चर्चा का विषय बना दिया और लोगों ने इसे संवेदनशील नेतृत्व का उदाहरण बताया।

अव्वल अमरोहा पर मंत्री की पैनी नजर: सराहना के साथ सख्ती के संकेत

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा ब्यूरो। कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार को मा० राज्य मंत्री (वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन) के०पी० मलिक की अध्यक्षता में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में शिक्षक विधायक हरिसिंह ढिल्लो व विधायक महेन्द्र सिंह खड़गवंशी समेत प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। शुरूआत में जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया गया, जिसके बाद विभिन्न विभागों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र ने बताया कि कई योजनाओं में जनपद ने प्रदेश स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। सिंचाई विभाग की टेल फीडिंग योजना, सील्ट सफाई सहित कई कार्यों में अमरोहा को प्रथम रैंक प्राप्त हुई है, जबकि बागवानी, स्वच्छ भारत मिशन और पशुधन योजनाओं में भी जनपद ने शीर्ष स्थानों में जगह बनाई है। इस पर प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि जो विभाग अव्वल हैं, वे अपनी स्थिति बनाए रखें और अन्य विभाग भी बेहतर प्रदर्शन की दिशा में कार्य करें।

बैठक में मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि योजनाओं का लाभ केवल पात्र लोगों तक ही पहुंचे। उन्होंने आयुष्मान योजना में संभावित गड़बड़ियों पर चिंता जताते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को सख्त निगरानी के निर्देश दिए। साथ ही तालाबों के जीर्णोद्धार कार्यों में उनके चारों ओर वृक्षारोपण सुनिश्चित करने को कहा, ताकि पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिल सके। कृषि, विद्युत, जल निगम, पशुपालन और खाद्य विभाग की समीक्षा के दौरान मंत्री ने जमीनी स्तर पर काम में सुधार लाने की जरूरत बताई। जल जीवन मिशन में मिल रही शिकायतों पर नाराजगी जताते हुए सड़कों की मरम्मत और कार्य गुणवत्ता सुधारने के निर्देश दिए। किसानों को उर्वरक व कीटनाशकों के संतुलित उपयोग के प्रति जागरूक करने पर भी जोर दिया गया। महिला कल्याण, आवास, मनरेगा और स्वरोजगार योजनाओं की समीक्षा में मंत्री ने कहा कि अधिक से अधिक महिलाओं को इन योजनाओं से जोड़ा जाए। गांवों में बन रही लाइब्रेरी को उपयोगी बनाने और सफल युवाओं को सम्मानित करने की बात भी कही। बैठक के दौरान 10 बच्चों को स्मार्टफोन वितरित किए गए। अंत में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने आश्वासन दिया कि मंत्री के निर्देशों का पूरी तरह पालन किया जाएगा और आगामी बैठकों में और बेहतर परिणाम सामने आएंगे।

सरकारी आरआरसी सेंटर पर निजी कब्जा, कचरे की जगह सामान का स्टोर बना केंद्र

दैनिक बुलंद मंज़िल

रहरा ब्यूरो। गंगेश्वरी विकासखंड के गांव छपना में बने आरआरसी सेंटर के उपयोग को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। लाखों रुपये की लागत से तैयार यह कचरा प्रबंधन केंद्र जहां ग्रामीण स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से बनाया गया था, वहीं अब यह केंद्र कथित तौर पर निजी उपयोग में लाया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि आरआरसी सेंटर के निर्माण के बाद से ही इसका इस्तेमाल कचरा निस्तारण के लिए नहीं किया गया। इसके विपरीत, केंद्र के अंदर निजी सामान रखकर उस पर ताला लटका दिया गया है। इससे न केवल सरकार की मंशा पर पानी

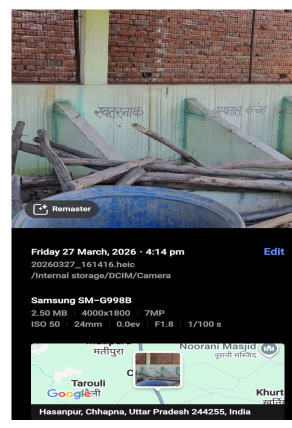

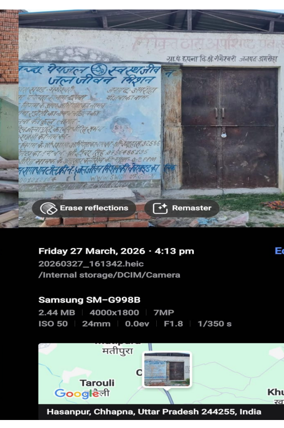

फिर रहा है, बल्कि गांव में स्वच्छता व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि गांव में कचरे का उचित प्रबंधन नहीं होने के कारण जगह-जगह कूड़े के ढेर लग रहे हैं, जिससे गंदगी और बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार संबंधित अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि कुछ जिम्मेदार लोग इस सेंटर का निजी गोदाम की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे सरकारी संपत्ति का दुरुपयोग हो रहा है। उन्होंने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और आरआरसी सेंटर को उसके मूल उद्देश्य के लिए तुरंत चालू कराया जाए। इस संबंध में जब संबंधित अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की गई तो स्पष्ट जवाब नहीं मिल सका। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि यदि इस प्रकार की शिकायत सामने आई है तो जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और क्या गांव छपना के इस आरआरसी सेंटर को वास्तव में कचरा प्रबंधन के लिए चालू कराया जाएगा या फिर यह यूं ही निजी उपयोग का साधन बना रहेगा।

अमरोहा देहात पुलिस का एक्शन मोड: मुखबिर की सूचना पर 25 वर्षीय युवक दबोचा

दैनिक बुलंद मंज़िल/ जितेंद्र यादव

अमरोहा। जनपद में कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए पुलिस का अभियान लगातार असर दिखा रहा है। इसी कड़ी में अमरोहा देहात थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार कर लिया, जिससे इलाके में सुरक्षा का संदेश गया है।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और उच्च अधिकारियों की निगरानी में चल रहे अभियान के तहत थाना अमरोहा देहात पुलिस ने मुखबिर की सटीक सूचना पर सलेमपुर निवासी 25 वर्षीय गुलजार पुत्र इकबाल को धर दबोचा। पुलिस के मुताबिक अभियुक्त के खिलाफ धारा 126/135/170 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की गई है।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने बिना देर किए सभी आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर अभियुक्त को न्यायालय में पेश कर दिया। अधिकारियों का कहना है कि जनपद में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा रही है।

पुलिस ने आम नागरिकों से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तुरंत साझा करें, ताकि समय रहते कार्रवाई संभव हो सके।

इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता का असर साफ दिखाई दे रहा है और लोगों में सुरक्षा का भरोसा और मजबूत हुआ है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अपराधियों के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

कानून से बचने की चाल फेल, वारंटी आरोपी आखिरकार गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा ब्यूरो। अपराधियों के खिलाफ सख्ती से चल रहे अभियान के बीच थाना अमरोहा देहात पुलिस ने एक और वारंटी को दबोचकर कानून का शिकंजा कस दिया है। लंबे समय से अदालत की तारीखों से गायब चल रहा अभियुक्त आखिरकार पुलिस की सतर्कता और मुखबिर तंत्र के चलते गिरफ्त में आ गया।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के पर्यवेक्षण में चल रहे अभियान के तहत प्रभारी निरीक्षक शोकेंद्र सिंह की टीम ने यह सफलता हासिल की। क्षेत्राधिकारी नौगांवा सादात अवधभान सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से दबिश देकर आरोपी को पकड़ा।

गिरफ्तार अभियुक्त डिम्पल पुत्र महीपाल, निवासी ग्राम शाहिदपुर, थाना अमरोहा देहात बताया गया है। उसके खिलाफ पहले से ही मुकदमा संख्या 72125, अपराध संख्या 309/24 के तहत धारा 323, 504 और 506 भादवि में मामला दर्ज था। अदालत में बार-बार अनुपस्थित रहने के कारण उसके खिलाफ वारंट जारी किया गया था।

बताया जा रहा है कि पुलिस को जैसे ही मुखबिर से सटीक सूचना मिली, टीम ने बिना देर किए मौके पर पहुंचकर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद विधिक कार्रवाई पूरी कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जनपद में वारंटी और फरार अभियुक्तों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। कानून से बचने की कोशिश करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। इस कार्रवाई से न सिर्फ कानून व्यवस्था मजबूत हुई है, बल्कि आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा भी बढ़ा है।

"एक क्लिक की भूल, पुलिस की कूल–8 हजार फिर से अकाउंट में"

दैनिक बुलंद मंज़िल

रहरा ब्यूरो। जनपद में साइबर अपराधों पर लगाम कसने की दिशा में पुलिस की सक्रियता एक बार फिर मिसाल बनकर सामने आई है। थाना रहरा साइबर सेल ने महज 24 घंटे के भीतर कार्रवाई करते हुए एक पीड़ित की गुम हुई रकम वापस कराकर भरोसे की नई कहानी लिख दी। ग्राम भैंसरी निवासी भूपेन्द्र पुत्र प्रकाश सिंह के साथ 26 मार्च 2026 को एक छोटी सी चूक भारी पड़ गई थी। फ्री रिचार्ज एप इस्तेमाल करते समय अनजाने में उनके खाते से 8,000 रुपये किसी दूसरे व्यक्ति के खाते में ट्रांसफर हो गए। घबराए भूपेन्द्र ने तुरंत साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत मिलते ही थाना रहरा साइबर सेल हरकत में आ गई। तकनीकी जांच के जरिए पुलिस ने उस खाते तक पहुंच बनाई, जहां रकम गई थी। जांच की कड़ियां जोड़ते हुए अज्ञात व्यक्ति शेर सिंह तक पहुंचकर पुलिस ने तत्परता दिखाई और पूरी रकम सुरक्षित वापस करवा दी। शुक्रवार को जैसे ही पैसे भूपेन्द्र के खाते में पहुंचे, उनके चेहरे पर राहत साफ झलक उठी। रकम वापस मिलने पर भूपेन्द्र ने पुलिस अधीक्षक और रहरा पुलिस का आभार जताया। यह कार्रवाई न सिर्फ पुलिस की मुस्तैदी को दर्शाती है, बल्कि आमजन के बीच यह भरोसा भी मजबूत करती है कि सतर्कता और समय पर शिकायत से साइबर ठगी से बचाव संभव है।

सतर्क रहें, सुरक्षित रहें: पुलिस ने लोगों से अपील की है कि बैंक डिटेल, ओटीपी और पासवर्ड किसी से साझा न करें। किसी भी अनजान लिंक, ऐप या लुभावने ऑफर के जाल में फंसने से बचें, क्योंकि साइबर दुनिया में एक छोटी गलती भी बड़ी परेशानी बन सकती है।

नवमी पर माँ चामुंडा देवी मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने किया पूजन

दैनिक बुलंद मंज़िल

हसनपुर। चैत्र नवरात्र की नवमी के पावन अवसर पर हसनपुर नगर स्थित माँ चामुंडा देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इस शुभ अवसर पर क्षेत्रीय विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने अपने परिवार सहित मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से माँ चामुंडा देवी की पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। श्रद्धालु माता के जयकारों के साथ दर्शन-पूजन कर रहे थे। इस दौरान पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा। विधायक खड़गवंशी ने माँ के चरणों में माथा टेकते हुए सभी क्षेत्रवासियों के जीवन में खुशहाली, स्वास्थ्य और सफलता की कामना की। उन्होंने कहा कि नवरात्र का यह पावन पर्व हमें शक्ति, भक्ति और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देता है। माँ चामुंडा देवी से प्रार्थना है कि वह सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और शांति का संचार करें तथा क्षेत्र को निरंतर प्रगति के मार्ग पर अग्रसर रखें। इस अवसर पर विधायक ने क्षेत्रवासियों को चैत्र नवरात्र की नवमी की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह पर्व सभी के जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह लेकर आए। मंदिर में सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर प्रशासन भी सतर्क नजर आया, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जय माता दी के जयकारों के साथ पूरा क्षेत्र भक्तिरस में डूबा नजर आया।

CMYK

अमरोहा पुलिस की बड़ी कार्रवाई: दहेज मामले का वांछित आरोपी गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंज़िल
अमरोहा ब्यूरो। जनपद में अपराध के खिलाफ जारी सख्त अभियान के बीच थाना अमरोहा देहात पुलिस ने एक और अहम कामयाबी हासिल की है। लंबे समय से पुलिस की पकड़ से दूर चल रहा दहेज उत्पीड़न का आरोपी आखिरकार कानून के शिकंजे में आ ही गया।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के पर्यवेक्षण और क्षेत्राधिकारी नौगांवा सादात अवधभान सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में चल रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। प्रभारी निरीक्षक शोकेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सटीक सूचना पर घेराबंदी कर ग्राम मिलक पापड़ी निवासी शकील पुत्र गुलाम शाबिर को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 82/2026 के तहत बीएनएस की धारा 85/80(2) और दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 में मामला दर्ज है। आरोपी काफी समय से फरार चल रहा था और उसकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही थी। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को विधिक प्रक्रिया पूरी कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने साफ किया है कि महिला उत्पीड़न और दहेज से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर विश्वास और मजबूत हुआ है, वहीं आम लोगों में सुरक्षा का एहसास भी बढ़ा है।

वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार, वन अधिनियम मामले में चल रही थी तलाश

दैनिक बुलंद मंज़िल
हसनपुर। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली हसनपुर पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द के निर्देशन में चल रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी हसनपुर पंकज कुमार त्यागी के निकट पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। प्रभारी निरीक्षक थाना हसनपुर राजेश कुमार तिवारी के कुशल नेतृत्व

में पुलिस टीम ने एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान पुरुषोत्तम पुत्र सुभाष सिंह निवासी ग्राम उधनपुर, थाना हसनपुर, जनपद अमरोहा के रूप में हुई है। अभियुक्त के विरुद्ध एसटी नंबर-380/25, अपराध संख्या 727/21, धारा 4/10 भारतीय वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज था।

पुलिस के अनुसार, अभियुक्त की गिरफ्तारी मा० न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, अमरोहा के आदेश के अनुपालन में की गई है। काफी समय से फरार चल रहे इस वारंटी की गिरफ्तारी से पुलिस ने राहत की सांस ली है। थाना हसनपुर पुलिस द्वारा की गई इस कार्रवाई को अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अपराधियों के विरुद्ध यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

शादी समारोह में विवाद ने लिया हिंसक रूप, बुजुर्ग पर जानलेवा हमला

दैनिक बुलंद मंज़िल
हसनपुर। कोतवाली क्षेत्र के गागटकोला गांव में शादी समारोह के दौरान शुरू हुआ मामूली विवाद शुक्रवार को खूनी संघर्ष में बदल गया। रंजिश के चलते कुछ लोगों ने घर में घुसकर एक बुजुर्ग पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, गुरुवार रात गांव में आई एक बारात में डीजे पर डांस के दौरान अंकुर और सोन्टी नामक दो युवकों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। मौके पर मौजूद ग्रामीणों और रिश्तेदारों ने हस्तक्षेप कर मामला शांत करा दिया था, लेकिन दोनों पक्षों के बीच तनाव बना रहा। आरोप है कि अगले दिन शुक्रवार को दूसरे पक्ष के लोग रंजिश के

चलते अंकुर के घर में घुस आए। हमलावरों ने घर में मौजूद अंकुर के पिता उमराव पर लाठी-डंडों और लोहे की सरियों से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में उमराव गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद हमलावर वहां से फरार हो गए।

घटना के बाद परिजन घायल बुजुर्ग को लेकर कोतवाली पहुंचे, जहां से पुलिस ने उन्हें उपचार और मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पताल भेज दिया। कोतवाल राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि पीड़ित पक्ष से तहरीर प्राप्त हो गई है। मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

धनौरा में पुलिस का शिकंजा: फरार आरोपी असलहे के साथ गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंज़िल
मंडी धनौरा ब्यूरो। जनपद में अपराध और महिला सुरक्षा के खिलाफ चल रहे ह्लमिशन शक्ति फेज 5.0ह्व अभियान के तहत मंडी धनौरा पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को अवैध असलहे के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया और अपराधियों में खौफ का माहौल बन गया है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन में चल रहे इस अभियान को उस वक्त बड़ी सफलता मिली जब प्रभारी निरीक्षक अमरपाल सिंह की टीम ने सटीक सूचना पर कार्रवाई

करते हुए अर्पित उर्फ लठ्ठ को दबोच लिया। आरोपी मंडी धनौरा के सुभाष नगर मोहल्ले का रहने वाला है और काफी समय से पुलिस की आंखों में धूल झोंक रहा था। गिरफ्तारी के दौरान तलाशी लेने पर आरोपी के पास से एक 315 बोर का तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। इसके बाद पुलिस ने तुरंत आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी पर पहले से कई संगीन धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं और उस पर दो गैर जमानती वारंट भी जारी थे। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक आरोपी की गिरफ्तारी से न सिर्फ पुराने मामलों में तेजी आएगी, बल्कि क्षेत्र में अपराध नियंत्रण को भी मजबूती मिलेगी। गिरफ्तार आरोपी को विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश कर दिया गया है।

कानून से भागना पड़ा भारी, मंडी धनौरा में वारंटी गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंज़िल
मंडी धनौरा ब्यूरो। जनपद में अपराधियों के खिलाफ जारी सख्त अभियान के बीच थाना मंडी धनौरा पुलिस ने एक बार फिर अपनी सक्रियता का परिचय देते हुए फरार चल रहे वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई ने साफ संदेश दिया है कि अब कानून से बच निकलना आसान नहीं रह गया है।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी मंडी धनौरा अंजली कटारिया के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक अमरपाल सिंह के नेतृत्व में यह कार्रवाई अंजाम दी गई। पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से दबिश देकर वारंटी अभियुक्त राहुल पुत्र सुरेश चंद्र निवासी मोहल्ला कटरा सब्जी मंडी, मंडी धनौरा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक अभियुक्त के खिलाफ मुकदमा संख्या 458/22, अपराध संख्या 170/19 में धारा 323, 504, 506 एवं 308 भादवि के तहत मामला दर्ज है। वह लंबे समय से न्यायालय में पेश नहीं हो रहा था, जिसके चलते उसके खिलाफ वारंट जारी किया गया था। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त को न्यायालय में पेश कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जनपद में वारंटी और वांछित अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। इस कार्रवाई ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि कानून से खिलवाड़ करने वालों के लिए अब कोई जगह नहीं है, जबकि आम जनता के बीच सुरक्षा और विश्वास का माहौल लगातार मजबूत हो रहा है।

साजिश से पहले ही शिकंजा: रहरा पुलिस ने इरादों पर लगाया ब्रेक, मिशन शक्ति में दो गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंज़िल
रहरा ब्यूरो। जनपद में महिला सुरक्षा और अपराध नियंत्रण को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेस-5 अभियान के तहत थाना रहरा पुलिस ने सतर्कता का ऐसा उदाहरण पेश किया, जिसमें अपराध होने से पहले ही उसकी आहट पकड़ ली गई। पुलिस की मुस्तैदी ने संभावित वारदात को जन्म लेने से पहले ही खत्म कर दिया।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के पर्यवेक्षण और क्षेत्राधिकारी हसनपुर पंकज कुमार त्यागी के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई अंजाम दी गई। थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम ने सक्रियता दिखाते हुए दो ऐसे व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिनके इरादे संज्ञेय अपराध की ओर इशारा कर रहे थे। गिरफ्तार अभियुक्तों में लाखन सिंह पुत्र चुन्नी सैनी निवासी ग्राम रहरई थाना रहरा तथा सलमान पुत्र मोहब्बत अली निवासी ग्राम गंगवार थाना रहरा शामिल हैं। पुलिस के अनुसार दोनों के विरुद्ध धारा 170 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई करते हुए उन्हें हिरासत में लिया गया और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर एसडीएम कोर्ट हसनपुर में पेश किया गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मिशन शक्ति के तहत अब केवल अपराधियों पर ही नहीं, बल्कि अपराध की मंशा रखने वालों पर भी पैनी नजर रखी जा रही है। यही वजह है कि क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई की जा रही है। इस त्वरित कार्रवाई से न सिर्फ एक संभावित अपराध टल गया, बल्कि क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूती मिली है। खासकर महिलाओं में पुलिस के प्रति भरोसा और बढ़ा है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत दें, ताकि समय रहते कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

बरेली के पासपोर्ट कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी, ईमेल मिलते ही मचा हड़कंप; पुलिस ने खाली कराया पूरा दफ्तर

दैनिक बुलंद मंज़िल
बरेली। डीडीपुरम स्थित प्रदर्शनी नगर में पुराने पासपोर्ट कार्यालय में शुक्रवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब संस्थान को बम से उड़ाने की धमकी मिली। यह धमकी सुबह करीब 11:15 बजे पासपोर्ट कार्यालय की आधिकारिक ईमेल आईडी पर भेजे गए एक मेल के जरिए दी गई। मेल पढ़ते ही कार्यालय में मौजूद अधिकारियों के होश उड़ गए और तत्काल पूरे मामले की सूचना पुलिस प्रशासन को दी गई।

पुलिस ने खाली कराया पूरा परिसर

सूचना मिलते ही पुलिस के आलाधिकारी भारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। एहतियात के तौर पर पूरे पासपोर्ट कार्यालय परिसर को तुरंत खाली करा लिया गया। पासपोर्ट बनवाने आए आवेदकों और कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल दिया गया, जबकि आसपास के क्षेत्र में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए मौके पर डॉग स्क्वायड और बम निरोधक दस्ता (इऊ) भी बुलाया गया। टीम ने बिल्डिंग के कोने-कोने की सघन तलाशी शुरू कर दी। हर कमरे, गलियारे और संदिग्ध जगहों की बारीकी से जांच की जा रही है ताकि किसी भी संभावित खतरे को टाला जा सके।

आवेदकों और कर्मचारियों में दहशत

अचानक हुई इस कार्रवाई और पुलिस की घेराबंदी से पासपोर्ट बनवाने आए लोगों और वहां काम कर रहे कर्मचारियों में दहशत का माहौल बन गया। कई लोग घबराकर परिसर से दूर चले गए, जबकि कुछ देर तक इलाके में अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि धमकी भरे ईमेल के सोर्स का पता लगाया जा रहा है। साइबर टीम को भी जांच में लगाया गया है। फिलहाल पूरे परिसर की गहन चेकिंग जारी है और अभी तक किसी भी तरह की संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। पुलिस का कहना है कि सुरक्षा के मद्देनजर सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

इश्क के 15 दिनङ्क पहले पति ने निगला जहर, अब नर्स ने लगाई फांसी, घर से मिला सुसाइड नोट, लिखी चौंकाने वाली बात

दैनिक बुलंद मंज़िल
बरेली। इज्जतनगर क्षेत्र में प्रेम विवाह के महज 15 दिन बाद एक नर्स की संदिग्ध हालात में मौत ने पूरे इलाके को झकझोर दिया। गुरुवार देर रात उसका शव घर में फंदे पर लटका मिला। इससे पहले उसके पति के जहर खाने की घटना और अब नर्स की मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

घटना सीबीगंज थाना क्षेत्र के एक गांव की है। युवती ने जीएनएम की पढ़ाई पूरी कर इज्जतनगर के एक अस्पताल में नौकरी शुरू की थी। वहीं बदायूं निवासी युवक से उसकी पहचान हुई और दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गए। हाल ही में दोनों ने कोर्ट मैरिज कर ली थी, लेकिन शादी के बाद युवती अपने मायके लौट आई थी। परिजनों के अनुसार, करीब पांच दिन पहले युवती के पति ने विषाक्त पदार्थ खाकर जान देने की कोशिश की थी। इस घटना से परिवार पहले ही तनाव में था। इसी बीच गुरुवार रात युवती ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पति के कदम और पत्नी की मौत के बीच का यह घटनाक्रम अब जांच का अहम बिंदु बन गया है।

टूटा परिवार, भाई का रो-रोकर बुरा हाल

मृतका के भाई ने बताया कि उनके माता-पिता का पहले ही निधन हो चुका है। बाद में मामा-मामी ने दोनों भाई-बहन की परवरिश की, लेकिन उनका भी देहांत हो गया। ऐसे में दोनों ही एक-दूसरे का सहारा थे। बहन ने मेहनत से पढ़ाई कर नौकरी हासिल की थी, लेकिन अचानक यह हादसा हो गया। वहीं भाई के मुताबिक, मृतका का पति दो दिन पहले ही घर आया था और उसे अपने साथ ले जाने की बात कर रहा था। युवती भी जाने को तैयार थी, लेकिन किसी कारण से नहीं गई। इसके बाद ही देर रात यह घटना सामने आई।

सुसाइड नोट में लिखा मेरी मौत का जिम्मेदार कोई नहीं

पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें युवती ने लिखा है कि वह अपनी मर्जी से यह कदम उठा रही है और उसकी मौत के लिए कोई जिम्मेदार नहीं होगा। हालांकि, पुलिस इस नोट की सत्यता और परिस्थितियों की जांच कर रही है। घटना के बाद इलाके में सनसनी है। प्रेम विवाह के कुछ ही दिनों बाद पति-पत्नी के बीच क्या हुआ, किन परिस्थितियों में दोनों ने ऐसे कदम उठाए ये सवाल अब भी अनुत्तरित हैं। पुलिस का कहना है कि हर पहलू की गहन जांच की जा रही है और जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

ऑपरेशन क्लीन बहेड़ी में पुलिस मुठभेड़, 4 गौतस्कर गिरफ्तार, दो के पैर में गोली, सिपाही घायल

दैनिक बुलंद मंज़िल
बरेली। गौकशी के आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस की शुक्रवार तड़के बहेड़ी में बदमाशों से सीधी भिड़ंत हो गई। नहर पुलिया के पास हुई इस मुठभेड़ में पुलिस और बदमाशों के बीच जमकर फायरिंग हुई। जवाबी कार्रवाई में दो बदमाशों के पैर में गोली लगी, जबकि दो को मौके से दबोच लिया गया। मुठभेड़ में एक पुलिसकर्मी भी घायल हुआ है। मौके से भारी मात्रा में अवैध असलहे, कारतूस, नकदी और टेंपो बरामद हुआ है।

मंगलवार देर रात श्यामाचरण गोटिया इलाके के जंगल में किच्छा नदी किनारे गौवंशीय पशु के वध की घटना सामने आई थी। इस वारदात से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी। पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर गौकशों की तलाश शुरू कर दी थी और लगातार जंगल व आसपास के इलाकों में दबिश दी जा रही थी। शुक्रवार सुबह करीब चार बजे पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी दोबारा वारदात की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने उत्तमनगर रोड स्थित नहर पुलिया पर घेराबंदी कर चेकिंग शुरू कर दी। इसी दौरान एक नीले-सफेद रंग का टेंपो आता दिखा, जिसे रोकने का इशारा किया गया। पुलिस को देखकर टेंपो सवार बदमाश घबरा गए और गाड़ी मोड़कर भागने लगे।

400 मीटर पीछा, फिर गोलियों की बरसात

पुलिस टीम ने पीछा किया तो करीब 400 मीटर आगे टेंपो फंस गया। खुद को घिरता देख बदमाशों ने पुलिस पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। अचानक चली गोलियों से अफरा-तफरी मच गई और एक गोली हेड कांस्टेबल सरजीत सिंह को जा लगी। इसके बाद पुलिस ने भी जवाबी मोर्चा संभालते हुए फायरिंग की। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में फैजान (24) निवासी इस्लामनगर और लईक (36) निवासी जाफरपुर के पैर में गोली लगी, जिससे वे गिर पड़े। वहीं उनके साथी सद्दाम (28) निवासी राजानगर और रवि (26) निवासी श्यामाचरण गोटिया को पुलिस ने भागते समय दबोच लिया।

असलहे, कारतूस और औजारों का जखीरा बरामद

मौके पर तलाशी के दौरान पुलिस को बदमाशों के पास से 315 बोर के दो तमंचे, 12 बोर का एक तमंचा, 7.63 बोर की रिवॉल्वर, कई जिंदा कारतूस और खोखे बरामद हुए। इसके अलावा गौकशी में इस्तेमाल होने वाले औजार, करीब 10 हजार रुपये नकद, तीन मोबाइल फोन और वारदात में प्रयुक्त टेंपो भी बरामद किया गया। घायल बदमाशों और जख्मी पुलिसकर्मी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां सभी की हालत स्थिर बताई जा रही है। घटना के बाद पूरे इलाके में पुलिस की सतर्कता बढ़ा दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और गौकशी के नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त किया जाएगा।

कन्या पूजन में झुके महापौर चरण स्पर्श कर लिया आशीर्वाद, नवरात्र पर गूंजा नारी सम्मान का संदेश

दैनिक बुलंद मंज़िल
बरेली। नवरात्र के पावन अवसर पर शहर में आस्था और परंपरा का संगम देखने को मिला, जब पार्थ गौतम फाउंडेशन की ओर से महापौर कैंप कार्यालय (मुख्य डाकघर के पास) में कन्या पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान महापौर डॉ. उमेश गौतम ने खुद कन्याओं के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया और उन्हें देवी स्वरूप मानकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में महापौर डॉ. उमेश गौतम और फाउंडेशन के अध्यक्ष पार्थ गौतम ने पूरे विधि-विधान के साथ कन्याओं का पूजन किया। कन्याओं को चुनरी ओढ़ाई गई, तिलक लगाया गया और आरती उतारकर उन्हें उपहार व प्रसाद वितरित किया गया। पूरा माहौल भक्ति और श्रद्धा से सराबोर नजर आया।

नवरात्र पर नारी सम्मान का दिया संदेश

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कन्या पूजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में कन्याओं को देवी का स्वरूप माना जाता है। ऐसे आयोजन समाज में नारी सम्मान, संरक्षण और सशक्तिकरण का संदेश देते हैं। सुबह 11 बजे शुरू हुए इस कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों, समाजसेवकों और फाउंडेशन से जुड़े लोगों की अच्छी खासी मौजूदगी रही। सभी ने मिलकर धार्मिक परंपरा के साथ सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया।

समाजसेवा के लिए आगे भी होंगे आयोजन

फाउंडेशन के अध्यक्ष पार्थ गौतम ने बताया कि संस्था समय-समय पर सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों के जरिए समाज को जागरूक करने का काम करती है और भविष्य में भी ऐसे आयोजन लगातार जारी रहेंगे। कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित लोगों को प्रसाद वितरित किया गया। फाउंडेशन के सदस्यों द्वारा की गई सुव्यवस्थित व्यवस्था की लोगों ने सराहना की।

ग्राम रुदायन में सम्राट अशोक जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

कुशवाहा समाज ने अहिंसा और जनकल्याण के संदेश को अपनाने का लिया संकल्प

अनिल चौधरी, बुलंद मंजिल

हाथरस। सासनी क्षेत्र के गांव रुदायन में सम्राट अशोक का जन्मोत्सव बड़े हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ग्रामवासियों ने केक काटकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मातृशक्ति की भी सराहनीय भागीदारी रही।

इस मौके पर भूपेन्द्र कुशवाहा ने कहा कि हमें अपने महान पूर्वजों के इतिहास को जानकर उनके बताए मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने सम्राट अशोक के आदर्शों–अहिंसा, धर्म और जनकल्याण–को अपनाने पर विशेष जोर दिया।

कार्यक्रम का समापन उत्साह और सामाजिक एकता के संदेश के साथ हुआ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भूपेन्द्र कुशवाहा, भूदेव कुशवाहा एवं नेमपाल कुशवाहा (जिला अध्यक्ष, अपनी जनता पार्टी, हाथरस) उपस्थित रहे। इसके अलावा राजा कुशवाहा, प्रकाश कुशवाहा, गौरव कुशवाहा, विक्की कुशवाहा, जितेंद्र कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे।

कोल्ड ड्रिंक के पैसे को लेकर विवाद में युवक की गोली मारकर हत्या का आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

25 मार्च 2026 को इलाज के दौरान हो गई थी मौत

अनिल चौधरी, बुलंद मंजिल

हाथरस। सासनी कोतवाली क्षेत्र के गांव बरसै में कोल्ड ड्रिंक के पैसे को लेकर विवाद ने एक युवक की जान ले ली। रजित सोलंकी अपनी दुकान पर थे, तभी आरोपी रन्नू पुत्र हुकम सिंह ने कोल्ड ड्रिंक ली। जब रजित ने पैसे मांगने पर मना किया, तो आरोपी ने पिस्टल से गोली मार दी। रजित को जिला चिकित्सालय ले जाया गया और बेहतर इलाज के लिए आगरा के श्री हरि हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर रेफर किया गया। 25 मार्च 2026 को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक हाथरस, चिरंजीव नाथ सिन्हा के निर्देशन में पुलिस टीम ने आरोपी रन्नू को सासनी इग्लास रोड से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक अवधेश कुमार और उनकी टीम, थाना सासनी शामिल थी।

पुलिस शेष अभियुक्तों की तलाश में लगातार प्रयास कर रही है।

गिरफ्तार आरोपी रन्नू पुत्र हुकम सिंह, निवासी हतीशा, थाना हाथरस गेट, जनपद हाथरस का बताया गया है।

ग्राहक सेवा केंद्र संचालक से लूट का खुलासा, एक और आरोपी गिरफ्तार

स्कॉर्पियो सवार बदमाशों ने दिया वारदात को अंजाम, 5 हजार रुपये बरामद

अनिल चौधरी, बुलंद मंजिल

हाथरस। सिकंद्राराऊ कोतवाली क्षेत्र में ग्राहक सेवा केंद्र संचालक से हुई लूट की घटना का पुलिस ने सफल अनावरण करते हुए एक और वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से लूट की रकम में से 5 हजार रुपये नगद बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, 18 मार्च 2026 को मोहनपुरा निवासी अमित से उस समय लूट की वारदात हुई थी, जब वह अपनी ग्राहक सेवा केंद्र की दुकान बंद कर बाइक से घर लौट रहा था। डुकरिया बंबा के पास काली स्कॉर्पियो सवार बदमाशों ने उसे टक्कर मारकर गिरा दिया और रुपयों से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। घटना के खुलासे के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर कई टीमों का गठन किया गया था। इससे पहले 25 मार्च को पुलिस मुठभेड़ के दौरान तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। इसी क्रम में शुक्रवार को पुलिस ने सरदला पुल के नीचे से वांछित आरोपी भोला उर्फ सुखवेन्द्र को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने अपने साथियों के साथ मिलकर लूट की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपी ने बताया कि उसके हिस्से में आए 22 हजार रुपये में से 17 हजार रुपये इलाज में खर्च हो गए। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी शातिर किस्म का अपराधी है और उसके खिलाफ हाथरस व कासगंज में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। फिलहाल पुलिस द्वारा आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पेट्रोल-डीजल की कमी की अफवाहों के बीच जिलाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

जनपद में पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता पूरी तरह सामान्य

अनिल चौधरी, बुलंद मंजिल

हाथरस। पेट्रोल-डीजल की कमी को लेकर फैल रही अफवाहों के बीच अतुल वत्स ने मथुरा रोड सहित शहर के विभिन्न पेट्रोल पंपों का औचक निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया और सुचारु आपूर्ति बनाए रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान चूना वाला, बल्क कैरियर एवं एग्रो सर्विस सेंटर सहित विभिन्न पेट्रोल पंपों पर स्थिति पूरी तरह सामान्य पाई गई। कहीं भी पेट्रोल भरवाने के लिए लंबी कतारें नहीं मिलीं। जिलाधिकारी ने पेट्रोल पंप संचालकों से वार्ता कर पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता एवं भुगतान व्यवस्था (ऑनलाइन ऑफलाइन) की जानकारी ली। संचालकों ने बताया कि पर्याप्त मात्रा में ईंधन उपलब्ध है और ग्राहकों से ऑनलाइन व नकद, दोनों माध्यमों से भुगतान लिया जा रहा है।

इस दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद ग्राहकों से भी बातचीत की। लोगों ने बताया कि उन्हें निर्धारित दरों पर ही पेट्रोल-डीजल मिल रहा है और किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं है। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि पेट्रोल-डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है, इसलिए घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी समस्या की स्थिति में तुरंत जिला प्रशासन को सूचित करने को कहा। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक, उप जिलाधिकारी सदर, जिला पूर्ति अधिकारी सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

हाथरस में युवक ने खाया विषैला पदार्थ, हालत नाजुक

महमूदपुर जाटान गांव की घटना, सीएचसी सादाबाद से जिला अस्पताल रेफर

अनिल चौधरी, बुलंद मंजिल

हाथरस। चंदपा कोतवाली क्षेत्र के गांव महमूदपुर जाटान में एक युवक ने अज्ञात विषैले पदार्थ का सेवन कर लिया, जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई। परिजनों में अफरा-तफरी मच गई और उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सादाबाद ले जाया गया। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी नंदलाल पुत्र भूदेव सिंह ने किन्हीं अज्ञात कारणों से यह कदम उठाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार दिया, लेकिन हालत में सुधार न होने पर उसे बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

फिलहाल युवक की स्थिति नाजुक बनी हुई है और परिजन चिंतित हैं। घटना के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है।

गांजा तस्करी में एक आरोपी गिरफ्तार, 1.1 किलो नशीला पदार्थ बरामद

इकबालपुर-पुरदिलनगर रोड से पुलिस ने दबोचा

अनिल चौधरी, बुलंद मंजिल

हाथरस। सिकन्द्राराऊ कोतवाली पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1 किलो 100 ग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के निर्देश पर की गई। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने इकबालपुर से पुरदिलनगर रोड के कच्चे रास्ते पर दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान सोनू कुमार पुत्र महिपाल निवासी उटवारा थाना खैर, जनपद अलीगढ़ के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से 1.1 किलो गांजा बरामद किया है। इस संबंध में थाना सिकन्द्राराऊ में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस द्वारा आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बरेली का पाकेटमार डायलॉग पर बवालङ्क धुरंधर-2 को नोटिस, सपा पार्षद बोले–तुरंत हटाओ वरना होगी कार्रवाई

बुलंद मंजिल

बरेली। बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही फिल्म धुरंधर-2 अब विवादों में घिर गई है। फिल्म के एक दृश्य में इस्तेमाल किए गए ह्यबरेली का पाकेटमारह्ण संवाद को लेकर शहर में नाराजगी भड़क गई है। रामपुर गार्डन क्षेत्र से पार्षद व सपा नेता राजेश अग्रवाल ने फिल्म के निमार्ता-निर्देशकों को कानूनी नोटिस भेजकर इस डायलॉग को तत्काल हटाने की मांग की है। पार्षद राजेश अग्रवाल ने निमार्ता-निर्देशक आदित्य धर, लोकेश धर और ज्योति देश पांडे को नोटिस भेजते हुए कहा कि फिल्म में सस्ती लोकप्रियता के लिए बरेली का नाम गलत तरीके से इस्तेमाल किया गया है। उनका आरोप है कि ह्यबरेली का पाकेटमार जैसे संवाद से शहर की छवि को ठेस पहुंच रही है।

आध्यात्मिक पहचान को ठेस

नोटिस में कहा गया है कि बरेली की पहचान एक धार्मिक और आध्यात्मिक शहर के रूप में है। यह पंचाल नगरी और आला हजरत की धरती है, ऐसे में इस तरह के संवाद शहर की गरिमा के खिलाफ हैं और जनता की भावनाओं को आहत करते हैं। पार्षद ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि फिल्म से विवादित संवाद को तत्काल नहीं हटाया गया तो एफआईआर दर्ज कराने के साथ-साथ मानहानि का दावा भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शहर की छवि खराब करने का कोई भी प्रयास बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

शासन स्तर तक पहुंची शिकायत

मामले को गंभीर बताते हुए पार्षद ने शासन स्तर पर भी शिकायत भेजने की बात कही है। उनका कहना है कि यह सिर्फ एक डायलॉग का मुद्दा नहीं, बल्कि पूरे शहर की प्रतिष्ठा से जुड़ा मामला है। फिल्म के इस संवाद को लेकर शहर में विरोध का माहौल बनता जा रहा है। स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों ने भी इसे लेकर नाराजगी जताई है और फिल्म निमार्ताओं से तुरंत सुधार की मांग की जा रही है।

रेलवे का बड़ा फैसला अब आधी दूरी तक ही दौड़ेगा स्टाफ, लंबी ट्रेनों में लागू हुआ नया हाफ-रूट सिस्टम

बुलंद मंजिल

बरेली। रेलवे ने लंबी दूरी की ट्रेनों के संचालन में बड़ा बदलाव करते हुए क्रू सिस्टम को तोड़ दिया है। अब एक ही स्टाफ पूरी दूरी नहीं दौड़ेगा, बल्कि आधे रास्ते में ही बदल जाएगा। नई व्यवस्था शुक्रवार से लागू करने के आदेश जारी कर दिए गए हैं, जिससे ट्रेनों की रफ्तार और सुरक्षा दोनों पर सीधा असर पड़ेगा।

400 किलो की ड्यूटी खत्म, अब आधे रास्ते में ही वापसी

अब तक कई ट्रेनों में एक ही क्रू 300 से 400 किलोमीटर तक लगातार ड्यूटी कर रहा था, जिससे थकान चरम पर पहुंच जाती थी। रेलवे ने इसी थकान पर ब्रेक लगाने के लिए नया फॉमूर्ला लागू किया है, अब क्रू आधी दूरी तय कर वापस लौटेगा और आगे का सफर दूसरा क्रू संभालेगा। इसके अलावा वाराणसी से जम्मूतवी तक चलने वाली बेगमपुरा एक्सप्रेस में अब तक मुरादाबाद से लुधियाना तक एक ही क्रू ट्रेन संभाल रहा था। अब इसे दो हिस्सों में बांट दिया गया है, मुरादाबाद से अंबाला और अंबाला से लुधियाना तक अलग-अलग क्रू तैनात रहेगा।

हेमकुंट एक्सप्रेस में भी कटेगा लंबा सफर

हेमकुंट एक्सप्रेस में पहले लुधियाना से हरिद्वार तक एक ही स्टाफ जिम्मेदारी संभालता था। अब यह सफर भी टूटेगा लुधियाना से सहारनपुर और सहारनपुर से हरिद्वार/ऋषिकेश तक अलग-अलग क्रू दौड़ेगा। वहीं पंजाब मेल में अब तक फिरोजपुर से नई दिल्ली तक एक ही क्रू चलता था। नई व्यवस्था में बठिंडा को बीच का बड़ा केंद्र बना दिया गया है अब फिरोजपुर से बठिंडा और बठिंडा से दिल्ली तक अलग-अलग क्रू जिम्मेदारी संभालेगा।

कम भीड़ वाले स्टेशनों पर कैंची

रेलवे अब उन स्टेशनों पर भी नजर गड़ा चुका है जहां ट्रेनें तो रुकती हैं, लेकिन यात्री गिनती के होते हैं। ऐसे स्टेशनों से ठहराव हटाया जा सकता है, जबकि ज्यादा भीड़ वाले स्टेशनों को प्राथमिकता मिलेगी। रेलवे का दावा है कि इस नए सिस्टम से ट्रेनों का समय घटेगा और लंबी दूरी की ट्रेनों में 1 से 1.5 घंटे तक की बचत होगी। यानी यात्रियों को तेज, सुरक्षित और ज्यादा भरोसेमंद सफर मिलेगा।

रामनवमी पर आस्था का महाकुंभ : मसुरियन माता धाम में उमड़ा जनसैलाब, गूंजे जयकारे से कांपा इलाका

सीमाएं तोड़कर उमड़ी श्रद्धा : यूपी से मध्य प्रदेश तक के भक्त पहुंचे, माता दरबार बना विश्वास का विराट केंद्र

लालापुर, प्रयागराज। यमुनानगर क्षेत्र के बारा तहसील अंतर्गत थाना लालापुर इलाके में स्थित ग्राम पंचायत अमिलिया तरहार का सिद्ध पीठ मसुरियन माता मंदिर शुक्रवार को आस्था, विश्वास और भक्ति का विराट संगम बन गया। चैत्र नवरात्रि के नौ दिवसीय साधना पर्व के समापन और रामनवमी के पावन अवसर पर यहाँ ऐसा जनसैलाब उमड़ा, जिसने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय ऊर्जा से सराबोर कर दिया। सुबह से ही मंदिर परिसर और आसपास के मार्गों पर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें दिखाई देने लगीं। जैसे- जैसे दिन चढ़ता गया, भीड़ का स्वरूप जनसागर में बदलता गया। माता के जयकारों–जय माता दी–से वातावरण गूंज उठा, मानो पूरा इलाका देवीमय हो गया हो। भक्त गाजे-बाजे, ढोल - नगाड़ों और भक्ति गीतों के साथ माता को निशान (ध्वज) अर्पित करते नजर आए। इस धार्मिक आस्था के केंद्र की ख्याति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि केवल स्थानीय ही नहीं, बल्कि प्रयागराज, कौशाम्बी, चित्रकूट और मध्य प्रदेश के रीवा जिले से भी हजारों की संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचे। कई श्रद्धालु परिवार सहित रात भर यात्रा कर माता के दरबार में हाजिरी लगाने आए। हर चेहरे पर आस्था, हर हाथ में श्रद्धा और हर दिल में माता के प्रति अटूट विश्वास साफ झलक रहा था। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, मसुरियन माता के दरबार से कोई भी खाली हाथ नहीं लौटता। यही विश्वास श्रद्धालुओं को बार-बार यहां खींच लाता है। नौ दिनों तक चले इस धार्मिक अनुष्ठान के दौरान मंदिर परिसर में लगातार भक्तों का तांता लगा रहा, लेकिन रामनवमी के दिन यह भीड़ अपने चरम पर पहुंच गई। वहीं, भारी भीड़ को नियंत्रित करने और सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाए रखने के लिए लालापुर पुलिस पूरी तरह सतर्क नजर आई। चप्पे-चप्पे पर तैनात पुलिस बल ने भीड़ को व्यवस्थित ढंग से नियंत्रित किया, जिससे किसी प्रकार की अव्यवस्था या हादसे की स्थिति उत्पन्न नहीं हुई। प्रशासन की मुस्तैदी के चलते श्रद्धालुओं को सहज, सुरक्षित और सुगम दर्शन प्राप्त हुए। मसुरियन माता धाम में उमड़ा यह जनसैलाब केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि क्षेत्र की गहरी आस्था, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रमाण बनकर सामने आया–जहां हर कोई माता के चरणों में अपनी आस्था अर्पित कर खुद को धन्य महसूस करता नजर आया।

गोरखपुर में हुई मुलाकात अब शादी में बदलीङ्क कद्धर केके बिश्नोई और अंशिका वर्मा की सगाई, 29 मार्च को सात फेरे, चर्चा में डांस

बुलंद मंजिल

बरेली। उत्तर प्रदेश पुलिस की चर्चित आईपीएस जोड़ी संभल के एसपी कृष्ण कुमार (केके) बिश्नोई और बरेली की एसपी साउथ अंशिका वर्मा जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। दोनों की सगाई का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें यह हाई-प्रोफाइल जोड़ी फिल्मी अंदाज में डांस करती नजर आ रही है।

फिल्मी अंदाज में हुई सगाई, सोशल मीडिया पर छाए दोनों अफसर

संभल के बबराला में आयोजित निजी समारोह में दोनों आईपीएस अधिकारियों ने एक-दूसरे को रिंग पहनाकर रिश्ते को आधिकारिक रूप दिया। समारोह के दौरान केके बिश्नोई काला चश्मा पहनकर डांस करते नजर आए, वहीं अंशिका वर्मा रॉयल लुक में बेहद आकर्षक दिखीं। दोनों का कूल अंदाज लोगों को खूब पसंद आ रहा है और वीडियो वायरल होते ही चर्चा का विषय बन गया। सगाई के बाद अब शादी की तैयारियां जोरों पर हैं। जानकारी के मुताबिक 27 से 30 मार्च तक शादी के कार्यक्रम राजस्थान के बाड़मेर और जोधपुर में आयोजित होंगे। 29 मार्च को दोनों सात फेरे लेंगे। इस हाई-प्रोफाइल शादी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और राजनीतिक हस्तियों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

गोरखपुर में हुई थी पहली मुलाकात

अंशिका वर्मा 2021 बैच की आईपीएस अधिकारी हैं, जबकि केके बिश्नोई 2018 बैच के अफसर हैं। दोनों की मुलाकात गोरखपुर में तैनाती के दौरान हुई थी, जहां केके बिश्नोई एसपी सिटी और अंशिका वर्मा एएसपी के पद पर कार्यरत थीं। यहीं से दोनों के बीच परिचय बढ़ा और धीरे-धीरे रिश्ता मजबूत हुआ। केके बिश्नोई संभल के संवेदनशील मस्जिद प्रकरण के दौरान कानून-व्यवस्था संभालने को लेकर सुर्खियों में आए थे। वहीं अंशिका वर्मा ने सेल्फ स्टडी के दम पर यूपीएससी पास कर आईपीएस बनकर अपनी अलग पहचान बनाई। पुराने परिचय और पारिवारिक सहमति के बाद दोनों ने शादी का फैसला किया और अब यह चर्चित आईपीएस जोड़ी नए जीवन की शुरूआत करने जा रही है।

कंकाली मंदिर में मंगलामुखियों ने किया भंडारा, प्रसाद बांटकर की विश्व कल्याण की कामनाएं

अनिल चौधरी, बुलंद मंजिल

हाथरस। आगरा अलीगढ रोड स्थित कन्या गुरूकुल महाविद्यालय के निकट प्राचीन मां कंकाली मंदिर में रामनवमी के अवसर पर मंगलामुखियों ने चैत्र नवरात्रि के समापन और प्रभु श्री राम के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में एक विशाल भंडारा प्रसाद वितरण का आयोजन किया। शुक्रवार को मंदिर में सुबह से ही माता रानी के दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी थीं। वहीं मंगलामुखी गुरू विंदिया मौसी के सानिध्य में उनकी शिष्या सूरज और अन्य मंगलामुखियों ने माता रानी की विशेष पूजा-अर्चना कर विशाल भंडारा प्रसाद वितरण किया। जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। मंगलामुखी सूरज ने बताया कि वे हर साल माता के दरबार में मत्था टेकने आते हैं। उन्होंने कहा कि लोक कल्याण की भावना से इस भंडारे का आयोजन किया गया है। सूरज ने जय माता दी और जय श्री राम के जयघोष के साथ सभी देशवासियों और क्षेत्रवासियों के सुख-दुख, बेहतर स्वास्थ्य और उन्नति की कामना की। पूरे मंदिर परिसर में माता के जयकारे गूंजते रहे। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस के जवान प्रशासन भी मुस्तैद थे।

नवरात्र अष्टमी पर कन्या पूजन, काली मंदिर में रविता राठी ने वितरित किए बच्चों को उपहार

बुलंद मंज़िल /मौहम्मद फैजान

बिजनौर। चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर अष्टमी के दिन काली मंदिर, झालू रोड, बिजनौर में भव्य कन्या पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान महिला समाज कल्याण विभाग डीएमसी रविता राठी एवं #ल्यह के समस्त स्टाफ द्वारा श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ छोटी कन्याओं का पूजन कर उन्हें विभिन्न उपयोगी सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम में कन्याओं को पानी की बोतल, लंच बॉक्स, फल, प्लेट, चुनरी सहित अन्य उपहार भेंट किए गए। उपस्थित लोगों ने इसे सेवा और संस्कार का सुंदर उदाहरण बताया। डीएमसी रविता राठी ने कहा कि नवरात्र के पावन पर्व पर कन्या पूजन का विशेष महत्व होता है। यह आयोजन न केवल हमारी परंपराओं को सशक्त बनाता है, बल्कि समाज में बेटियों के प्रति सम्मान और स्नेह की भावना को भी बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि आगे भी इस तरह के सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। कार्यक्रम का माहौल धार्मिक आस्था, उत्साह और सेवा भाव से ओत-प्रोत रहा, जिसमें स्थानीय लोगों की भी सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।

खेत में बैठी महिला को खींच ले गया गुलदार ,मौके पर मौत, ग्रामीणों में आक्रोश

दैनिक बुलंद मंज़िल मौहम्मद फैजान

अफजलगढ़ (बिजनौर)। जानकारी के अनुसार ग्राम जामुनवाला के जंगल में शुक्रवार दोपहर दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक गुलदार (लेपर्ड) ने खेत के पास बैठी महिला पर हमला कर दिया और उन्हें खींचकर ले गया। इस हमले में महिला की मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, गांव चौहड़वाला निवासी लगभग 50 वर्षीय क्रांति देवी अपने पति रंजीत सिंह के साथ शुक्रवार सुबह गांव जामुनवाला निवासी किसान तेजपाल सिंह के खेत में काम करने गई थीं। दोपहर करीब तीन बजे रंजीत सिंह खेत की जुताई कर रहे थे, जबकि क्रांति देवी पास ही एक पेड़ के नीचे बैठकर आराम कर रही थीं।इसी दौरान गन्ने के खेत से निकलकर आए गुलदार ने अचानक क्रांति देवी पर हमला कर दिया। उसने महिला की गर्दन अपने जबड़े में दबोच ली और घसीटते हुए जंगल की ओर ले जाने लगा। महिला की चीख-पुकार सुनकर पति रंजीत सिंह लाठी लेकर मौके पर दौड़े और शोर मचाया, जिससे आसपास काम कर रहे ग्रामीण भी वहां पहुंच गए।

रंजीत सिंह ने पत्नी को बचाने की भरसक कोशिश की, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। ग्रामीणों के शोर मचाने पर गुलदार महिला को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। हालांकि गर्दन पर गंभीर हमले के चलते क्रांति देवी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए और आक्रोशित हो उठे। मृतका के परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर नगीना वन रेंज के क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार शर्मा और अफजलगढ़ थानाध्यक्ष विजेंद्र सिंह राठी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।अधिकारियों ने परिजनों को समझाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने का प्रयास किया, लेकिन गुस्साए ग्रामीणों ने करीब तीन घंटे तक शव उठाने नहीं दिया। ग्रामीणों ने मुआवजे और सुरक्षा व्यवस्था की मांग की। वन विभाग के रेंजर प्रदीप कुमार शर्मा ने बताया कि घटना स्थल पर गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया गया है। साथ ही पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया गया है।

इजराइल में फंसे धामपुर निवासी सौमिल अग्रवाल सुरक्षित घर लौटे

दैनिक बुलंद मंज़िल/मौहम्मद जीशान

धामपुर। प्राप्त समाचार के अनुसार 28 वर्षीय सौमिल अग्रवाल लगभग एक माह तक इजराइल में फंसे रहने के बाद सकुशल अपने घर लौट आए। उनकी वापसी पर परिजनों और क्षेत्रवासियों ने खुशी जताते हुए उनका स्वागत किया। सौमिल अग्रवाल, जो धामपुर के प्रसिद्ध मिष्ठान व्यापारी राजीव कुमार अग्रवाल के पुत्र हैं, 24 फरवरी को एक कंपनी के माध्यम से शूटिंग के सिलसिले में इजराइल गए थे। इसी दौरान वहां युद्ध जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई, जिसके चलते वे तेल अवीव में फंस गए। सुरक्षा कारणों से कंपनी द्वारा उन्हें एक होटल के बंकर में रखा गया।लगभग एक महीने तक फंसे रहने के बाद भारतीय दूतावास के प्रयासों से उनकी सुरक्षित वापसी संभव हो सकी। सौमिल ने बताया कि ट्रांजिट वीजा प्राप्त करने में उन्हें कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन दूतावास की सहायता से वे 25 मार्च को जॉर्डन सीमा तक पहुंचे। वहां से एक ट्रैवल एजेंसी के माध्यम से उन्हें ओमान एयरपोर्ट भेजा गया, जहां से उन्होंने मुंबई और फिर दिल्ली के लिए उड़ान भरी। दिल्ली पहुंचने पर उनके माता-पिता उन्हें लेने पहुंचे। इसके बाद सौमिल अपने गृह नगर धामपुर पहुंचे, जहां उनसे मिलने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। क्षेत्रवासियों ने उनकी सकुशल वापसी पर प्रसन्नता व्यक्त की। सौमिल के पिता राजीव अग्रवाल ने अपने बेटे की सुरक्षित वापसी के लिए भारतीय दूतावास का आभार व्यक्त किया।

चांदपुर में तेज रफ्तार का कहर, रोडवेज बस-बाइक की भीषण टक्कर, युवक गंभीर—चालक मौके से फरार

दैनिक बुलंद मंजिल/नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। नूरपुर मार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसे ने इलाके में सनसनी फैला दी। हीमपुर बुजुर्ग गांव के पास रोडवेज बस और बाइक की आमने-सामने टक्कर में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद बस चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया, जिससे लोगों में आक्रोश देखने को मिला। प्राप्त जानकारी के अनुसार, घायल युवक शादाब पुत्र जहीर अहमद, निवासी ग्राम हसुपुरा, अपने पिता से मिलने चांदपुर आ रहा था, जो एक अस्पताल में भर्ती बताए जा रहे हैं। इसी दौरान रास्ते में तेज रफ्तार रोडवेज बस ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि शादाब गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल युवक को तुरंत सीएचसी स्याऊ पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया।

सीएचसी स्याऊ के प्रभारी डॉ. जहीर अहमद ने बताया कि युवक को गंभीर चोटें आई हैं, जिसके चलते बेहतर उपचार के लिए उसे उच्च चिकित्सा केंद्र भेजा गया है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मामले की पुष्टि करते हुए हल्का इंचार्ज उप निरीक्षक अब्दुल कादिर खान ने बताया कि रोडवेज बस और बाइक के बीच भिड़ंत हुई है। उन्होंने बताया कि बस चालक की तलाश की जा रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस हादसे के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है, वहीं स्थानीय लोगों ने सड़क पर बढ़ती तेज रफ्तार और लापरवाही पर चिंता जताते हुए प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है।

चांदपुर में मौत पर मचा बवाल, युवक की संदिग्ध मौत को लेकर कई घंटे लगा रहा जाम, हत्या का आरोप—गांव में तनाव

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। थाना चांदपुर क्षेत्र के गांव हेजरपुर में युवक की मौत के बाद गुरुवार को हालात तनावपूर्ण हो गए। पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही शव गांव पहुंचा, परिजनों और ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित लोगों ने युवक की मौत को हत्या बताते हुए चांदपुर-बास्टा मार्ग पर जाम लगा दिया और करीब 5 घंटे तक सड़क पर धरना देकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने नामजद आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और कड़ी धाराओं में कार्रवाई की मांग की। इस दौरान पुलिस-प्रशासन के देर से पहुंचने पर लोगों का गुस्सा और भड़क गया। हालात बिगड़ते देख रात करीब 8 बजे एसपी ग्रामीण प्रकाश कुमार मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद परिजनों को समझाकर जाम खुलवाया। मौके पर सीओ चांदपुर देश दीपक सिंह सहित कई थानों की पुलिस बल तैनात रहा।

स्कूटी टक्कर के बाद बना विवाद, युवक को पीटने का आरोप

घटना 22 मार्च की बताई जा रही है। मृतक के चाचा राकेश के अनुसार, 24 वर्षीय प्रशांत मिजार्पुर बैला गांव से लौट रहा था। हरपुर-मिजार्पुर मोड़ पर उसकी स्कूटी से एक युवती की टक्कर हो गई, जिससे वह घायल हो गई।

आरोप है कि इसके बाद मौके पर पहुंचे कुछ लोगों ने बिना कोई बात सुने प्रशांत को पकड़ लिया और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इतना ही नहीं, उसे जबरन अपने साथ ले जाकर लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटा गया और बाद में बेहोशी की हालत में गांव में छोड़कर फरार हो गए।

मेरठ मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत

घायल प्रशांत को पहले सीएचसी स्याऊ, फिर जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसकी गंभीर हालत को देखते हुए मेरठ रेफर कर दिया गया। बुधवार देर रात मेरठ मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचते ही माहौल आक्रोश में बदल गया।

कई नामजद आरोपी, गिरफ्तारी की मांग तेज

परिजनों ने पुलिस को दी तहरीर में निकरान्त उर्फ निक्की, सचिन कुमार, अभिनय, संजीव, पलक, रिफत, शाहनवाज और शोभा समेत कई लोगों को नामजद करते हुए सख्त कार्रवाई और धाराएं बढ़ाने की मांग की है।

पुलिस का आश्वासन पर , देर रात खुला जाम

एसपी ग्रामीण प्रकाश कुमार ने मौके पर पहुंचकर परिजनों को कार्रवाई का भरोसा दिया। परिजनों के अनुसार, पुलिस ने सुबह 11 बजे तक आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है। इसके बाद जाम समाप्त कराया गया। देर रात युवक का अंतिम संस्कार भी कर दिया गया। इस घटना के बाद गांव और आसपास के क्षेत्रों में तनाव का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो आंदोलन और उग्र किया जाएगा।

नगीना में पेट्रोल डीजल की किल्लत की अफवाह बेबुनियाद,पूर्ति विभाग ने जांच में सब कुछ सामान्य पाया

दैनिक बुलंद मंजिल/यासिर शम्सी

नगीना। क्षेत्र में पेट्रोल डीजल की किल्लत को लेकर फैल रही अफवाहों के बीच पूर्ति विभाग ने सख्ती दिखाते हुए विभिन्न पेट्रोल पंपों का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान कहीं भी ईंधन की कमी नहीं पाई गई।शुक्रवार दोपहर पूर्ति विभाग के इंस्पेक्टर नीरज वर्मा ने धामपुर नगीना मार्ग स्थित दो पेट्रोल पंपों और कोतवाली देहात क्षेत्र के एक पेट्रोल पंप पर

पहुंचकर डीजल पेट्रोल की दैनिक बिक्री(सेल आउट)का निरीक्षण किया।साथ ही मशीनों के क्षमता मीटर की भी जांच की गई।निरीक्षण के दौरान सभी पेट्रोल पंपों पर ईंधन की उपलब्धता सामान्य पाई गई।कहीं भी पेट्रोल या डीजल की किल्लत जैसी स्थिति नहीं मिली। विभागीय जांच में यह स्पष्ट हुआ कि क्षेत्र में ईंधन की कमी को लेकर फैल रही खबरें पूरी तरह निराधार हैं।इंस्पेक्टर नीरज वर्मा ने बताया कि पेट्रोल पंपों पर पर्याप्त मात्रा में तेल उपलब्ध है और आपूर्ति पूरी तरह सुचारू रूप से चल रही है।उन्होंने लोगों से अपील की कि अफवाहों पर ध्यान न दें।साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी उपभोक्ता को किसी पेट्रोल पंप पर तेल लेने में किसी प्रकार की परेशानी होती है,तो वह तत्काल संबंधित विभाग में शिकायत दर्ज करा सकता है,जिस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

घर में घुसकर मारपीट करने वाले पांच आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

दैनिक बुलंद मंजिल/गुलफाम राजा

नूरपुर। थाना क्षेत्र के गांव टंडेरा में घर में घुसकर मारपीट करने के मामले में पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पीड़ित पक्ष ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव टंडेरा निवासी अक्शा पत्नी आफताब अहमद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि करीब पांच दिन पूर्व गांव से एक बारात ग्राम ननहेड़े गई थी।

बारात के दौरान उसके देवर अरमान की गांव के ही मोनिस पुत्र अलाउद्दीन से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी।आरोप है कि उसी दिन शाम को बारात वापस आने के बाद मोनिस, मुकीम, साजिद और सोनी पुत्रगण अलाउद्दीन अपनी मां के साथ पीड़िता के घर में घुस आए। उन्होंने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिसमें पीड़िता की ननद घायल हो गई। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी मोनिस ने ननद के अश्लील फोटो खींचकर उन्हें वायरल करने की धमकी दी है, जिससे परिवार में दहशत का माहौल बना हुआ है।पीड़िता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी परवेज कुमार ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

नगीना में सड़क हादसा बाइक सवार की मौत, पत्नी गंभीर घायल

दैनिक बुलंद मंजिल/यासिर शम्सी

नगीना। शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे नगीना क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई,जबकि उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है।मोहल्ला काजी सराय द्वितीय निवासी 56 वर्षीय शमीम अहमद अपनी पत्नी वहीदा (54 वर्ष)के साथ बाइक से बढ़ापुर से नगीना लौट रहे थे।जैसे ही वे ग्राम चमरावाला

मृतक का फाइल फोटो

पुल के पास पहुंचे, सामने से आ रही एक कार से उनकी बाइक की आमने सामने टक्कर हो गई।हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगीना ले जाया गया,जहां चिकित्सकों ने शमीम अहमद को मृत घोषित कर दिया। वहीं,घायल वहीदा को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बिजनौर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल की मोर्चरी भिजवा दिया है।

मिशन शक्ति 5.0 की दस्तक गांव तक, पुलिस ने महिलाओं को किया जागरूक, डर नहीं–अधिकार पहचानो का दिया संदेश

दैनिक बुलंद मंजिल/नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर/हीमपुर दीपा महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेस 5.0 अभियान के तहत थाना हीमपुर दीपा पुलिस ने ग्राम सब्दलपुर में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीण महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और सरकारी सुविधाओं के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में उप निरीक्षक मुन्नी राठी एवं महिला हेड कांस्टेबल संगीता ने गांव की महिलाओं और बालिकाओं को एकत्रित कर उन्हें विस्तार से जानकारी

दी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अब समय आ गया है कि महिलाएं किसी भी प्रकार के अत्याचार, उत्पीड़न या अपराध के खिलाफ चुप न रहें, बल्कि खुलकर अपनी आवाज उठाएं।

इस दौरान पुलिस टीम ने महिलाओं को महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इनमें महिला हेल्पलाइन 181, वूमेन पावर लाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, स्वास्थ्य सेवा 102, एंबुलेंस सेवा 108, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और साइबर हेल्पलाइन 1930 शामिल हैं। कार्यक्रम में विशेष रूप से घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, मारपीट, साइबर अपराध और सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले उत्पीड़न जैसे गंभीर विषयों पर चर्चा की गई। बालिकाओं को मोबाइल फोन के सुरक्षित उपयोग, अनजान लोगों से दूरी बनाए रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत शिकायत करने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस टीम ने यह भी बताया कि यदि कोई व्यक्ति सोशल मीडिया या मोबाइल के माध्यम से परेशान करता है, अश्लील संदेश भेजता है या मानसिक रूप से उत्पीड़न करता है, तो उसकी शिकायत तत्काल दर्ज कराई जा सकती है और उस पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाती है। इसके साथ ही महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों, आत्मरक्षा के उपायों और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए भी प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित महिलाओं की समस्याएं सुनी गईं और उन्हें हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया गया। इस जागरूकता अभियान का ग्रामीण क्षेत्र में सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला और महिलाओं ने पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए इसे बेहद उपयोगी बताया।

CMYK

सैफनी में भक्ति और उल्लास के साथ मनाई गई रामनवमी : कन्या पूजन से महक उठे घर-आँगन

दैनिक बुलंद मंजिल

सैफनी। शुक्रवार को क्षेत्र भर में रामनवमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। चैत्र नवरात्रि के नौवें दिन भक्तों ने माँ दुर्गा के नौवें स्वरूप माँ सिद्धिदात्री की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। वहीं,मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का जन्मोत्सव राम नवमी भी धूमधाम से मनाया गया,जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया।नवमी के अवसर पर सुबह से ही मंदिरों और घरों में विशेष चहल-पहल देखी गई। महामाई के दरबार को आकर्षक ढंग से सजाया गया, जहाँ श्रद्धालुओं ने हवन, पूजन और जागरण जैसे अनुष्ठान संपन्न किए। "जय माता दी" और "जय श्री राम" के जयघोषों से नगर के सनातनी मंदिर और गलियां गूंज उठीं। श्रद्धालुओं ने माँ दुर्गा को तिलक लगाकर, पुष्प अर्पित कर और चुनरी ओढ़ाकर सुख-समृद्धि की कामना की।नवरात्रि के नौ दिनों के कठिन उपवास का समापन कन्या पूजन (कंजक) के साथ हुआ। भक्तों ने छोटी-छोटी कन्याओं को माँ शक्ति का रूप मानकर उनके पैर पखारे और उन्हें तिलक लगाकर सादर भोजन कराया।नन्हे-मुन्ने बच्चों में श्रद्धालुओं से मिलने वाले उपहारों और दक्षिणा को लेकर भारी उत्साह देखा गया। घर-घर जाकर कन्याओं ने भोजन ग्रहण किया और श्रद्धालुओं को अपना आशीर्वाद देकर उनके नौ दिवसीय अनुष्ठान को पूर्ण कराया।श्रद्धालुओं द्वारा बांटे गए खिलौने, वस्त्र और अन्य आकर्षक उपहार पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। क्षेत्र के मंदिरों में भी विशेष भोग और आरती का आयोजन किया गया, जिसमें भारी संख्या में भक्तों ने भाग लिया और धर्म लाभ उठाया।

सैफनी थाना क्षेत्र में मिला युवती का शव, परिजनों ने लगाया मंगेतर पर हत्या का आरोप

दैनिक बुलंद मंजिल

सैफनी। थाना क्षेत्र के गांव में एक व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शिनाख्त कराई। जहां पहचान पांच दिन से लापता युवती के रूप हुई। युवती की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक थाना क्षेत्र के पुराना ललवारा गाँव निवासी युवती के भाई नईम ने बताया कि ईद के मौके पर परिवार के सदस्य कलियर शरीफ के लिए गए थे। परिवार में पिता यासीन और बहन सबीना ही घर पर रुक गए थे। इसी दौरान बहन सबीना 25 वर्ष का मंगेतर उससे मिलने के लिए घर पर आ गया था। जिसको लेकर परिजनों ने अपनी ही बेटी को डांट दिया। इसके बाद से ही युवती घर से गायब हो गई। परिजनों के काफी खोजबीन के बाद गुमशुदगी की तहरीर पुलिस को दी गई। शुक्रवार को थाना पुलिस को सूचना मिली कि पुराना ललवारा गांव के नदी के किनारे एक युवती शव पड़ा है। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शिनाख्त के लिए युवती के घर सूचना पहुंच कर पहचान कराई। जिसके बाद युवती के पिता ने अपनी बेटी सबीना को पहचान लिया। इसके बाद परिजनों में कोहराम मच गया।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।वहीं भाई नईम ने बताया कि कुछ महीने पहले बैरुआ गांव निवासी एक युवक से शादी तय हो गई थी। कुछ दिनों के बाद उसका निकाह होना था।

बंदरों के हमले से छत से गिरा व्यक्ति, इलाज के दौरान मौत परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

छत पर काम करते समय हुआ हमला, बचने में गई जान

दैनिक बुलंद मंजिल

बरेली। बंदरों के हमले से बचने के प्रयास में एक व्यक्ति छत से गिर गया। गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जिला शाहजहांपुर के कटरा के मोहल्ला फिलनगर निवासी 56 वर्षीय राजकुमार देवल गुरुवार दोपहर अपने घर की छत पर किसी काम से गए थे। तभी अचानक बंदरों का झुंड वहां पहुंच गया और उन पर हमला कर दिया। हमले से घबराकर वह खुद को बचाने की कोशिश करने लगे, लेकिन इसी दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वह छत से नीचे गिर पड़े।

पहले स्थानीय अस्पताल, फिर बरेली रेफर

परिजन तुरंत उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें बरेली रेफर कर दिया। बरेली में इलाज के दौरान शुक्रवार सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया।

पीछे छूटा परिवार, तीन बच्चों का सहारा खत्म

राजकुमार देवल अपने परिवार के मुखिया थे और उनके निधन से घर में मातम पसरा हुआ है। वह अपने पीछे पत्नी और तीन बच्चों को छोड़ गए हैं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है।

बढ़ता बंदरों का आतंक, बड़ा सवाल

इस घटना ने एक बार फिर शहरों और कस्बों में बढ़ते बंदरों के आतंक पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आए दिन इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन स्थायी समाधान अब तक नहीं निकल पाया है।

पत्नी से विवाद के बाद युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान, तीन मासूमों के सिर से उठा पिता का साया

घरेलू कलह ने छीनी जिंदगी, परिवार में मचा कोहराम

दैनिक बुलंद मंजिल

बरेली। थाना सिरौली क्षेत्र के गांव नवाबपुर खुर्द में एक दिन दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां पत्नी से विवाद के बाद एक युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जान दे दी। इस दर्दनाक हादसे ने न सिर्फ एक परिवार को उजाड़ दिया, बल्कि तीन मासूम बच्चों के सिर से पिता का साया भी छीन लिया। परिजनों के मुताबिक, मृतक रामविलास का गुरुवार सुबह अपनी पत्नी प्रियंका से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। विवाद इतना बढ़ गया कि रामविलास गुस्से में घर से निकल पड़ा। बताया जा रहा है कि वह सीधे रामगंगा रेलवे स्टेशन पहुंचा, जहां कुछ ही देर बाद उसने ट्रेन के आगे कूदकर आत्मघाती कदम उठा लिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और घटना के हर पहलू को खंगाला जा रहा है।

तीन बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

मृतक रामविलास खेती-बाड़ी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। उसकी मौत के बाद पत्नी प्रियंका का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार में मातम पसरा हुआ है और तीन छोटे बच्चों के भविष्य को लेकर चिंता गहरा गई है। इस अचानक हुई घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। रिश्तेदारों और ग्रामीणों की आंखें नम हैं, वहीं हर कोई इस दर्दनाक घटना को लेकर स्तब्ध है।

सपना हुआ सकार : देवरनियां- मुंडिया में बीस साल बाद पंबरा तालाब रोड का निर्माण शुरू

नगर पंचायत चेयरमैन की मेहनत रंग लाई, चेयरमैन ने अपने वायदे को निभाया

दैनिक बुलंद मंजिल

देवरनियां । नगर पंचायत देवरनियां में मुंडिया चौराहे से पंबरा तालाब तक सीसी रोड का निर्माण बीस साल बाद शुरू होने पर जहां नगर वासियों में? खुशी की लहर है, तो वहीं चेयरमैन के प्रयासों की भी हर तरफ प्रशंसा हो रही है। नगर पंचायत देवरनियां चेयरमैन मोहम्मद कलीम अंसारी द्वारा अपने अथक प्रयासों और शासन तक पुरजोख पैरवी करके कई दशक से आम जन-मानस के लिए परेशानी का सबब बने देवरनियां रेलवे फाटक से कस्बा मुडिया जागीर बाजार चौराहे तक सीसी रोड का निर्माण कराए जाने के बाद में कस्बा मुडिया जागीर चौराहे से पंबरा तालाब तक साढे चार सौ मीटर सीसी रोड का निर्माण कराया जा रहा है। यह रोड सिंतरा से आने वाले रास्ते को भी जोडता है। नगर वासियों के अनुसार इस रोड का निर्माण बीस साल बाद हो रहा है। बीस साल तक किसी ने इसकी सुध नहीं ली, मगर चेयरमैन कलीम अंसारी द्वारा चुनाव के वक्त किए गए वायदे को निभाते हुए सीसी रोड निर्माण कराया जा रहा है। चेयरमैन के इस कार्य की नगर वासी प्रशं कर रहे हैं। फोटो--- देवरनियां में होता सीसी रोड निर्माण और मुआयना करते चेयरमैन।

" चुनाव के वक्त हमने इस रोड का निर्माण कराने का वायदा किया था।? बीस साल बाद इसका निर्माण हो रहा है इससे कस्बे वासियों के अलावा गांव सिंतरा से आने वाले लोगों को राहत मिलेगी। हम पारदर्शी तरह से पूरे नगर का विक कर रहे हैं। पहली बार देवरनियां नगर पंचायत को आदर्श का दर्जा मिला है।

मोहम्मद कलीम अंसारी, चेयरमैन देवरनियां"

लिव-इन पार्टनर बना हमलावर चाकू से हमला कर महिला को किया घायल, तीन बच्चों की मां ने पुलिस से लगाई गुहार

शराब के नशे में गाली-गलौज से शुरू हुआ विवाद, जानलेवा हमले तक पहुंचा मामला

दैनिक बुलंद मंजिल

बरेली। थाना बारादरी क्षेत्र से घरेलू हिंसा का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां लिव-इन रिलेशन में रह रही महिला पर उसके साथी ने चाकू से हमला कर दिया। महिला किसी तरह अपनी जान बचाकर पुलिस तक पहुंची और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। महिला की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बारादरी थाना क्षेत्र की रहने वाली महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह अपने पहले पति से करीब 12 साल से अलग रह रही है। उसके तीन बच्चे हैं, जो उसके साथ रहते हैं। करीब 10 वर्षों से वह मोहन प्रकाश शर्मा (निवासी जयपुर) के साथ बिना शादी के लिव-इन रिलेशन में रह रही थी।

अक्सर करता था मारपीट और झगड़ा

पीड़िता के मुताबिक, आरोपी मोहन प्रकाश पिछले कुछ समय से बिना बात के झगड़ा करता था और कई बार उसके साथ मारपीट भी कर चुका है। घटना 24 मार्च 2026 की रात करीब 11 बजे की है, जब आरोपी शराब के नशे में गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर उसने चाकू उठा लिया और महिला पर हमला कर दिया। इस दौरान बचाव करते समय महिला की गर्दन के नीचे चाकू की नोक लग गई, जिससे वह घायल हो गई।

112 पर कॉल कर बचाई जान

हमले के बाद महिला ने तुरंत 112 डायल कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस की मदद से वह थाने पहुंची और अपनी सुरक्षा के लिए प्रार्थना पत्र दिया। थाना बारादरी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज जांच शुरू कर दी है।

स्ट्रीट लाइट के नीचे चल रहा था सट्टे का खेल, पुलिस ने दबोचे 5 जुआरी

हजारों की नकदी और पर्चियां बरामद

दैनिक बुलंद मंजिल

बरेली। थाना बारादरी पुलिस ने देर रात सट्टा कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 5 आरोपियों को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से सट्टा पर्चियां (मटका पर्ची), पेन और कुल ?4150 नकद बरामद किए गए हैं। सभी के खिलाफ धारा 13 जुआ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

बीती रात दरोगा प्रदीप कुमार अपनी टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान एक मुखबिर खास ने सूचना दी कि मंडिया के पास गली में कुछ लोग स्ट्रीट लाइट के नीचे खड़े होकर सट्टा लिख रहे हैं और हर ?10 के 90? बोलकर लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और छापेमारी कर 5 लोगों को मौके से पकड़ लिया।

पकड़े गए आरोपियों ने अपना नाम अविनाश कश्यप (उम्र 51 वर्ष),विशाल पाल (उम्र 27 वर्ष),राकेश शर्मा (उम्र 55 वर्ष),गौरव कश्यप (उम्र 32 वर्ष),विमल (उम्र 19 वर्ष)

सभी थाना बारादरी क्षेत्र के अलग-अलग मोहल्लों के निवासी बताए गए हैं।

बरामदगी का पूरा हिसाब

पुलिस ने आरोपियों की तलाशी में 08 अदद सट्टा (मटका) पर्चियां,4150 नकद रकम,कई पेन (सट्टा लिखने में इस्तेमाल) पर्चियों बरामद को है, दर्ज नंबरों और रकम से साफ हुआ कि मौके पर सट्टे का सक्रिय कारोबार चल रहा था।

चकरपुर भूड़ में लगे स्मार्ट मीटर लगने शुरू

दैनिक बुलंद मंजिल

रामपुर । शाहबाद क्षेत्र के ग्राम चकरपुर भूड़ में बिजली विभाग द्वारा स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है शुक्रवार को बिजली विभाग की टीम ने गांव पहुंचकर घर-घर जाकर स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य किया विद्युत विभाग की टीम के कर्मचारी अरविंद कश्यप से बातचीत में बताया की स्मार्ट मीटर लगने से उपभोक्ताओं को होने वाली दिक्कतें खत्म हो जाएंगे उनका बिल हर माह की 4 तारीख को बनाकर उनके दिए गए रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर सेंड कर दिया जाएगा जिससे उपभोक्ता को बिल जमा करने में कोई दिक्कत नहीं होगी विद्युत विभाग की टीम ने लगभग 70 मी शुक्रवार को ग्राम में लगाए हैं बाकी सभी उपभोक्ताओं के घर-घर जाकर स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य एक-दो दिन में ही पूर्ण कर दिया जाएगा।

बेखौफ चोरों ने पुलिस के इलाके में ही चोरी की घटना को दिया अंजाम

दैनिक बुलंद मंजिल

बरेली। थाना सीबीगंज क्षेत्र में बेखौफ अज्ञात चोरों ने बंद मकान के ताले तोड़कर घर में रखें सोने चांदी के आभूषण व नगदी समेत लाखों रुपए के माल पर हाथ साफ कर दिया और फरार हो गए। जानकारी होने पर पीड़ित अपने घर पहुंचा और थाना पुलिस को घटना की सूचना दी। मौके पर पुलिस व फॉरेंसिंग टीम ने घटनास्थल पर पहुंच कर चोरी की इस घटना की जांच शुरू कर दी। फिलहाल पुलिस ने अज्ञात में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार सीबीगंज थाना क्षेत्र के आई टी आर चौक नंबर चार के रहने वाले सुनील कौशिक के मुताबिक वह अपने इलाज कराने के लिए लखनऊ गए हुए थे और उनके घर पर काम करने वाली महिला शाम करीब 7:30 बजे काम निपटाकर ताला मार कर अपने घर चली गई थी। इसी बीच शुक्रवार की सुबह पीड़ित को फोन पर सूचना मिली कि उनके मकान का ताला टूटा हुआ है। जिसके बाद वह अपने घर पहुंचे तो मेन गेट का ताला टूटा हुआ था। जब अंदर घुसकर देखा तो घर में रखे सामान की जांच की तो पाया की एक सोने का हार, तीन सोने की चेन, चार अंगूठी, एक टीका मांग, पट्टी, सोने का पेंडल, ग्यारह जोड़ी पायल, 25 चांदी के सिक्के आदि सहित करीब 15 हजार रूपए अज्ञात चोरों ने बेखौफ होकर कब्जे में लेकर फरार हो गए। पीड़ित ने घटना की सूचना थाना पुलिस को लिखित रूप में दे दी है, जिसके बाद मौके पर इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार चतुर्वेदी फॉरेंसिंग टीम ने पहुंचकर पड़ताल शुरू की। पीड़ित ने चोरी घटना की तहरीर अज्ञात में पुलिस को दी है जिसके आधार पर पुलिस ने अज्ञात में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आपको बता दें कि ये आई टी आर कॉलोनी मिनी पुलिस लाइन कही जाती है क्योंकि जिस किसी भी पुलिस वाले की तैनाती सीबीगंज थाने में होती है वह यहां पर किसी न किसी चौक में कोई ना कोई कमरे को अपना रहने का ठिकाना बना लेता है उसके बाद जब कभी उसकी तैनाती जनपद में कहीं अन्य स्थान पर हो जाती है तब भी वह अपने ठिकाने को नहीं छोड़ता। चार नंबर चौक आई टी आर में थाने के पीछे हुई लाखों रुपए की चोरी की इस घटना के बाद पुलिस कि गश्त पर भी अब सवाल उठने लगे हैं। थाने से कुछ दूरी पर रह रहे पुलिस वाले व अन्य लोग भी चोरों की नजर से बच नहीं पा रहे हैं। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में चोरी की वारदातें लगातार बढ़ रही हैं। इससे पहले भी दर्जनों चोरी क्षेत्र में हुई है लेकिन पुलिस अब तक किसी भी चोरी का खुलासा करने में नाकाम रही है। अब तो पुलिस के इलाके में भी चोरी की वारदात को चोरों ने अंजाम दे दिया है, क्या इस चोरी का खुलासा जल्द हो पाएगा या यह चोरी की घटना भी ठंडे बस्ते में पड़ जाएगी।

चैत्र नवरात्रि पर घर घर जिमाई गई कन्याएं लिया आशीर्वाद

दैनिक बुलंद मंजिल

शाहबाद रामपुर। शुक्रवार को चैत्र नवरात्रि की नवमी पर नगर के दीवान निवासी व्यापारी श्री श्याम ट्रेडर्स के कमलेश गुप्ता के आवास पर कन्याओं को विधि विधान से पूजन कर भोग लगाया गया जिस दौरान जय माता दी आदि के जयकारे लगे भक्ति मय माहौल रहा इस मौके पर अनायरा स्वाति वैश्य, किट्टू सक्सेना, कान्हा विनोद गुप्ता, शिवांश, मानिक अग्रवाल आदि ने प्रसाद ग्रहण किया। जिस दौरान नन्हे-मुन्ने कन्याओं को तिलक लगाते हुए उपहार भी भेंट किया। कन्याओं ने भोजन ग्रहण कर आशीर्वाद भी दिया।

चैत्र नवरात्रि की नवमी पर तेईस वां हवन , कन्या पूजन कर हुआ भंडारा

दैनिक बुलंद मंजिल /विनोद गुप्ता

शाहबाद रामपुर। शुक्रवार को चैत्र नवरात्रि की नवमी पर मोहल्ला दीवान निवासी बेनी राम राठौर उर्फ छोटे लाल के घर पर तेईस वां हवन , कन्या पूजन कर भंडारा आयोजित हुआ। (महानवमी) भगवान श्री राम के जन्मोत्सव और मां दुर्गा के नौवें स्वरूप, मां सिद्धिदात्री की पूजा के लिए समर्पित माना जाता है। यह दिन नौ दिनों की साधना के समापन, कन्या पूजन और कन्याओं को माँ के रूप में पूजने का पावन दिन है। देर रात रात भारी संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने देवी माता के भंडारे का श्री प्रसाद का आनंद लिया। इसके बाद रात्रि माता रानी का जागरण भी आयोजित हुआ। जी दौरान कलाकारों के द्वारा भगवान के सुंदर-सुंदर भजन गाकर माता रानी बुलाया गया। इस मौके पर आयोजक बेनी राम राठौर उर्फ छोटे लाल, बबीता रानी , राहुल, दीपक, गोपाल, रिंकी, डॉ आकाश गुप्ता , बबली , श्याम, रामू , भूपराम , राजू राठौर सचिन राठौर आदि मौजूद रहे।

चांदपुर में सुपर चोरों का कहर, 15 फीट दीवार फांदकर घर में घुसे, 8 लाख कैश और लाखों के जेवर उड़ाए

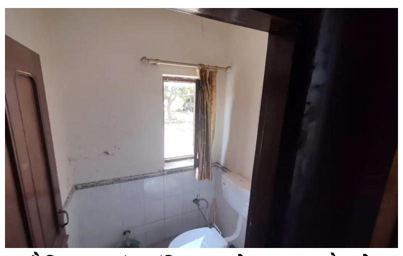

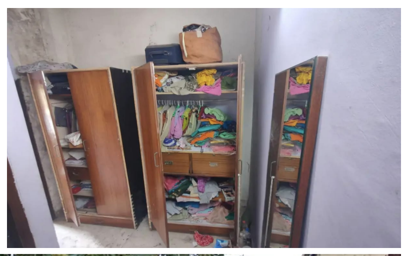

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। थाना चांदपुर क्षेत्र में बीती रात हुई हाई-प्रोफाइल चोरी की वारदात ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। बेखौफ चोरों ने पेट्रोल पंप मालिक के घर को निशाना बनाते हुए 15 फीट ऊंची दीवार फांदकर अंदर घुसकर करीब 8 लाख रुपये नकद और लाखों रुपये के कीमती आभूषण चोरी कर लिए। इस दुस्साहसिक वारदात ने पुलिस की रात्रि गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना चांदपुर-जलीलपुर रोड स्थित पेट्रोल पंप स्वामी निरीश कुमार उर्फ बिल्लू गुप्ता के आवास की है। घटना के समय बिल्लू गुप्ता अपने कमरे में गहरी नींद में थे, जबकि उनके भतीजे मुकुल गुप्ता दूसरे कमरे में अकेले सो रहे थे। चौंकाने वाली बात यह है कि चोरों ने उसी कमरे को निशाना बनाया, जिसमें मुकुल गुप्ता मौजूद थे, लेकिन उन्हें जरा सी भी आहट नहीं हुई। जानकारी के अनुसार, चोर पीछे की ओर से 15 फीट ऊंची दीवार फांदकर घर में दाखिल हुए। उन्होंने अटैच टॉयलेट का लोहे का जंगला उखाड़ा और उसी रास्ते घर के अंदर प्रवेश किया। इसके बाद वे सीधे ड्रेसिंग रूम में पहुंचे और वहां रखी अलमारी को खंगालते हुए करीब आठ लाख रुपये की नकदी और लाखों के आभूषण समेट लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद चोर उसी रास्ते से फरार हो गए। सुबह जब परिजनों को चोरी की जानकारी हुई तो घर में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस महकमा मौके पर पहुंचा। मामले

की गंभीरता को देखते हुए एसपी ग्रामीण प्रकाश कुमार स्वयं घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने परिजनों से घटना की विस्तृत जानकारी ली और जल्द खुलासे के निर्देश दिए। घटनास्थल पर एसओजी, स्वाट सर्विलांस, फील्ड यूनिट और स्थानीय पुलिस की टीमें भी पहुंचीं और साक्ष्य जुटाने में जुट गईं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। इस वारदात ने चांदपुर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात में पुलिस गश्त न के बराबर होती है, जिसका फायदा उठाकर चोर लगातार वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। लोगों में दहशत का माहौल है और उन्होंने पुलिस प्रशासन से जल्द से जल्द खुलासा कर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

संगठन में नई ताकत का संचार, नागेन्द्र सिंह राजपूत बने विश्व हिन्दू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश मंत्री, पदाधिकारियों ने जताया भरोसा

दैनिक बुलंद मंजिल/नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। विश्व हिन्दू महासंघ (भारत) उत्तर प्रदेश में संगठन को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा फैसला लिया गया है। संगठन के प्रति समर्पण, निष्ठा और सक्रिय भूमिका को देखते हुए नागेन्द्र सिंह राजपूत को प्रदेश मंत्री पद पर मनोनीत किया गया है। यह मनोनयन प्रदेश अध्यक्ष गौरक्षा प्रकोष्ठ नागेश्वर प्रसाद मिश्र द्वारा जारी किया गया।

नागेन्द्र सिंह राजपूत, निवासी ग्राम स्याऊ (मोहल्ला लखटकिया), जनपद बिजनौर, लंबे समय से हिन्दू समाज, गौसेवा एवं संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं। उनके मनोनयन से कार्यकताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इस अवसर पर संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भी अपनी प्रतिक्रिया देते हुए इस निर्णय

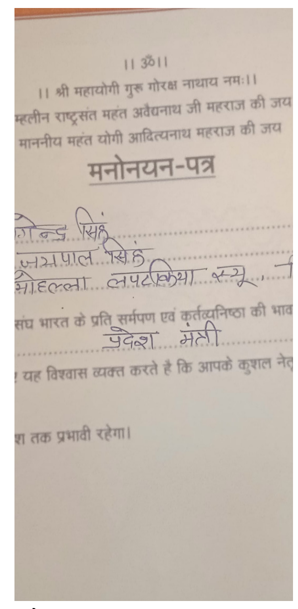

को ऐतिहासिक बताया। विश्व हिन्दू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रशांत तोमर ने कहा कि ह्लनागेन्द्र सिंह राजपूत एक कर्मठ, जुझारू और समर्पित कार्यकर्ता हैं। उनका प्रदेश मंत्री बनना संगठन के लिए गर्व की बात है। उनके नेतृत्व में संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलेगी तथा गौ रक्षा और हिन्दू समाज की सेवा के कार्यों में तेजी आएगी। वहीं, प्रदेश उपाध्यक्ष स्वाति तोमर ने कहा कि नागेन्द्र सिंह राजपूत का मनोनयन यह दशार्ता है कि संगठन मेहनती और निष्ठावान कार्यकताओं को आगे बढ़ाने में विश्वास रखता है। उनसे अपेक्षा है कि वे संगठन के उद्देश्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुंचाएंगे और महिला सशक्तिकरण व सामाजिक समरसता के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसी क्रम में, जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा ने कहा कि नागेन्द्र सिंह राजपूत का संगठन के प्रति समर्पण और संघर्ष किसी से छिपा नहीं है। उनके प्रदेश मंत्री बनने से जिला ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश में संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और कार्यकताओं का मनोबल और अधिक बढ़ेगा। संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने इस निर्णय का जोरदार स्वागत करते हुए खुशी जाहिर की। इस दौरान महायोगी गुरु गोरक्षनाथ, ब्रह्मलीन राष्ट्रसंत महंत अवैद्यनाथ एवं माननीय योगी आदित्यनाथ के जयकारों से माहौल गूंज उठा। बताया गया कि यह मनोनयन आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा और संगठन को इससे नई ऊर्जा व मजबूती मिलने की उम्मीद है।

गडारे वाले बाबा का 13वां सालाना उर्स मुबारक सकुशल संपन्न

दैनिक बुलंद मंजिल /गुलफाम राजा

नूरपुर। नूरपुर-धामपुर मार्ग स्थित गडारे वाले बाबा का 13वां सालाना उर्स मुबारक गुरुवार को श्रद्धा और अकीदत के साथ सकुशल संपन्न हो गया। उर्स के अवसर पर क्षेत्र सहित दूर-दराज से पहुंचे अकीदतमंदों ने बाबा की दरगाह पर हाजिरी देकर अपने व अपने परिवार की खुशहाली की दुआ मांगी तथा मुल्क में अमन-चैन और भाईचारे के लिए विशेष प्रार्थना की।इस दौरान अकीदतमंदों द्वारा गडारे वाले बाबा की मजार मुबारक पर ताजपोशी की गई। उर्स के मौके पर मेले का भी आयोजन हुआ, जिसमें लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत कव्वाली की महफिल भी सजी, जिसमें मशहूर कव्वाल सरफराज अली साबरी ने अपनी प्रस्तुति देकर समां बांध दिया और उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।उर्स के सफल आयोजन में सज्जादा नशीन मो. मेराज कादरी, अनिल कुमार साबरी के साथ दरगाह कमेटी के सदस्य सरफराज आलम कादरी, अखलाख साबरी, जुल्फिकार साबरी, अनीस शायरी, जाने आलम साबरी, इरशाद साबरी, जरीफ साबरी, आरिफ साबरी, नूर साबरी, गुलफाम साबरी, इफ्तिखार साबरी और नौशाद साबरी आदि का विशेष सहयोग।

शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग, लाखों का सामान जलकर राख

दैनिक बुलंद मंजिल/गुलफाम राजा

नूरपुर। थाना क्षेत्र के ग्राम रतनगढ़ में शॉर्ट सर्किट के चलते एक घर में भीषण आग लग गई, जिससे घर में रखा कीमती सामान जलकर राख हो गया। घटना से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई।पीड़ित सतनाम सिंह ने बताया कि देर शाम अचानक घर में शॉर्ट सर्किट हुआ, जिसके बाद आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि किसी को संभलने का मौका नहीं मिला और देखते ही देखते घर का फर्नीचर, कपड़े व अन्य घरेलू सामान जलकर राख हो गया।सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक अधिकांश सामान जल चुका था। घटना में लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।पीड़ित ने विद्युत विभाग से मुआवजे की मांग की है। वहीं ग्रामीणों ने भी प्रशासन से पीड़ित परिवार को उचित आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है।

शाहबाद में तेंदुए की खबर की गलत अफवाह बन विभाग की टीम ने नकारा

शुक्रवार देर शाम तक की जांच पड़ताल टीम लौटी

दैनिक बुलंद मंजिल

शाहबाद रामपुर। मामला कोतवाली शाहबाद क्षेत्र का है जहां जिसने क्षेत्र में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है हालांकि टीम ने कुछ अलग ही जानकारी दी बताया गया है कि गुरुवार देर रात जयतोली मदारपुर रोड पर तेंदुआ दिखाई जाने का दावा करते हुए कुछ लोगों ने एक वीडियो वायरल किया। वीडियो बहुत तेजी से वायरल होने के बाद शुक्रवार सुबह होते ही वन विभाग के रेंजर शिवशंकर यादव, एसडीओ संजीव जौहरी और वन दारोगा अनिल कुमार मय टीम के जयतोली मदारपुर रोड स्थित रामगंगा पुल के पास पहुंच गए जहां उन्होंने तेंदुए के पदचिन्हों की जांच

पड़ताल की। जांच पड़ताल के बाद वन विभाग ने वायरल वीडियो को नकारते हुए तेंदुए के पैरों का कोई भी निशान नहीं मिलने का दावा किया। जिसमें बात जांच पड़ताल करने गई वन विभाग की टीम देर शाम में वापस लौट गई, हालांकि वन विभाग के रेंजर शिवशंकर यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि वन कर्मी तीन चार दिनों तक लगातार क्षेत्र का भ्रमण करते रहेंगे। रेंजर शिवशंकर यादव ने बताया कि ग्रामीणों से बातचीत भी की गई, वीडियो बनाने वाला कोई भी शख्स सामने नहीं आया,न ही किसी ने तेंदुआ देखे जाने की पुष्टि की। टीम ने भी तेंदुए के पदचिन्हों की पहचान करने की कोशिश की तो रास्ते पर कोई भी निशान नहीं मिल सका। जिस मामले की सूचना ने इस मामले में एक नया मोड़ ला दिया है।

सैफनी के दो झोलाछापों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

दैनिक बुलंद मंजिल

सैफनी। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गुरुवार को नगर में झोलाछापों के खिलाफ सख्त अभियान चलाते हुए अवैध रूप से संचालित दो क्लीनिक सील कर दिए थे।जिसके बाद दोनों झोलाछाप डाक्टरों के खिलाफ थाना पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। जानकारी अनुसार गुरुवार की दोपहर नोडल अधिकारी डॉ. देवेश चौधरी के नेतृत्व में पहुंची टीम ने छितौनी मार्ग स्थित स्टार हेल्थ केयर सेंटर और शाहबाद मार्ग पर स्थित डॉ. कामिल क्लीनिक पर कार्रवाई की थी। टीम के नगर में पहुंचने की सूचना मिलते ही अन्य झोलाछाप संचालकों में हड़कंप मच गया और कई लोग अपनी दुकानों के शटर गिराकर मौके से हट गए थे। कार्रवाई के दौरान दोनों क्लीनिकों को सील कर दिया गया था। नोडल अधिकारी डॉ. देवेश चौधरी ने बताया था कि झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ आईजीआरएस पर शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसके आधार पर यह अभियान चलाया गया था।जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने दोनों झोलाछाप डाक्टरों के खिलाफ सैफनी थाने में तहरीर दी थी।जिसके बाद अब सैफनी थाना पुलिस ने दोनों झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

कैला देवी मंदिर पर भक्तों का जनसैलाब पूजा अर्चना कर मांगी मन्नतें

कैला देवी पुलिस प्रशासन मेले की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर रहा अलर्ट

भूरे सिंह यादव / बुलंद मंज़िल

संभल/सौंधन । संभल तहसील क्षेत्र के कैला देवी मंदिर पर नवरात्र के अंतिम दिन मंदिर पर रामनवमी के पावन अवसर पर आस्था का अद्भुत दृश्य देखने को मिला, मां के भक्तों का उमड़ा जनसैलाब । अंतिम नवरात्र पर्व पर आयोजित किया गया विशाल मेले का आयोजन ' भक्तिमय वातावरण ने पूरे क्षेत्र को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया।

मंदिर पर माता रानी के दर्शन करने के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारों में खड़े नजर आए। विधि-विधान पूर्वक भक्तों ने पूजा-अर्चना करने के बाद भक्तों ने मांगीं मन्नतें ' और परिवार की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। मंदिर परिसर पर श्रद्धालुओं ने हवन-यज्ञ कराकर अपनी आस्था प्रकट की। मंदिर परिसर में बच्चों के मुंडन संस्कार भी बड़ी संख्या में कराए गए, जिससे धार्मिक परंपराओं का निर्वहन होता दिखाई दिया। वहीं मेले में महिलाओं ने मीना बाजार में पहुंचकर कर सौंदर्य प्रसाधनों की जमकर खरीदारी की, जबकि मेले में महिलाओं व छोटे बच्चों ने चाट-पकौड़ी और अन्य व्यंजनों का आनंद लिया।

भक्तिमय माहौल मे आस पास क्षेत्र से आने वाले श्रद्धालुओ महिलाओं की टोलियां ने ढोलक की थाप पर माता रानी के भजन-कीर्तन करती नजर आई, जिससे पूरा परिसर जय माता दी के जयकारों से गूंज उठा। मेले की सुरक्षा व्यवस्था के लिए थाना प्रभारी जितेंद्र वर्मा अपने पुलिस बल के साथ सुरक्षा व्यवस्था को मौजूद रहे। कैला देवी थाना पुलिस द्वारा जगह-जगह निगरानी रखी गई। इस दौरान एसआई आँचल सिद्धु ने महिलाओं को वूमेन हेल्पलाइन नंबर की जानकारी देकर उन्हें जागरूक भी किया। रामनवमी के इस पावन पर्व पर आयोजित मेले में श्रद्धा और भक्ति का संदेश दिया, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं की झलक भी प्रस्तुत की गई।

तेंदुए को देखने वाले चश्मदीद ने टीम को दिखाई लुकेशन

दैनिक बुलंद मंजिल

शाहबाद रामपुर। तेंदुए की वीडियो वायरल मामले में देर रात वहां से गुजर रहे चश्मदीद लोगों ने वन विभाग की टीम के शुक्रवार देर शाम साथ जाकर पूरा मामला बताया जबकि टीम को कोई साक्ष नहीं मिला है हमारे ब्यूरो विनोद गुप्ता को नगर के शरीफ अहमद उर्फ कबीर ने जानकारी देते हुए बताया कि कल देर रात उनके साथी आरिफ मियां आदि मौजूद रहे। जिनके पीछे चल रही एक गाड़ी ने तेंदुए का वीडियो बनाया था । यह भी बताया जा रहा है कि जय तोली मदारपुर पुल के पास के लोगों में अभी भी दहशत कम नहीं हुई है। और लोग सावधानी बरत रहे हैं।

बुकिंग के बाद भी आजकल कहकर हफ्तों से टरकाए गए उपभोक्ता, लोग परेशान

कोरांव प्रयागराज। हफ्तों से बुकिंग के बाद भी कोरांव के अयोध्या गांव में कृपाशंकर इण्डेन गैस एजेंसी पर सिलेंडर होने के बावजूद आजकल आजकल करके उपभोक्ता को सिलेंडर देने से टरकाने का आरोप लगाया गया। उपभोक्ता नेहा मिश्रा ने आरोप लगाते हुए बताया कि उनका सिलेंडर 17 मार्च को बुक किया गया जिसका बुकिंग डीओसी नम्बर 212508 है बुकिंग डीओसी नम्बर एजेंसी कर्मचारी द्वारा पुंछा गया लेकिन आजतक सिलेंडर नहीं दिया गया जबकि वहीं कुछ अपने खास लोगों और दुकानों पर दुगुने दामों में ब्लैक किए जाने का भी आरोप है। कुछ ग्राहकों का यह भी आरोप है कि उक्त एजेंसी के एक कर्मचारी का कहना है कि उसकी शिकायत चाहे जिससे करनी है कर लो उसके पास कुछ ऐसे पहुंच वाले लोग हैं कि उसका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता।

घटतौली का शिकार हो रहे ग्राहक, विधिक माप-तौल विभाग बना मूकदर्शक

इलेक्ट्रॉनिक कांटों में सेटिंग कर हो रही ठगी, बिना सत्यापन के चल रहे बाट-कांटे

कोराँव प्रयागराज। विधिक माप-तौल विभाग की सुस्ती के चलते कोरांव क्षेत्र के बाजारों और ग्रामीण इलाकों में उपभोक्ता खुलेआम घटतौली का शिकार हो रहे हैं। कोरांव, खजुरी, देवघाट, बड़ोखर, अयोध्या, गिरगोठा, झलेडियारी, खीरी, रत्योरा मोड़ सहित कई बाजारों में दुकानदार मनमाने तरीके से तौल कर ग्राहकों को चूना लगा रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। विशेषकर सब्जी और किराना दुकानों में बिना विभागीय सत्यापन के इलेक्ट्रॉनिक कांटों का धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा है। कई दुकानदार शुरूआती सत्यापन के बाद दोबारा कांटों की जांच नहीं कराते, जिससे उनमें गड़बड़ी की संभावना बढ़ जाती है। जागरूकता की कमी के कारण ग्रामीण उपभोक्ता इस ठगी को समझ नहीं पाते और लगातार नुकसान झेलते रहते हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कुछ दुकानदार इलेक्ट्रॉनिक कांटों में सेटिंग कर देते हैं, जिससे कम वजन दिखाकर अधिक कीमत वसूली जाती है। हालांकि ब्रांडेड कंपनियों के कांटों में इस तरह की छेड़छाड़ आसान नहीं होती, लेकिन अधिकांश दुकानदार सस्ते लोकल कांटों का ही इस्तेमाल कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी खराब है, जहां कई दुकानों पर आज भी लोहे के बाट से तौल की जा रही है। समय के साथ इन बाटों के घिस जाने से उनका वजन कम हो जाता है, जिससे उपभोक्ताओं को सीधा नुकसान होता है। माप-तौल विभाग द्वारा सत्यापन के दौरान बाटों पर लगाई जाने वाली सील भी कई जगहों पर गायब है या वर्षों पुरानी है। नियमों के अनुसार प्रत्येक दुकानदार को अपने कांटे और बाट का सत्यापन प्रमाणपत्र दुकान पर प्रदर्शित करना अनिवार्य है, लेकिन अधिकांश दुकानों में यह नियम कागजों तक ही सीमित है। ग्रामीण उपभोक्ताओं ने विधिक माप-तौल विभाग से मांग की है कि क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाकर दोषी दुकानदारों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि आम जनता को घटतौली की समस्या से राहत मिल सके।

कैलादेवी मंदिर में गूंजा मिशन शक्ति का संदेश: महिलाओं को सुरक्षा और अधिकारों के प्रति किया जागरूक

दैनिक बुलंद मंज़िल

संभल। जनपद में महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण को लेकर चल रहे मिशन शक्ति विशेष अभियान फेज-5 का असर अब गांव-गांव तक नजर आने लगा है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई और अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी कुलदीप सिंह के निर्देशन में अभियान का द्वितीय चरण जोर-शोर से संचालित किया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को थाना कैला देवी क्षेत्र स्थित कैलादेवी मंदिर परिसर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां बड़ी संख्या में महिलाओं और बालिकाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं को उनकी सुरक्षा के प्रति सजग करते हुए मिशन शक्ति केंद्र के सीयूजी नंबर, विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों और सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। टीम ने महिलाओं को स्पष्ट संदेश दिया कि किसी भी आपात स्थिति में बिना झिझक हेल्पलाइन नंबरों का तुरंत उपयोग करें और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें।

कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहीं मिशन शक्ति प्रभारी महिला उपनिरीक्षक आंचल सिद्धू ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का संदेश देते हुए कहा कि आज के समय में जागरूकता ही सबसे बड़ी सुरक्षा है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ उठाकर महिलाएं न केवल सुरक्षित रह सकती हैं बल्कि आत्मनिर्भर बनकर समाज में अपनी मजबूत पहचान भी बना सकती हैं।

Economic Lifeline for MP Small Farmers

Launched by Prime Minister Narendra Modi, the Pradhan Mantri Kisan Samman Nidhi (PM-KISAN) scheme has emerged as a robust economic pillar supporting millions of small and marginal farmers across the country.

Designed exclusively for those who need it most, the scheme provides an annual financial assistance of Rs 6,000 directly into farmers' bank accounts.

This amount is disbursed in three equal instalments of Rs 2,000 each at four-month intervals, ensuring timely and uninterrupted support throughout the cropping cycle.

To date, the government has successfully transferred 22 instalments, bringing much-needed relief to farmers grappling with rising input costs and uncertain weather patterns.

In the villages of Harda district, the scheme's impact is clearly visible on the ground. Narendra Bhati, a farmer from Balagaon village, says the PM-KISAN has been nothing short of a boon since its inception. Bhati said earlier, he had to borrow money at high interest rates to buy seeds, fertilisers and pesticides. Now, he said, the money comes straight into his account before every season. Now he can purchase inputs at market rates without any middlemen, which has brought down the production costs significantly.

For Bhati and thousands like him, the direct cash transfer has eliminated dependency on costly credit and middlemen, allowing better planning and investment in quality materials.

Same it is in the case of Nandkishore Gaur, another farmer from the same region, echoes similar sentiments.

He points out that the timely receipt of all three instalments has ensured that minor agricultural tasks never stall.

The predictability of the support has given farmers the confidence to focus entirely on cultivation rather than worrying about cash flow.

Chandrakant Sitoke from Jhundgaon village appreciates the scheme's structure but believes there is room for improvement.

He said that eeceiving financial assistance three times a year has made managing expenses much easier. Still, if the instalment could be raised from Rs 2,000 to Rs 5,000, farmers would get even greater relief. It would allow us to invest more

The predictability of the support has given farmers the confidence to focus entirely on cultivation rather than worrying about cash flow.

in modern techniques and strengthen our financial position.

His view reflects a common aspiration among beneficiaries to further enhance the scheme's benefits.

Ashok Gurjar, a resident of Chhidgaon Tamoli village, highlights how the scheme has significantly reduced his financial burden.

He said he no longer need to take loans for fertilisers and seeds. Earlier, buying on credit meant paying extra interest. Now, he said, with direct cash in hand, can purchase everything at lower prices and have become self-reliant.

He added that the scheme's transparency is its biggest strength. Since the money is deposited directly into bank accounts, there are no intermediaries or deductions, ensuring every rupee reaches the farmer.

This direct benefit transfer model has built immense trust within the farming community.

Farmers across Harda district said that the scheme has not only provided financial assistance but also instilled a new sense of self-confidence. Small and marginal farmers, who once lagged behind due to limited resources, are now able to adopt modern agricultural practices more efficiently.

The Rs 6,000 annual support is helping them invest in better seeds, advanced equipment and timely irrigation, leading to improved productivity. The scheme's success is also visible in the growing demand for its continuation and expansion.

Farmers strongly believe that such initiatives should continue without interruption and cover an even larger number of beneficiaries in the coming years.

Many express deep gratitude to Prime Minister Narendra Modi for introducing a programme that has brought tangible benefits to their lives.

This scheme has economically empowered the farmers and given them a new ray of hope.

Experts note that PM-KISAN has played a pivotal role in reducing rural indebtedness and promoting self-reliance among the farming fraternity.

By eliminating the need for middlemen and ensuring full transparency, the scheme has strengthened the bond between the government and farmers.

With 22 instalments already delivered, the programme continues to serve as a steady source of income support, helping small farmers navigate the challenges of agriculture more effectively.

Looking ahead, farmers hope the scope of PM-KISAN will be widened further. If the assistance amount is enhanced and more farmers are included, the scheme could become an even stronger driver of agricultural growth in India.

For now, in villages like Balagaon, Jhundgaon and Chhidgaon Tamoli, the Pradhan Mantri Kisan Samman Nidhi stands as a shining example of how targeted government support can transform the lives of those who feed the nation.

When Fitness and Strength Begin to Fade

A long-running Swedish study has followed adults for nearly five decades, uncovering when physical decline truly begins. Fitness and strength start slipping around age 35, then worsen gradually with age.

The encouraging twist: adults who began exercising later still improved their physical capacity by up to 10 per cent. It's a powerful reminder that staying active matters, even if you start late.

A long-running Swedish study conducted at Karolinska Institutet has followed people for 47 years to examine how fitness, strength, and muscle endurance evolve during adulthood. The findings show that physical performance begins to decline around age 35.

The research is part of the Swedish Physical Activity and Fitness study (SPAF), which tracked several hundred randomly selected men and women between the ages of 16 and 63.

Published in the Journal of Cachexia, Sarcopenia and Muscle, the study offers rare long-term insight into how physical capacity changes over decades rather than snapshots at a single point in time.

Most earlier research in this area relied on cross-sectional data, comparing different age groups rather than following the same individuals.

In contrast, the SPAF study repeatedly measured fitness and strength in the same participants across Sweden for nearly half a century, making it one of the most comprehensive efforts of its kind.

The results show that both fitness and strength start to decrease as early as age 35, regardless of how much people trained earlier in life. From that point forward, physical decline continues gradually and tends to speed up with advancing age.

Despite this pattern, the researchers found encouraging evidence that exercise remains valuable at any stage. Participants who became physically active during adulthood increased their physical capacity by 5-10 per cent.

"It is never too late to start moving. Our study shows that physical activity can slow the decline in performance, even if it cannot completely stop it. Now we will look for the mechanisms behind why everyone reaches their peak performance at age 35 and why physical activity can slow performance loss but not completely halt it," says Maria Westerstahl, lecturer at the Department of Laboratory Medicine and lead author of the study.

Fresh Lease of Life for Flood-hit People

When floods washed away his family's farmland in 1973, Hareshbhai Solanki thought he would never farm it again. Five decades later, he is harvesting his first crop in Rustampura village in Gujarat — the 33-year-old has spent the past week cutting tobacco from fields that lay barren for decades.

If all goes to plan, the harvest could bring in Rs 2.5-3 lakh, leaving him with a profit of around Rs 1 lakh from his 1.6-hectare farm.

For Solanki, the harvest holds meaning far beyond its monetary value, as the last time his family cultivated these fields was in 1973. Unprecedented rains in Thasra taluka of Kheda district were part of one of the most widespread and catastrophic flood events in the region. Solanki's grandfather, Vitthalbhai, lost their farmland during those floods.

The destruction was part of the devastating 1973 floods in Gujarat's Mahi river basin, caused by torrential rainfall between August 26 and September 9 that year. Entire stretches of farmland were eroded, and many families, including Solanki's, lost their land.

Villages along the riverbanks also lost large areas of common land — used for grazing, collecting fuelwood and other daily needs.

A report by the Foundation for Ecological Security (FES) in September 2023 titled Ravine Restoration Through Community Initiatives noted the widespread land degradation across villages along the Mahi basin.

The river originates in southern Rajasthan and flows through districts including Panchmahals, Mahisagar, Vadodara, Kheda and Anand before draining into the Arabian Sea at the Gulf of Khambhat.

A preliminary survey by FES across 106 villages found that ravines had affected more than 17,992 hectares of both common and private land along a 120 kilometre stretch between Vanakbori in Mahisagar district and Dhuvaran in Anand district.

The sandy loam soil, combined with a lack of vegetation and repeated heavy rains, led to severe erosion. Over time, deep and continuous ravine gullies formed.

(Courtesy: DTE)

Extra Benefit of Milk Protein

A protein found naturally in cow's milk, greatly increased wound healing in rats compared to control groups. This was what a study, published in Interface, found. The promising results suggest that casein, which is cheap, abundant and has antimicrobial properties, has potential to replace expensive materials such as silver in wound dressings.

Casein is a protein found in the milk of mammals and is most abundant in cow's milk, where it makes up to 80% of the substance. In the last decade, interest has grown in casein's antimicrobial, antioxidant and anti-inflammatory properties, as well as its utility as a high-protein dietary supplement.

In this study, researchers at UCL mixed pure casein with polycaprolactone (PCL), a biodegradable polyester commonly used as a bandage material. They used a technique called pressurised gyration, which was developed at UCL in 2013, to spin this mixture into bandage-like fibres from which they created casein-infused bandages. This would not have been possible with other, more expensive manufacturing methods such as electrospinning.

Rats with identical small skin

This would not have been possible with other, more expensive manufacturing methods such as electrospinning. Rats with identical small skin perforations were split into three groups.

perforations were split into three groups. The wounds of those in the first group were treated with casein-infused bandages, the second with normal PCL bandages, and the third with no bandages.Healing progress was checked after three, seven, 10 and 14 days by photographing and measuring the wounds, as well as examining them under a microscope.

The team found that at 14 days the wounds treated with casein-infused bandages healed to 5.2% of their original size, compared to 31.1% in the normal bandage group and 45.6% in the untreated group.

Analysis also confirmed that the casein bandages were non-toxic and that levels of immune-related molecules were much lower around the wounds treated with them.

Dr Jubair Ahmed (UCL Mechanical Engineering), first author of the study, said: "Natural materials contain some wonderful properties, many of which are unknown. We knew that casein was reputed to have healing benefits and our results suggest there is a lot of potential to use it in medical applications like wound dressings. More work is needed to ensure that casein dressings are safe and effective in humans, but these initial findings are promising."

Given that casein is a waste product of skimmed dairy milk, if it was approved for treatment in humans it would be a relatively cheap material that could be produced at scale. However, the chemical composition and potency of natural substances can vary, an issue that would need to be tackled if casein is to be used in the clinic, where consistency is key to safe and effective treatment.

CMYK

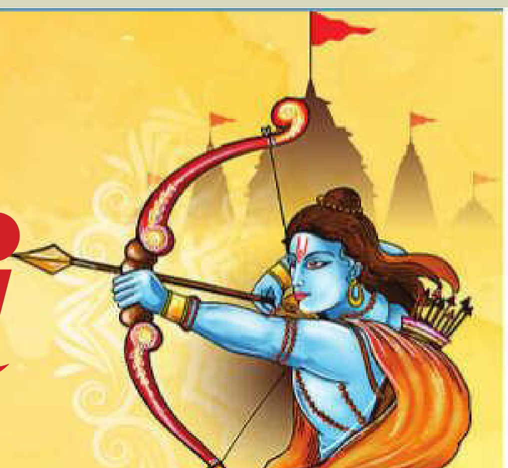

Sonam Kapoor, R. Madhavan, Jackie Shroff lead Bollywood's Ram Navami wishes

Bollywood celebrities Sonam Kapoor, R. Madhavan, Jackie Shroff, Urmila Matondkar and others have taken to their respective social media accounts to wish fans on the auspicious occasion of Ram Navami on the 26th of March.

Celebrating the birth of Lord Rama with devotion and positivity, these Bollywood celebrities extended positivity and warmth.

Veteran actor Jackie Shroff shared a divine picture on his social media story featuring Lord Rama, along with the hashtags, "#JaiShreeRam #RamNavmi." The post also carried a message that read, "Warm wishes on Ram Navami."

Actress Urmila Matondkar marked the occasion by sharing a special devotional reel. The clip featured the nightingale of India Lata Mangeshkar rendering the bhajan, "Shri Ram Chandra Kripalu Bhajman," accompanied by a greeting that read, "Wishing you a blessed Ram Navami."

Sonam Kapoor also joined in the celebrations by posting a serene visual of Lord Rama standing tall with a bow and arrow against a golden backdrop. The post simply read, "Happy Ram Navami."

Actor R. Madhavan extended his wishes with a beautiful picture of Lord Rama, Sita, Lakshman, and Hanuman. Alongside the post, he wrote, "Warm greetings to everyone on the auspicious occasion of Ram Navami. Jai Siya Ram. May there be peace and harmony for one and all." Meanwhile, Tanishaa Mukerji shared a festive graphic of Lord Rama, accompanied by a heartfelt message.

It read, "May Lord Rama bless us with peace, prosperity, and righteousness on this holy Ram Navami."

For the uninitiated, Ram Navami, a significant Hindu festival, marks the birth of Lord Rama, the seventh incarnation of Lord Vishnu.

The day symbolises the victory of good over evil and the ideals of righteousness, virtue, and dharma that Lord Rama represents and is celebrated with great fervour across India. On this day, devotees observe fasts, visit temples, and recite prayers and bhajans to celebrate the occasion.

Alia swoons over 'mommy' Kiara's chocolate glow

New "mommy" and actress Kiara Advani turned heads with her latest chocolate-hued glam avatar, prompting an excited response from actress Alia Bhatt, who tagged her as "gorgeous".

Kiara took to Instagram on Thursday morning, where is seen dressed in a milk chocolate-toned, fitted corset-style dress, accentuating a sleek and glamorous silhouette.

For the caption, she wrote: "Mommy's home! and she brought chocolate." The post quickly caught attention, with several fans and industry friends reacting to her striking look and confident vibe.

Among them, actress Alia couldn't hold back her admiration and dropped a comment saying, "Gorgeeeeeeee."

Kiara, who is married to actor Sidharth Malhotra, on July 2025 officially announced the arrival of their baby girl, admitting that their "world" has "forever changed."

Sidharth took to his Instagram handle and dropped a lovely announcement post in pink on behalf of him and Kiara. The 'Shershaah' actor wrote, "Our hearts are full and our world forever changed. We are blessed with a Baby Girl. KIARA & SIDHARTH."

It was on November 28, 2025, when they finally revealed the name of their little bundle of joy. They wrote on Instagram: "From our prayers, to our arms our divine blessing, our princess, Saraayah Malhotra (sic)."

Sidharth and Kiara married in 2023, in a private ceremony at Suryagarh Palace, Jaisalmer, after a quiet, years-long relationship that blossomed on the sets of their 2021 film Shershaah.

Talking about Alia, she was last seen in Jigra, directed by Vasan Bala. It stars Alia as a troubled young woman who must rescue her brother, played by Vedang Raina from a foreign prison, after he is incarcerated for a crime he did not commit.

She will next be seen in Alpha, the seventh installment of the shared universe and first female-led film in the universe. Directed by Shiv Rawail, the film also stars Sharvari, Bobby Deol and Anil Kapoor, with Hrithik Roshan reprising his role as Kabir in a cameo appearance.The film is now scheduled for a theatrical release on 10 July 2026.

Preity Zinta reunites with Bobby Deol for a fun outing

Bollywood actress Preity Zinta reunited with her BFF and actor Bobby Deol over a fun outing on Wednesday evening, further sharing glimpses from the reunion on her social media account.

Taking to social media, Preity posted a series of pictures from their fun get-together and captioned it, "Last night was so much fun ! Great food, fun conversation and the best company ! Friendships that ripen with time are priceless #Ting"

In the pictures, Preity is seen posing with Bobby Deol, his wife Tanya Deol, and with other close friends.

The group seems to have had a blast together as they appear to be enjoying and smiling.

Preity is seen posing with Tanya and Bobby, in another picture.

Talking about Preity and Bobby, the two share a long-standing bond of friendship spanning over three decades. They have also shared screen space in the 1998 film Soldier, which marked one of the early successes in their careers. The film, directed by Abbas-Mustan, also starred veteran actress Raakhee and Johnny Lever, and went on to become a hit. The songs of the movie like "Soldier Soldier" and "Tera Rang Balle Balle" remain popular even after three decades of its release.

Bobby and Preity's friendship reportedly dates back to before the latter made her Bollywood debut. She also had a cameo appearance in Bobby Deol and Sunny Deol starrer Dillagi, released in 1999, which also featured Urmila Matondkar.

Talking about Preity Zinta, the actress made her Bollywood debut with Dil Se.. in 1998 and quickly rose to fame with films like Kal Ho Naa Ho, Koi... Mil Gaya and Veer-Zaara, further becoming one of the leading actresses of her time.

Priyanka Chopra finds new thrills in Amritsar

Global head-turner Priyanka Chopra Jonas, who is currently in India, is going on "another adventure" in Amritsar, Punjab. Priyanka took to her Instagram stories, where she shared a picture of a digital map while she was on board a flight. The map showed the aircraft, which took off from New Delhi, landing in Amritsar.

"Chalo! Another adventure," she wrote as the caption, without divulging any details of what the "adventure" is about. Talking about work, the actress is gearing up for her much-awaited return to Indian cinema with the upcoming film, Varanasi, directed by S.S. Rajamouli and starring Mahesh Babu and Prithviraj Sukumaran. The big-budget project, which is expected to be released in 2027.

"The All Hearts Tour – Live"

Shreya Ghoshal India's First Female Artist to Launch Live Album

One of Indian music's most loved and celebrated voices, Shreya Ghoshal has etched her name in history by becoming the first Indian female artist in three decades to release a live tour album, featuring exclusive recordings from her most recent All Hearts Tour. Known for her soulful voice and unmatched versatility, this live album is a heartfelt gift to her fans and captures the raw energy, emotional depth, and musical brilliance that defined the All Hearts Tour, offering listeners an immersive concert-like experience.

These live versions capture the scale, emotion and energy experienced across sold-out arenas & venues worldwide. Drawing from some of Bollywood's biggest blockbusters, the album showcases the remarkable versatility & longevity of Shreya Ghoshal's catalogue - from the intensity of "O Saathi Re" from Omkara (2006) to the grandeur of "Deewani Mastani" from Bajirao Mastani (2015), from era-defining dance anthems like "Chikni Chameli" from Agneepath (2012) to the beautiful intimacy of "Samjhawan" from Humpty Sharma Ki Dulhania (2014) - the album spans three decades of moments that have shaped the sound and sentiment of modern Indian pop culture.

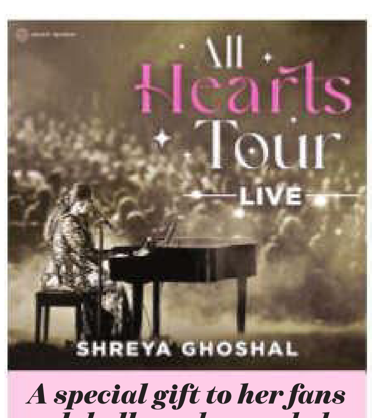

A special gift to her fans globally and recorded across Mumbai, London, New York, Amsterdam and more, the album; All Hearts Tour – Live features live recordings from her National and International tour

Speaking about the Album, Shreya Ghoshal says, "The All Hearts Tour – Live" album is incredibly special to me. For the first time, I'm releasing concert recordings so my audience can relive the same emotion and energy. This is my gift to everyone who's been part of my journey over the years- my listeners, my fans, those who attended the tour, and even those who couldn't. I wanted to give them something in return, because as the name suggests, my fans truly are All Heart.

संक्षिप्त समाचार

ऑटोटेक एशिया 17 अप्रैल से भारत मंडपम में

नई दिल्ली। ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, बैटरी टेक्नोलॉजी और विनिर्माण प्रणाली पर केंद्रित बिजनेस-टू-बिजनेस प्रदर्शनी ऑटोटेक एशिया 2026 का आयोजन राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में 17-19 अप्रैल को किया जायेगा। ऑटोटेक एशिया की आयोजक ऑटो टेक ग्लोबल मीडिया के संस्थापक एवं निदेशक आशीष जैन ने यहां शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इस सम्मेलन में 250 से अधिक प्रदर्शकों और व्यापार जगत के 25 हजार से ज्यादा लोगों के आने की उम्मीद है। इनमें वाहन निर्माता, बैटरी कंपनियां, कलपुर्जों के आपूर्तिकर्ता, निवेशक और नीति निर्माता भी शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य एक ऐसा मंच तैयार करना है जो स्थापित और उभरते दोनों क्षेत्रों के बीच सहयोग को बढ़ावा दे और उद्योग में सार्थक संवाद संभव हो सके।

इंडिगो दिल्ली से कोलंबो की उड़ान शुरू करेगी

नई दिल्ली। देश की प्रमुख विमान सेवा कंपनी इंडिगो 29 मार्च से दिल्ली और कोलंबो के बीच नयी उड़ान शुरू करेगी। एयरलाइंस ने शुक्रवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह उड़ान शुक्रवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चलेगी। इस मार्ग पर वह ए320 विमानों का परिचालन करेगी। दिल्ली से कोलंबो की उड़ान शाम 6.40 बजे रवाना होगी। वापसी की उड़ान कोलंबो से स्थानीय समय के अनुसार रात 11.20 बजे चलेगी और भारतीय समय के अनुसार आधी रात के बाद 2.55 बजे दिल्ली पहुंचेगी।इंडिगो की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रिश्ते काफी गहरे हैं। दोनों देशों की राजधानियों के बीच इस सीधे उड़ान से व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा तथा रिश्ते और मजबूत होंगे।

शेयर बाजारों की तेजी पर ब्रेक : प्रमुख सूचकांक 2 प्रतिशत से ज्यादा टूटे

सेंसेक्स 1690 अंक लुढ़का निफ्टी 486 अंक फिसला

□ मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में दो दिन की तेजी के बाद शुक्रवार को फिर गिरावट देखी गए और प्रमुख सूचकांक दो प्रतिशत से ज्यादा फिसल गए। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1,690.23 अंक (2.25 प्रतिशत) टूटकर 73,583.22 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 486.85 अंक यानी 2.09 प्रतिशत नीचे 22,819.60 अंक पर बंद हुआ। विदेशों से मिले नकारात्मक संकेतों के कारण आज शुरू से ही बाजार पर दबाव रहा। डॉलर की तुलना में रुपये के कमजोर पड़ने से निवेश धारणा और प्रभावित हुई। रुपया आज 89 पैसे टूटकर 94.85 रुपये प्रति डॉलर के ऐतिहासिक निचले स्तर पर बंद हुआ। चौतरफा बिकवाली के बीच मझौली और छोटी कंपनियों पर भी दबाव रहा। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 2.13 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.74 प्रतिशत उतर गया। सभी सेक्टर लाल निशान में बंद हुए। सुबह बढ़त में रहने वाला आईटी सूचकांक भी अंत में गिर गया।

बैंकिंग, रियलटी, ऑटो, रसायन, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, वित्त, एफएमसीजी, धातु, तेल एवं गैस और फार्मा सेक्टरों में अधिक दबाव देखा गया।एनएसई में जिन 3,388 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,813 के शेयर लाल निशान में और 503 के हरे निशान में रहे। अन्य 72 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित बंद हुए। वैश्विक स्तर पर एशिया में शुरुआती कारोबार में जापान का निक्केई 0.43 प्रतिशत टूट गया। चीन का शंघाई कंपोजिट 0.63 फीसदी और हांगकांग का हैंग सेंग 0.38 फीसदी की बढ़त में रहा। यूरोप में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 1.28 प्रतिशत और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.37 प्रतिशत नीचे था।

30 कंपनियों में से 26 के शेयर गिरे

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 26 के शेयर गिर गये। रिलायंस इंडस्ट्रीज में सबसे अधिक 4.55 प्रतिशत और इंडिगो में 4.54 प्रतिशत की गिरावट रही। बजाज फाइनेंस का शेयर 4.32 फीसदी, भारतीय स्टेट बैंक का 3.82, इटरनल का 3.76 और एचडीएफसी बैंक का 3.26 प्रतिशत फिसल गया। बजाज फिनसर्व का शेयर 2.96 फीसदी, हिंदुस्तान यूनीलिवर का 2.85, महिंद्रा एंड महिंद्रा का 2.78, एशियन पेंट्स का 2.77, अडानी पोर्ट्स का 2.76, मारुति सुजुकी का 2.49, एलएंडटी का 2.27, ट्रेंट का 2.25, बीईएल का 2.14 और आईसीआईसीआई बैंक का 2.03 प्रतिशत नीचे बंद हुआ। टाटा स्टील का शेयर 1.73 प्रतिशत, कोटक महिंद्रा बैंक का 1.44, एक्सिस बैंक और टाइटन दोनों का 1.41, अल्ट्राटेक सीमेंट का 1.36, एचसीएल टेक्नोलॉजीज का 1.35 और टेक महिंद्रा का 1.28 प्रतिशत उतर गया। इंफोसिस, एनटीपीसी और आईटीसी के शेयर भी लाल निशान में रहे। टीसीएस और भारती एयरटेल के शेयरों में लिवाली रही।

रुपया 35 पैसे टूटकर 94 प्रति डॉलर के पार पहुंचा

अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 34 पैसे टूटकर 94.30 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया।
बीच कारोबार में पहली बार भारतीय मुद्रा इस स्तर तक कमजोर हुई है। पिछले कारोबारी दिवस पर 25 मार्च को यह 20 पैसे की गिरावट में 93.96 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी जो इसका अब तक का सबसे कमजोर बंद भाव है। रुपया आज 22.75 पैसे की गिरावट में 94.1875 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और 94.30 रुपये प्रति डॉलर तक टूट गया। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में वृद्धि और विदेशी संस्थागत निवेशकों के भारतीय पूंजी बाजार में इस महीने लगातार बिकवाली रहने से भारतीय मुद्रा दबाव में है। पश्चिम एशिया संकट से पहले रुपया 91 डॉलर प्रति बैरल के आसपास था। इस संकट के शुरू होने के बाद अब तक इसमें तीन रुपये प्रति डॉलर की गिरावट आ चुकी है।

सोने-चांदी की कीमतों में उछाल

सोना 1200 रु. बढ़ा चांदी 4300 रु. चढ़ी

□ नई दिल्ली

सोने और चांदी की कीमतों में शुक्रवार को मजबूती देखने को मिली है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसएक्स) पर सोना करीब 1,200 रुपए की बढ़त के साथ 1,40,780 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी भी 4,300 रुपए चढ़कर 2,24,120 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी दोनों कीमती धातुओं में तेजी दर्ज की गई है, जहां सोना 1.26 फीसदी बढ़कर 4432.50 डॉलर प्रति औंस और चांदी 2 फीसदी से अधिक बढ़कर करीब 69.36 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रही है। देश के प्रमुख शहरों में भी सोने के दाम ऊंचे बने हुए हैं। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,44,690 रुपए और 22 कैरेट 1,32,640 रुपए प्रति 10 ग्राम बिक रहा है। मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में 24 कैरेट सोने का भाव 1,44,540 रुपए और 22 कैरेट 1,32,490 रुपए के आसपास है। सराफा बाजार में चांदी का भाव लगभग 2,49,900 रुपए प्रति किलो दर्ज किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार, हालिया तेजी के पीछे कई कारण हैं। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम होने से बाजार में असमंजस बना हुआ है। ऊंची ब्याज दरें सोने में निवेश को कम आकर्षक बनाती हैं, क्योंकि इसमें ब्याज नहीं मिलता।

विदेशी मुद्रा भंडार 11.413 अरब डॉलर घटा

□ मुंबई

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 20 मार्च को समाप्त सप्ताह में 11.413 अरब डॉलर घटकर 698.346 अरब डॉलर रह गया। विदेशी मुद्रा भंडार 10 सप्ताह बाद 700 अरब डॉलर से नीचे उतरा है। इसकी मुख्य वजह स्वर्ण भंडार में 13 अरब डॉलर से अधिक की साप्ताहिक गिरावट है। गत 27 फरवरी को रिकॉर्ड 728.494 अरब डॉलर को छूने का बाद विदेश मुद्रा का देश का भंडार लगातार तीसरे सप्ताह कम हुआ है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 20 मार्च को समाप्त सप्ताह में स्वर्ण भंडार 13.495 अरब डॉलर घटकर 117.186 अरब डॉलर रह गया। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति में आलोच्य सप्ताह के दौरान 2.127 अरब डॉलर की वृद्धि हुई है और यह 557.695 अरब डॉलर हो गया। इसमें अमेरिकी डॉलर के अलावा जापानी येन, यूरो और ब्रितानी पाउंड भी शामिल हैं जिनके मूल्य का निर्धारण डॉलर की तुलना में उनके संदर्भ दर के आधार पर होता है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 1.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.833 अरब डॉलर पर पहुंच गया। विशेष आहरण अधिकार 6.5 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ 18.632 अरब डॉलर रहा।

दिल्ली घरेलू थोक जिंस बाजारों में तेजी

गेहूं, शकर, दालों के दाम बढ़े

□ नई दिल्ली

घरेलू थोक जिंस बाजारों में शुक्रवार को चावल की औसत कीमत बढ़ गयी। चावल के साथ गेहूं, चीनी और दालों में तेजी देखी गयी जबकि खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा।

औसत दर्जे के चावल का औसत भाव 16 रुपये बढ़कर 3863 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। गेहूं 21 रुपये महंगा हुआ और 2,813 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत भी पांच रुपये बढ़ी।दाल-दलहनों में तेजी रही। तुअर दाल की औसत कीमत 145 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। मसूर दाल 93 रुपये और चना दाल 68 रुपये महंगी हुई। उड़द दाल का भाव 51 रुपये और मूंग दाल का 44 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया।विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जून का पाम ऑयल वायदा 47 रिंगिट चढ़कर 4,630 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 1.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 68.81 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में सरसों तेल की औसत कीमत 85 रुपये और सोया तेल की चार रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। मूंगफली तेल 264 रुपये और पाम ऑयल 176 रुपये महंगा हुआ। वनस्पति में 19 रुपये और सूरजमुखी तेल में 64 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी देखी गयी। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 70 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया। चीनी भी 13 रुपये महंगी हुई।सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव इस प्रकार रहे ।

दाल-दलहन : दाल चना 7755.68 रुपये, मसूर काली 8140.77 रुपये, मूंग दाल 10197.57 रुपये, उड़द दाल 10843.39 रुपये, तुअर दाल 11328.69 रुपये प्रति क्विंटल रही।

अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2812.70 रुपये और चावल 3862.58 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3291.29 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़ : चीनी एस 4315.38 रुपये और गुड़ 5053.21 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। खाद्य तेल : सरसों तेल 17662.87 रुपये, मूंगफली तेल 18890.60 रुपये, सूरजमुखी तेल 17336.48 रुपये, सोया तेल 14478.37 रुपये, पाम ऑयल 13462.88 रुपये और वनस्पति 14791.82 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर रहा।

विदेशों में बढ़ी हापुस आम की मांग

हवाई मार्ग से पहली खेप अमेरिका रवाना

□ मुंबई

बाजार में हापुस आम की आवक शुरू होते ही नवी मुंबई के कृषि उत्पादन बाजार समिति (एपीएमसी) के निर्यात भवन में अचानक चहल पहल बढ़ गई है। विदेशी बाजार में आम की मांग बढ़ी है। हापुस का स्वाद चखने के लिए विदेशी मुंहबोली कीमत देने के लिए तैयार हैं। लेकिन आम की पैदावार में मौसम की मार पड़ने की वजह से मांग पूरा कर पाना मुश्किल है। क्योंकि इस साल हापुस आम की करीब 80 फीसदी फसल खराब हो गई है। अमेरिका-ईरान युद्ध के बीच नवी मुंबई के एपीएमसी से 1200 किलो की पहली हापुस आम की खेप हवाई मार्ग से अमेरिका के लिए रवाना की गई। फसल देर से तैयार होने के कारण इस साल करीब एक महीने की देरी से हापुस आम का निर्यात शुरू हुआ है।

शुक्रवार एपीएमसी में कुल 2956 क्विंटल आम आया

इस बार हापुस की कीमत पिछले साल की अपेक्षा दोगुनी बोली जा रही है। शुक्रवार 27 मार्च को नवी मुंबई एपीएमसी में कुल 2956 क्विंटल आम आया। जिसमें से देवगड हापुस 1845 क्विंटल और रत्नागिरी के बागों से 1196 क्विंटल हापुस एपीएमसी पहुंचा। देवगड हापुस की न्यूनतम कीमत 70 हजार और अधिकतम कीमत 90 हजार रुपये प्रति क्विंटल बोली गई जबकि औसत दाम 80 हजार रुपये प्रति क्विंटल था। वहीं रत्नागिरी के हापुस की कीमत औसत कीमत 65 हजार रुपये थी इसका अधिकतम दाम 70 हजार और न्यूनतम दाम 60 हजार रुपये प्रति क्विंटल था।

आरबीआई ने 3 बैंकों पर ठोंका 2.17 करोड़ रुपए का जुर्माना

नियमों और दिशा-निर्देशों के उल्लंघन का मामला

□ मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने विभिन्न नियमों और दिशा-निर्देशों के उल्लंघन के कारण 3 सार्वजनिक बैंकों पर कुल दो करोड़ 17 लाख 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा फिनटेक कंपनी पाइन लैब्स पर भी तीन लाख 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। केंद्रीय बैंक ने शुक्रवार को अलग-अलग प्रेस विज्ञप्तियों में बताया कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया पर धोखाधड़ी की रिपोर्टिंग की समुचित व्यवस्था न करने और परिसंपत्ति वर्गीकरण तंत्र में मानवीय हस्तक्षेप करने के लिए 95.40 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

आरबीआई ने पाया कि बैंक ने धोखाधड़ी वाले लेनदेन की रिपोर्टिंग के लिए ग्राहकों को विभिन्न चैनलों पर चौबीसों घंटे रिपोर्टिंग की सुविधा उपलब्ध नहीं करायी। बैंक ऑफ इंडिया पर 58.50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। उस पर प्राथमिक सेक्टर को ऋण देने और जमा पर ब्याज संबंधी नियमों के उल्लंघन का आरोप है। बैंक ने प्राथमिक क्षेत्रों के 25 हजार रुपये तक के ऋण देने पर भी सेवा शुल्क, निरीक्षण शुल्क और प्रोसेसिंग शुल्क वसूले थे। इस अलावा उसने सावधि जमा खातों पर परिपक्वता की तारीख से पैसे ग्राहकों को देने की तारीख तक के लिए ब्याज का भुगतान नहीं किया। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया केवाईसी और बुनियादी बचत बैंक जमा खाता संबंधी नियमों के उल्लंघन के कारण 63.60 लाख का जुर्माना लगा है। वह तय समय सीमा के भीतर केंद्रीय केवाईसी रिकॉर्ड्स रजिस्ट्री में कुछ ग्राहकों के केवाईसी रिकॉर्ड अपडेट करने में विफल रहा था। इसके अलावा बैंक को कुछ ग्राहकों के एक से अधिक बुनियादी बचत बैंक जमा खाता खोलने का भी दोषी पाया गया।

केंद्रीय बैंक ने पाइन लैब्स को प्रीपेड भुगतान तंत्र संबंधी नियमों के उल्लंघन का दोषी पाया और उस पर तीन लाख 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।आरबीआई ने बताया कि तीन सार्वजनिक बैंकों और पाइन लैब्स को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। लिखित जवाब और मौखिक सुनवाई में दिये गये जवाब असंतोषजनक पाये जाने के बाद जुर्माने की कार्रवाई की गइ है।

आपदा : अंगूर फसल पूरी तरह बर्बाद, किसानों ने की मुआवजे की मांग

महाराष्ट्र के सोलापुर में बेमौसम बारिश एवं ओलावृष्टि का कहर

□ सोलापुर

महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में असमय बारिश और जोरदार ओलावृष्टि ने भारी तबाही मचाई है, जिसमें मोहोल तालुका का पापरी क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। अचानक आई इस आपदा से किसानों को बड़ा नुकसान हुआ है और फलों के बाग को भारी झटका लगा है। पापरी क्षेत्र की अंगूर की बाग पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। वहीं, किशमिश (बेदाना) उत्पादन को भी बड़ा नुकसान पहुंचा है। ओलों की मार से अंगूर के गुच्छे जमीन पर गिरकर नष्ट हो गए हैं, जबकि कई बागों को भारी क्षति पहुंची है। इससे किसान काफी परेशान हैं और आर्थिक संकट की आशंका जता रहे हैं। खास बात यह है कि रातभर हुई ओलावृष्टि के बर्फ सुबह तक भी नहीं पिघले थे, जिससे इसकी तीव्रता का अंदाजा लगाया जा सकता है. ऐसे में फसलों के नुकसान को लेकर किसानों ने प्रशासन से तुरंत पंचनामा कर नुकसान भरपाई देने की मांग की है।

बारिश से खराब हुई फसल के पीड़ित किसान संजय गायकवाड ने कहा कि इतनी तेज बारिश हुई, इतना बड़ा तूफान आया कि लोगों का कुछ भी नहीं बचा, शेड उड़ गए, खेती का बहुत बड़ा नुकसान हुआ, अमरूद की फसल का भारी नुकसान हुआ, अंगूर की फसल भी पूरी तरह बर्बाद हो गई और इतनी बड़ी ओलावृष्टि शुरू हुई कि मैंने अपने जीवन में कभी इतने बड़े ओले नहीं देखे थे। इतने बड़े-बड़े ओले गिरने लगे कि रात 12 बजे जो ओले गिरे थे, 13-14 घंटे बाद भी वैसे के वैसे पड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि इतना खर्च करके किसान फसल उगाता है, इसलिए सरकार को किसानों पर ध्यान देना चाहिए।

मौसंबी के बाग में भारी नुकसान

वहीं, पिछले हफ्ते हुई बारिश से छत्रपति संभाजी नगर जिले के साजखेड़ा और आसपास के गांवों में हालात और भी खराब हैं। एक किसान ने बताया कि उनके ढाई एकड़ खेत में करीब 50 क्विंटल गेहूं का नुकसान हुआ है और अब फसल बेचने पर भी उचित दाम मिलने की उम्मीद नहीं है। वहीं, एक दूसरे किसान ने कहा कि उनके मौसंबी के बाग में लगे छोटे-छोटे फल तेज बारिश और ओलावृष्टि से टूटकर गिर गए, जिससे पूरी फसल बर्बाद हो गई है।

ओरिएंटल इंश्योरेंस ने एक साल में प्रीमियम से जुटाए 20,000 करोड़

□ नई दिल्ली

ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी (ओआईसीएल) ने वित्त वर्ष 2025-2026 में सकल प्रीमियम के रूप में 20,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि यह वृद्धि ग्रुप पर्सनल एक्सीडेंट, स्वास्थ्य, फायर और मोटर बीमा पोर्टफोलियो से प्राप्त मजबूत योगदान के कारण संभव हुई है। हाल के वर्षों में कंपनी ने ओरिएंटल संपूर्ण स्वास्थ्य सुरक्षा, ड्रोन बीमा, इवेंट बीमा और कस्टम ड्यूटी बीमा जैसी नवाचारी पेशकशों के साथ अपने उत्पादों के पोर्टफोलियो को मजबूत किया है।

मंत्रालय ने कहा कि यह उपलब्धि बीमाधारकों, मध्यस्थों और हितधारकों के ओआईसीएल पर बढ़ते विश्वास को दर्शाती है तथा व्यापक रूप से सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा संस्थाओं में भरोसे को भी रेखांकित करती है। यह सरकार के साल 2047 तक सबको बीमा के व्यापक लक्ष्य के अनुरूप है। मंत्रालय ने कहा गया है कि कंपनी कई भविष्योन्मुख समाधानों की पेशकश की तैयारी में है, जो बदलते जोखिम परिदृश्य और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप हैं।वित्त वर्ष के दौरान मोटर खंड ओआईसीएल के लिए विकास का प्रमुख आधार बना रहा और कंपनी के पोर्टफोलियो में सबसे बड़ा योगदानकर्ता रहा। निजी कार बीमा इस खंड में अग्रणी रहा, जिसमें 14.5 लाख से अधिक पॉलिसियां और 869 करोड़ रुपये का प्रीमियम शामिल है।